दीपिका-1

2. अमात्रिक शब्द

(क) 1. जल 2. भगत 3. नभ 4. उधर 5. सब 6. पलक 7. वर 8. कपट 9. कण 10. अदरक 11. थन 12. पकड़न 13. नख 14. गणपत 15. बच 16. कटहल। **(ख)** 1. नल 2. बस 3. फल 4. जग 5. मटर 6. शलजम 7. बत्तख **(ग)** 1. टब 2. बरतन 3. थन 4. थरमस

3. आ की मात्रा (ा)

(क) 1. चाल 2. अनार 3. कला 4. राघव 5. पाठ 6. बाला 7. तार 8. पालक 9. खाट 10. हाथरस 11. राजा 12. बादल **(ख)** 2. काल काला 3. माल माला 4. तार तारा **(ग)** 1. बाजा 2. अनार 3. छाता 4. ताला

4. मात्राएँ : इ (ि) व ई (ी)

(क) 1. दिन 2. खीर 3. सिर 4. रीठा 5. किरण 6. तीस 7. टिकट 8. घड़ी **(ख)** 2. लाली 3. हाथी 4. खाली **(ग)** 1. सितार 2. चिमटा 3. नारियल 4. घड़ी

5. मात्राएँ : उ (ु) व ऊ (ू)

(क) 1. पुल 2. पूनम 3. चुप 4. जूता 5. खुल 6. बापू 7. दुम 8. रूमाल **(ख)** 1. चूहा, जूता 2. सूरज 3. बगुला 4. फूल 5. बुलबुल

6. मात्रा : ऋ (ृ)

(क) 1. तृण 2. कृषक 3. नृप 4. वृषभ 5. गृह 6. सदृश

7. मात्राएँ : ए (े) व ऐ (ै)

(क) 1. पेड़ 2. मैल 3. शेर 4. हैरान 5. रेखा 6. मैया 7. नेता 8. शैतान **(ख)** 1. थैला 2. रेल 3. सैनिक 4. केला

8. मात्राएँ : ओ (ो) व औ (ौ)

(क) 1. धोबी 2. मौज 3. बोल 4. गौरव 5. लोटा 6. फौरन 7. तोता 8. सौदागर **(ख)** 1. ढ़ोलक 2. मोर 3. पौधा 4. तोते

9. मात्राएँ : अनुस्वार (ं) व चंद्रबिंदु (ँ)

(क) 1. कंस 2. ऊँट 3. संग 4. पूँछ 5. गंध 6. टाँग 7. दंश 8. ताँगा 9. शंख 10. बाँसुरी 11. नंदन 12. कुआँ **(ख)** 1. बंदर, पेड़ों 2. चाँद

10. अः की मात्र (:)

स्वयं करें।

11. 'र' का संयोजन

(क) 2. नर्स 3. बर्फ 4. सर्प 5. हार्न 6. वर्षा 7. पर्स 8. धर्म 9. दर्पण 10. मर्ज 11. कर्म 12. मार्च **(ख)** 1. चक्र 2. ड्रम 3. उम्र 4. ट्रक 5. प्रेम 6. क्रिकेट 7. ग्रह 8. ड्राइवर 9. प्रताप 10. उग्र 11. प्रथम 12. व्रत **(ग)** 1. नर्स 2. ट्रक 3. पर्स 4. फ्रॉक

12. संयुक्त वर्ण तथा आधे अक्षर

(क) 1. कक्षा 2. मट्ठा 3. मच्छर 4. कत्था 5. सत्य 6. रस्सी 7. यज्ञ 8. ज्यादा 9. लड्डू 10. डिब्बा **(ख)** 1. रिक्शा 2. गुब्बारा 3. चक्की **(ग)** 1. मक्खी 2. डिब्बा 3. कुत्ता

13. हुआ सवेरा

(क) 1. स 2. स 3. स 4. ब 5. स **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखित: (क) 1. अंधेरा 2. उजाला 3. मंद-मंद 4. मोती जैसे शीशमहल पर

भाषा की बात: (क) 2. पढ़ाया 3. बुलाया 4. खिलाया 5. हँसाया 6. बैठाया **(ख)** 1. सवेरा 2. घास 3. मोती 4. दूब 5. सूरज 6. मोर 7. महल 8. सोना **(ग)** स्वयं कीजिए **(घ)** स्वयं कीजिए **(ड़)** 1. संसार 2. घास 3. अंधेरा 4. उजाला

सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

14. बंटी बंदर चला स्कूल

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. ब **(ख)** 1. पेड़ 2. मंदिर 3. बंटी बाबू 4. पेड़ **(ग)** सही- 3, 4

गलत 1, 2 **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स
लिखित: (क) 1. बंटी बंदर 2. स्कूल यूनिफार्म और स्कूल बैग में पुस्तकें 3. सुन्दर चित्रों वाली एक पुस्तक 4. बच्चों ने 5. विद्या का मंदिर
भाषा की बात: (क) वानर, वृक्ष, गज **(ख)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. गलत 6. गलत 7. सही 8. गलत **(ग)** 1. ल 2. य 3. अ 4. ब 5. स 6. द **(घ)** स्वयं कीजिए
सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

15. बुद्धिमान सचिन

(क) 1. स 2. स 3. ब 4. स 5. अ
(ख) 1. बुद्धिमान 2. घर 3. देखता 4. समझता
(ग) 1. अ 2. स **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स
लिखित: (क) 1. सचिन के मम्मी और पापा को काम से फुरसत नहीं मिलती थी। 2. एक दर्जन 3. एक किलो 4. तीस रूपये दर्जन 5. पचास रूपये किलो
भाषा की बात: स्वयं कीजिए
सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

16. मेघा अब तो बरसो रे!

(क) 1. स 2. स 3. ब **(ख)** स्वयं कीजिए
लिखित: (क) 1. वर्षा होनें के लिये। 2. मछली तड़प रही है। 3. फूलों के लिये। 4. हरियाली
भाषा की बात: (क) स्वयं कीजिए **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** स्वयं कीजिए
सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

17. हंस किसका?

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब **(ख)** 1. आकाश 2. गोद 3. चचेरा 4. हंस **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स **(घ)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही
लिखित: 1. टहल रहे थे। 2. तीर से बेधा हुआ हंस पाया। 3. मैनें इसे बाण मारा है। 4. मैनें इसे बचाया है। 5. मारने वाले से बचाने वाले का अधिकार अधिक है।
भाषा की बात: (क) 1. पुन्य 2. अन्याय 3. रोना 4. कम **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** स्वयं कीजिए **(घ)** स्वयं कीजिए **(ङ)** स्वयं कीजिए
सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

18. आसमान गिरा

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. स **(ख)** 1. आसमान 2. डरकर 3. हिरन 4. नारियल **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स
लिखित: 1. नारियल के पेड़ के नीचे 2. उसे लगा आसमान गिर रहा है। 3. खरगोश के पीछे हाथी, हाथी के पीछे हिरन, हिरन के पीछे भालू, भालू के पीछे शेर। 4. शेर के कहने पर। 5. नारियल
भाषा की बात: स्वयं कीजिए
सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

19. प्यार करो पेड़ों से

(क) 1. ब 2. स 3. स **(ख)** 1. नगर 2. पैसे 3. हरी 4. पक्षी 5. वनदेवी **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. गलत **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स
लिखित: (क) 1. गाँव में। 2. लकड़ियाँ काटने 3. हरी-डालियाँ काटने से मना किया। 4. मुझे क्षमा करो। अब मैं कोई हरा पेड़ न काटूंगा। 5. सभी प्राणियों को इनसे प्राणवायु मिलती है, अब कभी हरे पेड़ मत काटना।
भाषा की बात: स्वयं कीजिए
सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

20. जो स्वस्थ, वही सुखी

(क) 1. स 2. स 3. अ **(ख)** स्वयं कीजिए
(ग) 1. सोनू 2. बासी 3. बलवान 4. उदास
लिखित: (क) 1. राजू 2. राजू 3. सोनू
भाषा की बात: (क) 1. ब 2. ब 3. ब **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. नहाना 2. बिमार रहने वाला 3. हमेशा 4. छोड़ना 5. बिमारी 6. रोज
सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

21. दुर्घटना से बचो

(क) 1. स 2. अ 3. ब 4. ब 5. स **(ख)** 1. द 2.

य 3. अ 4. ब 5. स **(ग)** 1. नितिन 2. आँगन 3. छोटू 4. मुन्ना

लिखितः (क) 1. पतंग उड़ा रहे थे। 2. छत से गिर गया। 3. हथौड़ी से कील ठोकते हुये 4. छोटू माचिस की तीली जला जलाकर फेंक रहा था।

भाषा की बातः स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

दीपिका-2

1. दुखियारों की पीर हरूँगा

(क) 1. स 2. स 3. स 4. स 5. ब **(ख)** 1. स्वयं कीजिए **(ग)** 1. सही 2. सही 3. गलत 4. सही

लिखितः 1. पढ़-लिखकर ऊँचा नाम कमाने के लिए 2. मुन्नी 3. छोटा, छोटी 4. अफसर

भाषा की बातः (क) स्वयं कीजिए **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. सवेरा 2. संध्या 3. सूचना 4. पुस्तक 5. शरीर 6. चिट्ठी **(घ)** स्वयं कीजिए **(ङ)** 1. मम्मी 2. पप्पू 3. मक्खी 4. क्षमा 5. ऋतु

सोचने समझने की बातः (क) 1. दुखियों की पीड़ा सुन सकता है। 2. अफसर बन सकता है। **(ख)** 1. अफसर नहीं बन सकता। 2. दुखियों की पीड़ा नहीं सुन सकता।

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

2. धूर्तता छोड़ो, सत्य बोलो

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. ब **(ख)** 1. नितिन 2. दूसरी छत पर 3. बगीचे 4. खों- खों **(ग)** 1. गलत 2. गलत 3. सही 4. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः 1. रचित के पड़ोस में 2. कबूतर 3. मुर्गी और उसके बच्चों की 4. कौए को उस पर दया आ गई 5. अपनें बच्चों के

भाषा की बातः (क) और **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 3. कमरे 4. मुर्गियाँ 5. तबले 6. तितलियाँ 7. चरखें 8. छलनियाँ 9. पपीते 10. जालियाँ 11. जूते 12. रोटियाँ

सोचने समझने की बातः (क) सच **(ख)** सच **(ग)** सत्य **(घ)** स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

3. सफाई और स्वास्थ्य

(क) 1. स 2. स 3. अ 4. ब **(ख)** 1. शाम 2. माला 3. मम्मी 4. पानी **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही

लिखितः 1. मम्मी ने समझा यश खेलकर जय के घर चला गया होगा। 2. एक प्रकार के अति सूक्ष्म जीवाणु। 3. गंदगी में। 4. पेट की बीमारियाँ, पेचिश, हैजा, टाइफाइड 5. क्योंकि हाथों में बैक्टीरिया छिपे होते है।

भाषा की बातः (क) स्वयं कीजिए **(ख)** 1. भोजन 2. स्वच्छ 3. साबुन 4. सूक्ष्म **(ग)** 1. बिमारियाँ 2. बाल्टियाँ 3. चीजें 4. तौलिये **(घ)** स्वयं कीजिए **(ङ)** 2. चुहिया 3. मम्मी 4. बिल्ली 5. मामी 6. कबूतरी 7. चाची 8. घोड़ी **(च)** स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

4. कुसंगति का परिणाम

(क) 1. अ 2. ब 3. ब 4. ब **(ख)** 1. किसान 2. नदी पार 3. सियार 4. सियार **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः 1. वह दिन भर ऊँट से काम लेता, परन्तु चारा पानी न देता। 2. गाँव के बाहर पेड़ों की पत्तियाँ खा कर। 3. वह ऊँट पर सवारी करके नदी सरलता से पार करना चाहता था। 4. नदी पार तरबूज और खरबूजे के खेत में। 5. सियार के कारण

भाषा की बातः (क) 2. बनावट 3. जल्दी 4. दोस्ती 5. नसीब 6. सूचना 7. कमर 8. आवाज **(ख)** 2. साथी 3. गरीबी 4. तैयारी 5. अमीरी 6. सवारी

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

5. भारत की आजादी

(क) 1. ब 2. स 3. ब **(ख)** 1. स 2. द 3. अ 4. ब **(ग)** 1. तिरंगा 2. आजादी 3. भारत 4. खुश 5. मिठाईयाँ

लिखितः (क) 1. भारत अंग्रेजों की दासता से स्वतंत्र हुआ था। 2. स्वतंत्रता के उत्सव की तैयारियाँ कर रहा था। 3. 15 अगस्त 1947 को। 4. उन्होनें

कहा कि हम केवल अँगरेजों से आजाद ही नहीं हुए है, बल्कि अब नये भारत के निर्माण की जिम्मेदारी भी हमारे कंधों पर आ गई है।

भाषा की बातः (क) (ख) व **(ग)** स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

6. डर का भूत

(क) 1. अ 2. ब 3. ब 4. ब **(ख)** 1. खेतों 2. पुलिस 3. गिरोह 4. पोल **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. गलत 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः 1. अंधेरे से 2. अज्ञानवश 3. अजीब-अजीब आवाजें आनें के कारण 4. कि वहाँ भूत बसते है। 5. कई अन्य चोर और चोरी का सामान।

भाषा की बात : (क) (ख) (ग) स्वयं कीजिए **(घ)** 1. रात के समय चोर चोरी करने जाते। 2. रात के समय नेहा दीपू को डराती। 3. रात के समय दादाजी खाँसते। 4. रात के समय मेंढ़क टर्राते। **(ङ)** (1) (6) स्त्रीलिंग (2) (3) (4) (5) पुल्लिंग **(च)** स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

7. सूरज जल्दी आना जी

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. अ 5. ब **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखित : 1. बरसात का 2. धूप 3. सफेद 4. कोहरा 5. आर- पार दिखाई नहीं देता। 6. कपड़े गीले है।

भाषा की बातः (क) (ख) (ग) (घ) स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

8. जासूस बेटी

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. स **(ख)** 1. पेन 2. कीमती 3. समोसे 4. मेदिनी **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः 1. 10 वर्ष की बालिका 2. नौकर था, जो अठारह-बीस वर्ष का युवक था। 3. जासूस 4. बनियान पर रोशनाई के निशान देखकर। 5. मेदिनी के पापा को कुछ लिखना था।

भाषा की बातः (क) स्वयं कीजिए **(ख)** 1. चोर 2. नौकर 3. भिखारी 4. चौकीदार 5. बुद्धिमान **(ग)** 1. बेकार 2. उत्तर 3. बुराई 4. कम 5. मूर्ख 6. हँसना 7. साफ 8. मिलना

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

9. जीवप्रेमी सत्यदेव

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. ब **(ख)** 1. सेवा 2. स्कूटर 3. देखभाल 4. सिकाई 5. प्राण **(ग)** स्वयं कीजिए

लिखितः 1. शालीन व्यवहार 2. ताकी कुत्ते व पशु- पक्षी भूखे-प्यासे न रहें 3. पूँछ हिलाकर 4. क्योंकि स्कूटर उसके ऊपर से ऊतर गया था। 5. सिकाई करके

भाषा की बातः (क) 3. स्त्री 4. शेर 5. कुतिया 6. ऊँट 7. हिरनी 8. बैल 9. गधी 10. हाथी 11. घोड़ी 12. बछड़ा **(ख) (ग) (घ)** स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

10. जल ही जीवन है

(क) 1. स 2. ब 3. अ 4. स **(ख)** 1. हाथ-पैर 2. टोंटी 3. जल निगम 4. मेहमान **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. गलत 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः 1. मंदिर 2. नल की टोंटी ना होने के कारण। 3. क्योंकि बाथरूम की टोंटी टपक रही थी। 4. क्योंकि उनकें घर मेहमान आ गये थे। 5. चारों ओर रेगिस्तान दिखाई देगा।

भाषा की बातः (क) (ख) स्वयं कीजिए **(ग)** 2. प्यासी, प्यासे 3. ऊँची, ऊँचे 4. सच्ची, सच्चे

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

11. निराला जादूगर

(क) 1. ब 2. ब 3. स **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखितः 1. बंदर 2. करतब 3. क्योंकि मुन्ना भाई

बड़े-बड़े जादू दिखाता है। 4. मूँछें नुकीली, पगड़ी लम्बी 5. तगड़ी 6. खाली टोकरी में बड़ा सा मुर्गा ला दिया।
भाषा की बातः (क) 2. मौरनी 3. गाय 4. बाघिन 5. चुहिया 6. ग्वालिन **(ख)** 1. जादूगर 2. चालाक 3. चोर 4. झूठा **(ग)** 2. पढ़ना-लिखना 3. हाथ-पैर 4. सोचो- समझो 5. खेल-कूद
सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए
कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

12. नंदू का अनारबम

(क) 1. ब 2. ब 3. अ 4. ब **(ख)** 1. नवरात्र 2. छुड़ाने 3. ऑफिस 4. नंदू **(ग)** 1. सही 2. सही 3. गलत 4. सही 5. गलत **(घ)** 1. य 2. द 3. अ 4. ब 5. स
लिखितः (क) 1. दीपावली की वजह से 2. दिन में कोई पटाखे नहीं छुड़ायेगा 3. फूलझड़ियों की चिंगारियों से। 4. अनारबम के चिंगारियों की बौछार से 5. गीले तौलिये से।
भाषा की बातः स्वयं कीजिए
सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए
कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

13. जीवनदाता पेड़

(क) 1. ब 2. अ 3. ब 4. अ **(ख)** स्वयं कीजिए
लिखितः 1. पेड़ 2. पत्ते झड़ जाते है। 3. खुश रहने का 4. जब फल लगते है।
भाषा की बातः (क) 2. मतदाता 3. अन्नदाता 4. जन्मदाता **(ख)** 2. पानी 3. मौसम 4. धूप 5. बादल 6. रंग 7. खेल 8. बच्चा
सोचने समझने की बातः (क) 1. नारियल 2. गुलाब 3. पेड़ 4. तुलसी 5. शीशम **(ख)** स्वयं कीजिए
कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

14. होली है भाई!

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. स **(ख)** 1. सुबह 2. लाल 3. मम्मी 4. पीठ **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स
लिखितः 1. क्योंकि उसकी मम्मी रंग लानें के लिये पैसे नहीं दे रहीं थी। 2. क्योंकि बाजार के रंग केमिकल युक्त होते है। 3. पीयूष के चाचा 4. पीयूष और रचना 5. प्राकृतिक व हानिरहित
भाषा की बातः (क) 1. लाभ 2. उदास 3. दुश्मन 4. अप्राकृतिक 5. अच्छा 6. नीचे **(ख)** 2. भलाई 3. ऊँचाई 4. चौड़ाई 5. लंबाई 6. चतुराई **(ग)** 2. हँसकर 3. खेलकर 4. पढ़कर 5. सुनकर 6. सोकर 7. बोलकर 8. जगकर **(घ)** व **(ङ)** स्वयं कीजिए
सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए
कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

15. उचित न्याय

(क) 1. स 2. अ 3. ब **(ख)** 1. प्रेमपूर्वक 2. चिट्टू 3. धूर्तता 4. बाल्टी (ग) 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. गलत 5. गलत (घ) 1. द 2. ब 3. अ 4. य 5. स
लिखितः 1. उसकी धूर्तता के कारण 2. खेत के सूखने की। 3. सौ रूपये देने की बात पर। 4. कि तुमने तालाब के पैसे दिये है, पानी के नहीं। 5. अब सियार सारे जंगल में एक वर्ष तक बिना वेतन के झाड़ू लगायेगा।
भाषा की बातः (क) 1. से, मिलेगा। 2. का, पानी नहीं ले जा सकती। 3. को, सभी जानते थे। 4. ने, बकरी की सारी बातें ध्यान से सुनी। 5. के, पास कोई उत्तर न था। **(ख)** 1. घृणा 2. अपरिचित 3. पुरस्कार 4. अच्छा 5. लाभ 6. दुःखी **(ग) (घ) (ङ)** स्वयं कीजिए
सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए
कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

दीपिका-3

1. हम गढ़ते अपनी तकदीर

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. अ **(ख)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही **(ग)** स्वयं कीजिए
लिखितः 1. समूह-गीत गा रहे है। 2. भाव यह है कि बच्चे चाहते है कि हम अपने जीवन को अपने आप अच्छा बना सकते है। 3. क्योंकि वह देश के लिये, अपने लिए कुछ करके दिखाना चाहते है। 4. कि हम बड़े होकर अच्छे बनकर नये और अच्छे राष्ट्र को बनाना चाहते है।
भाषा की बातः (क) 2. देशवासी, देशप्रेम 3. सत्यवादी, सत्यता **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. दृढ़ता 2. सफलता 3. विफलता 4. शुद्धता

5. पवित्रता 6. महानता **(घ)** स्वयं कीजिए **(ङ)** 1. ब 2. स 3. ब 4. ब 5. अ 6. स **(च)** 1. बाधाएँ 2. शालाएँ 3. आवश्यकताएँ 4. सुविधाएँ 5. सफलताएँ 6. रचनाएँ **(छ)** 1. विफल 2. अमंगल 3. विदेश 4. नीचे 5. असाधारण 6. उदास 7. सुख 8. जीत **(ज)** 1. स 2. ब 3. ब 4. स 5. ब

सोचने समझने की बात: (क) 1. पढ़-लिखकर अच्छे कार्य करके 2. शिक्षित एवं कर्मठ लोगों से 3. जो लोग राष्ट्र की सेवा करते है 4. अच्छे कार्य करने चाहिए, मन लगाकर पढ़ाई करनी चाहिए।

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

2. बाँसुरीवाला

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब **(ख)** 1. मेले 2. सीटी 3. चिंटू 4. नदी **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही

लिखित: 1. उत्पात मचाकर और लोगों को काटकर 2. एक हजार रूपए लेने की 3. झूठ बोलकर उसे छला 4. बच्चों को बाँसुरी की धुन से सम्मोहन करके अपने साथ ले कर।

भाषा की बात: 1. बंदरिया 2. लड़की 3. स्त्री 4. चुहिया 5. बहन 6. बकरी **(ख)** 1. नाक में दम कर दिया। 2. बोलती बंद कर दी। 3. अक्ल के घोड़े दोड़ाये। 4. लोग हाथ-मलते रह गये।

सोचने समझने की बात: 1. बंदर व चूहे गाँव वालो को खा जाते। 2. बच्चे मर जाते। 3. बाँसुरी वाला बच्चों को नहीं लेकर जाता। 4. बच्चे मर जाते।

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

3. नकली तेनालीराम

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब 5. अ **(ख)** 1. ऊपरी मन से 2. उदास 3. विनम्र 4. रिश्वतखोरी **(ग)** 1. नहीं 2. नहीं 3. हाँ 4. हाँ 5. हाँ

लिखित: 1. राज्य की प्रजा और अधिकारी भ्रष्ट होते जा रहे थे इसी कारण से राजा ..... थे। 2. क्योंकि तेनालीराम के पास प्रत्येक प्रश्न का उत्तर खोजने की चाबी रूपी मस्तिष्क था। 3. सड़के नापने का। 4. लोगों के मकान सड़क चौड़ी होने के कारण न गिराये जायें इसलिए वह नकली ..... 5. राजा ने देखा कि नकली तेनालीराम राज्य के अधिकारियों व मंत्रियों के साथ मिलकर रिश्वत से प्राप्त धन का बँटवारा कर रहा था।

भाषा की बात: (क) 1. तेनालीराम 2. बालक 3. फल 4. आम 5. अधिकारी 6. औरत **(ख)** 2. रिश्वतखोर 3. झूठा 4. सत्यवादी **(ग)** 2. कृपालु 3. विनम्र 4. क्रोधी 5. भूखे 6. प्यासा 7. सुखी 8. दुखी 9. गर्मी 10. ठंडी (घ) 1. उदास 2. कायर 3. उत्तर 4. समाधान 5. सुखद **(ङ)** स्वयं कीजिए **(च)** 1. ब 2. अ 3. अ

सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

4. बया हमारी चिड़िया रानी!

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. स **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखित: 1. खेतों से दाना लाकर 2. जिससे बया को दूर ना जाना पड़े। 3. जब बया के बच्चे पर निकलने पर उड़ जाएगें इसलिये चिड़िया को रोनें .. .. 4. छोटे बच्चे

भाषा की बात: (क) स्वयं कीजिए **(ख)** 1. ओर, और 2. बाहर, बहार 3. सामान, समान 4. पीता, पिता

सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

5. आजादी की चाह

(क) 1. स 2. ब 3. अ 4. ब **(ख)** 1. विश्व 2. टापू 3. अपने निजी 4. आजादी **(ग)** 1. सही 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही

लिखित: 1. यूरोप व अमेरिका के लोग अफ्रीका के जंगलो के लोगों को गुलाम बनाना चाहते थे। 2. नर्कतुल्य 3. उसे साफ-सुथरी वर्दी देकर दोनों समय का भोजन देकर व गुलामों-सा कठोरता व्यवहार ना करके 4. क्योंकि उसे आजादी की चाह थी 5. निकोलस से किशोर गुलाम के स्वर की पीड़ा सहन नहीं हुई।

भाषा की बात: (क) 1. आजाद 2. आजादी 3. असहनीय 4. अनिच्छा **(ख)** 1. सुविधाएँ 2. कोड़े 3. वरदियाँ 4. वस्तुऐं 5. खूँटियाँ 6. इच्छाऐं **(ग)** 1. बलपूर्वक 2. विवशता 3. विनयपूर्वक 4. निर्ममता 5. सुविधापूर्वक 6. कठिनता **(घ)** स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

6. मंत्री का चुनाव

(क) 1. ब 2. अ 3. ब 4. ब **(ख)** 1. मंत्री 2. इत्र 3. इत्र 4. चापलूसी **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: 1. केसरी राजा ने सिंह राजा को युद्ध में हरा दिया था। 2. अत्याचार करता था। 3. क्योंकि सभी पशु केसरी की चापलूसी कर रहे थे।
4. क्योंकि वह चापलूस नहीं था। 5. जो स्पष्टवादी हो न कि चापलूस।

भाषा की बात: (क) स्वयं कीजिए **(ख)** 1. द 2. स 3. अ 4. ब 5. स

सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

7. आसमान के फरिश्ते

(क) 1. स 2. स 3. स 4. ब **(ख)** 1. लकड़हारिन 2. साहूकार 3. गुड़िया, दर्पण 4. राक्षस **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत

लिखित: 1. लकड़हारिन जंगल से सूखी लकड़ियाँ लाकर बेचता और उसकी पत्नी घर के समीप वाली भूमि पर साग-सब्जी लगाकर बेचती। 2. आसमान के सितारे में से 3. मार्ग में लाल रंग के कंबल में लिपटा 4. क्योंकि वह युवक बनकर लकड़हारे की बेटी के साथ गाँव में घूमता, बातें करता, गीत गाता था। 5. क्योंकि लकड़हारिन को उनका साथ ना पसंद आने पर उसने दर्पण तोड़ दिया।

भाषा की बात: (क) 1. वह जंगल से सूखी लकड़ियाँ बीनकर लाता। 2. दोनों के दिन व्यतीत हो रहे थे। 3. परी-बेटी की चर्चा दूर-दूर तक फैल गई थी। **(ख)** 1. वे 2. साहूकार 3. आसमान 4. हम **(ग)** 1. शॉल, साल 2. प्यास, प्यासा **(घ)** 1. रौनक 2. आश्चर्य 3. चाँदनी 4. पत्नी 5. साहूकार 6. नौकर

सोचने समझने की बात: (क) 1. दर्पण तोड़ने की 2. बच्चा बड़ा ना होता 3. दर्पण ना टूटता
4. क्योंकि दर्पण टूटने पर उनकी किस्मत बेकार हो जाती है। **(ख)** व **(ग)** स्वयं कीजिए

कुछ करनें की बात: स्वयं कीजिए

8. सूखी नदी

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखित: 1. लेखक को नदी में पानी न देखकर अच्छा नहीं लगा। 2. जल से भरी हुई। 3. क्योंकि नदी में पानी ना होने पर कोई नदी के पास ना जाता था। 4. पेड़-पौधे, फूलों की अनुपस्थिति में।
5. पर्वत के प्रति

भाषा की बात: (क) 1. परिंदे 2. लताएँ
3. किनारे 4. पत्ते 5. धाराऐं 6. गुच्छे **(ख)** 1. सरिता, तटिनी 2. पानी, नीर 3. पुष्प, सुमन 4. पेड़, तरू **(ग)** 1. झर-झर 2. सर-सर 3. घुमड़-घुमड़ 4. रिमझिम **(घ)** 1. स्वर, मधुर 2. नदी, सूखी
3. घटाएँ, काली 4. वन, सुंदर

सोचने समझने की बात: (क) 1. बहुत बुरा
2. क्योंकि नदियों का जल मैला हो गया है। 3. अब पर्वतों से जल आना कम हो गया। 4. क्योंकि नदियों में लोग कपड़े धोने, पशुओं को नहलाने आदि का गंदा कार्य करने लगे है। 5. क्योंकि नदियों में जल की मात्रा कम हो गई है। **(ख)** स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

9. पर्यावरण की रक्षा

(क) 1. अ 2. ब 3. स 4. ब **(ख)** 1. हवा 2. शत्रु 3. स्वस्थ 4. फैलाती **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: 1. जो भी हमारे चारों ओर होता है।
2. यदि हमारा पर्यावरण स्वस्थ है तो हम स्वस्थ अनुभव करते है और यदि पर्यावरण अस्वस्थ है तो हम अस्वस्थ अनुभव करते है। 3. पॉलीथीन की थैलियाँ नालियों में बहाने से वे एक स्थान पर जमा होकर पानी बहने से रोकती है और दूर तक पानी रूकने से उसमें कीचड़ जमा होती रहती है।
4. पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिये। 5. पर्यावरण स्वच्छता के प्रति हमें अपने कर्तव्य का निर्वाह करना चाहिए। **(ख)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

भाषा की बात: (क) 1. साफ 2. बदबू 3. खुशबू 4. नुकसान **(ख)** 1. वायु, समीर 2. पुष्प, सुमन **(ग)** 1. दुर्गंध 2. अस्वच्छ 3. ल 4. य 5. अ
6. अखाद्य **(घ) (ङ) (च)** स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

10. गाँधी जी की हिंसा

(क) 1. स 2. स 3. स 4. स **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखित: 1. रात के समय 2. नन्हें दीप से

3. क्योंकि दीपक छोटा था और कोने में रखा था। 4. क्योंकि कुटिया में पर्याप्त प्रकाश न था। 5. कि आप प्रेम-अहिंसा के स्वामी है, फिर इतना मोटा लट्ठ क्यों रखते है। 6. तुम जैसे उधमी लड़कों को ठीक करने के लिये मैनें यह लट्ठ रखा है।

भाषा की बातः (क) 1. दिया, दीपक 2. गुस्सा, आक्रोश 3. अंधकार, प्रकाशहीन 4. सुधी, विद्वान 5. रात्रि, निशा 6. लाठी, छड़ी **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** स्वयं कीजिए **(घ)** 1. लाठियाँ 2. चश्में 3. चरखें 4. सीटियाँ 5. सुराहियाँ 6. घड़ियाँ

सोचने समझने की बातः (क) 1. सरलता से प्रेमपूर्वक 2. कुंठित हो जाएगा 3. अहिंसावादी 4. सरल ठंग से सुचितापूर्ण चलाने के लिये। **(ख)** स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

11. किसका पानी?

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब 5. अ **(ख)** 1. शांतिप्रिय 2. झगड़ा न हो 3. विश्वस्त 4. छोटी-सी **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. गलत 5. गलत

लिखितः 1. पोखर 2. चमगादड़ 3. पशुओं को यह कहकर की मेरे दाँत है और पक्षियों से कह कि मेरे पंख है। 4. शांतिप्रिय 5. पंच नियुक्त करने की 6. दोनों पक्षों के पोखर पर अधिकार पर

भाषा की बातः (क) (ख) स्वयं कीजिए **(ग)** 1. तुम क्यों नहीं पढ़ते हो? 2. तुम क्यों नहीं खेलते हो? 3. तुम बड़ों का सम्मान क्यों नहीं करते? 4. तुम क्यों झूठ बालते हो? 5. मुझे बहुत दूर क्यों चलना पड़ा? **(घ)** स्वयं कीजिए **(ङ)** 1. आवश्यकता 2. मानवता 3. लघुता 4. सुंदरता 5. पशुता 6. निर्भरता **(च) (छ)** स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

12. गधे की सवारी

(क) 1. स 2. अ 3. ब 4. ब **(ख)** 1. मुखिया 2. माहिर 3. कनस्तर 4. गधा 5. समीप **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही

लिखितः 1. शरारत के लिये 2. तालियाँ बजाकर हँसते 3. गधे की पूँछ में कनस्तर बाँधकर सवारी करने का 4. उसको उछालकर और उस पर दुलत्तियाँ मारकर 5. कि यह तो होना ही था जब कोई गधे से गधे जैसा व्यवहार करेगा तो गधा दुलत्ती तो मारेगा ही 6. बच्चों ने गप्पू का साथ छोड़ दिया। **(ख)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

भाषा की बातः (क) 1. बच्चे 2. गप्पू 3. गधे 4. चंदू चाचा 5. सभी लोग **(ख)** 1. पुल्लिंग (1, 2, 4, 5, 6, 8, 9) 2. स्त्रीलिंग (3, 7, 10) **(ग)** 1. गधी 2. मादा मच्छर 3. घोड़ी 4. मादा तीतर 5. मादा खटमल 6. मादा भालू 7. मादा कौआ 8. मादा जिराफ 9. मादा चीता 10. मादा जेबरा **(घ)** 1. शरारती 2. घना 3. पाँच 4. दो 5. अच्छे 6. झगड़ालू 7. आज्ञाकारी 8. सुंदर **(ङ)** 1. आदमी 2. बच्चा 3. गड्ढा 4. औरत 5. लड़की 6. खाई 7. बाल 8. बच्चे 9. गड्ढे

सोचने समझने की बातः (क) 1. गप्पू 2. गप्पू का 3. छोटे बच्चे 4. गप्पू ने **(ख)** स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

13. तनुप्रिया का सहेली को पत्र

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. स **(ख)** 1. ननिहाल 2. रेलगाड़ी 3. दो 4. रो **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. सही

लिखितः 1. कि ननिहाल के सारे अनुभव पत्र के माध्ययम से मुझे बताना। 2. ऐसे लग रहे थे, जैसे खंभे, पेड़ और मकान पीछे भाग रहे हो। 3. बच्चे गर्मी व प्यास के कारण रो रहे थे। 4. देश में जल की कमी हो रही थी। 5. पेट और त्वचा के गंभीर रोग हो रहे है। 6. चारों और रेगिस्तान दिखाई देगा। **(ख)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

भाषा की बातः (क) स्वयं कीजिए **(ख)** 2. र 3. ल 4. अ 5. ब 6. स 7. द **(ग)** 1. हम लोग 2. तनुप्रिया 3. दो बच्चे 4. मम्मी 5. लोग **(घ)** 1. लिखना 2. बैठना 3. पिलाना 4. खिलाना **(ङ)** 1. दो 2. ठंड़ा 3. प्यासे 4. प्रदूषित 5. बड़े 6. एक 7. गंभीर 8. गुनगुना

सोचने समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

14. ऐसा क्यों होता है?

(क) 1. स 2. ब 3. अ 4. स **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखितः 1. चहकता हुआ 2. टें-टें-टें 3. सूरज की रोशनी में 4. पृथ्वी की स्थिति में परिवर्तन होने के

कारण चन्द्रमा अपने आकार में परिवर्तित होता है। 5. जिन लोगों को अंतरिक्ष और पृथ्वी के सभी भागों का ज्ञान होता है वे विज्ञानी कहलाते है।

भाषा की बात: 1. पुष्प, सुमन, कुसुम 2. रवि, भानु, दिनेश 3. मीन, मतस्य, शकरी 4. मयंक, सोम, राशि 5. पानी, नीर, तोम 6. नेत्र, नयन, चक्षु **(ख)** 1. मछलियाँ 2. पिंजरे 3. पलकें 4. कलियाँ 5. आँखे 6. तारे **(ग)** पुल्लिंग (1, 2, 3, 7) स्त्रीलिंग (4, 5, 6, 8, 9)

सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

15. यूनान की देवियाँ

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब **(ख)** 1. घमंड़ 2. प्रतियोगिता 3. सुंदरी 4. एफ्रोदित 5. देवताओं **(ग)** 1. सही 2. सही 3. गलत 4. सही

लिखित: 1. तीनों को अपने गुणों व सुंदरता पर घमंड़ था 2. राजा ट्रोय को निर्णायक चुना गया। 3. एफ्रोदित 4. हेलन के गायब होने के रहस्य को जानकर 5. वास्तव में हम तीनों ..... लाभ उठाना चाहा। **(ख)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

भाषा की बात: (क) स्वयं कीजिए **(ख)** 1. सु+विचार 2. सु+प्रभात 3. सु+प्रसिद्ध 4. सु+शासन 5. सु+दूर 6. सु+शांत **(ग)** 1. स्त्रीलिंग (1, 2, 4, 6) पुल्लिंग (3, 5) **(घ)** स्वयं कीजिए **(ङ)** 1. निर्दोष 2. सुंदर 3. ऊँची 4. सच्चे

सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

16. अनोखी बालसभा

(क) 1. ब 2. स 3. अ 4. ब **(ख)** 1. पिंकी 2. चंपक 3. बिट्टू 4. बंटी 5. कालू **(ग)** 1. गलत 2. गलत 3. गलत 4. सही 5. गलत

लिखित: (क) स्वयं कीजिए **(ख)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

भाषा की बात: (क) स्वयं कीजिए **(ख)** 1. सेब 2. नीम 3. माहौल 4. भोग 5. दुनिया 6. कपड़ा 7. साथी 8. लोग 9. बंटी **(ग)** 1. आकार = गोलाकार 2. वाला = दूधवाला 3. पन = पिछड़ापन 4. इया = छलिया 5. ई = सच्चाई 6. अक्कड़ = घूमक्कड़ 7. वान = शीलवान 8. वाला = रखवाला **(घ)** 1. कालू 2. दिव्या 3. चुन्नु 4. सभी बच्चे **(ङ)** स्वयं कीजिए

सोचने समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

दीपिका-4

1. हमारा संकल्प

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. स **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखित: 1. देश के लिए नए-नए कार्य करके 2. उनका कल्याण करके, उन्हें अच्छे और कार्यों के मार्ग पर ले जाकर। 3. जो लोग ये सोच कर बैठे है, वे कुछ नहीं कर सकते, उन्हें उत्साहित करेंगें कि वे बहुत कुछ कर सकते हैं। 4. अपना सब कुछ समर्पित करना चाहते हैं। 5. जो वीर हमारे देश के लिए बहुत कुछ करके गये हैं, उन जैसा बनकर हम उनके सच्चे बच्चे कहलायेंगें। 6. स्वयं कीजिए-

भाषा की बात: (क) 1. सपेरा 2. लुटेरा 3. चोर **(ख)** 1. गरीबी 2. अंधकार 3. उमंग 4. नयन 5.आजाद 6. शूर **(ग)** 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗ **(घ)** स्वयं कीजिए

सोचने-समझने की बात: 1. देश को और देशवासियों को प्रगति की ओर ले जाने का संदेश 2. जिस काम को मन में ठान लिया उसको करना ही है। 3. स्वयं कीजिए- 4. बच्चे देश का भविष्य हैं, वे ही देश को अपनी मातृभूमि के लिए अच्छे कार्य करके हमारे देश को विकसित देश बना सकते हैं। 5. जो बालक वीरों की तरह कार्य करेगें वे उनके सच्चे सपूत कहलायेंगे।

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

2. गाँधी जी के जीवन से

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. ब 5. अ **(ख)** 1. बालों 2. अपनी पोशाक 3. दाढ़ी 4. सादगी 5. सफाई **(ग)** 1. गलत 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: 1. क्योंकि इतना समय नहीं था कि दुपट्टे को धोबी से धुलवाया जाये। 2. क्योंकि उन्हें विश्वास नहीं था कि गाँधी जी इस्त्री सही प्रकार से करेंगे और वह दुपट्टा उनके लिए बहुमूल्य था। 3. गुरू महामति रानडे 4. क्योंकि उनकी साड़ियाँ बहुत मोटी और भारी हुआ करती थीं, और आश्रम में पानी की कमी होने के कारण उन्हें साड़ियाँ धोने दूर एक सोते पर जाना पड़ता था, जिस वजह से वे

बड़बड़ाती थीं। 5. क्योंकि एक गोरे नाई ने काले आदमी (गाँधी जी) के काले बालों को हाथ लगाने से इन्कार कर दिया था। 6. क्योंकि वह गहनों को उधार माँगकर लाई थी।

भाषा की बात: (क) 1. मित्रता 2. लोकप्रियता 3. गुरूता 4.अभद्रता 5. मातृत्व 6. शत्रुता 7. पितृत्व 8. कमी **(ख)** 1. जातिवाचक 2. व्यक्तिवाचक 3. व्यक्तिवाचक 4. व्यक्तिवाचक 5. समूहवाचक **(ग)** 1. धोबन 2. ग्वालिन 3. नाइन 4. गाय 5. जाटनी 6. महिला नेता 7. हथिनी 8. चुहिया **(घ)** 1. धोतियाँ 2. चूहे 3. साड़ियाँ 4. उस्तरे 5. अँगोछे 6. चूड़ियाँ **(ङ)** पुल्लिंग (1, 2, 4, 6, 7, 8) स्त्रीलिंग (3, 5) **(च)** 1. हर्षित 2. सफेद 3. सुखी 4. योग्य 5. दुखी 6. गंदा 7. झूठा 8. मोटा 9. चोर 10. भारी **(छ)** 2. लिखाना 3. बनाना 4. पिलाना 5. पढ़ाना 6. खिलाना 7. दिखाना 8. उठाना **(ज)** 1. चोरी 2. जंगली 3. दोषी 4. कीमती 5. सरकारी 6. बहादुरी 7. बेवकूफी 8. चली

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

3. हरियाली बचाओ

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. स 5. स **(ख)** 1. गली 2. माता-पिता 3. बाग 4. पेड़ 5. ठेकेदार **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. सही

लिखित: 1. स्वास्थ्य लाभ के लिये। 2. अनेक सड़े-हुए कूड़े के ट्रक बाग की सड़क पर खड़े थे। 3. उन्होनें 'नगर सेवा' नाम की संस्था के अध्यक्ष को फोन किया। 4. फोन करके 5. नगर सेवा अध्यक्ष ने नगरपालिका अध्यक्ष के विरूद्ध नारेबाजी की, जुलूस निकाला और नगरपालिका अध्यक्ष से शांतिपूर्ण ढ़ंग से बात करके समस्या का समाधान किया। 6. दादाजी के प्रयासों के कारण बाग की सड़कों से कूड़े के ट्रक हट गये थे। लोग वहाँ पुन: टहलने आने शुरू हो गये थे, ये देखकर दादाजी को बड़ा संतोष हुआ।

भाषा की बात: (क) 1. अपूर्ण 2. घृणा 3. स्वच्छ 4. निरादर 5. अनुचित 6. अनुपयोग 7. दुरूपयोग 8. अपवित्र 9. अपयश 10. अनिच्छा 11. प्रारंभ 12. सुगंध **(ख)** 1. दादाजी 2. मजदूरों 3. मोहन 4. चिड़िया 5. गाय **(ग)** 1. राजा आकर सिंहासन पर बैठ गये। 2. लड़कियों ने नृत्य किया। 3. ड़ाकूओं को पुलिस ने पकड़ लिया। 4. आज के छात्र कल के नेता हैं। **(घ)** 1. पर 2. से 3. के लिए 4. पर 5. में **(ङ)** पुल्लिंग (1, 2, 4, 5, 7, 8) स्त्रीलिंग (3, 6)

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

4. पशुओं की महासभा

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. स 5. ब **(ख)** 1. अभिनंदन 2. जल्लादों 3. बेहोशी 4. मनुष्य 5. बेघर **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स **(घ)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत

लिखित: 1. शेर को एक छोटे से पिंजरे में रखा जाता, खानें के लिए थोड़ा सा माँस दिया जाता, और करतब सिखानें के हेतु घंटों पीटा जाता।

2. मनुष्य वन्य-जीवों को पकड़कर यातनाएँ देता है, उन्हें खाना ना देना, और सरकस में करतब सिखाने हेतु घंटों पीटा जाता। और वन काटकर, वन्य पशुओं को बेघर कर देता। 3. भालू को मनुष्य से यह शिकायत थी कि हम मनुष्य को किसी प्रकार की पीड़ा पहुँचानें उसके घर नहीं जाते, परन्तु वह वनों में आकर हम पर भाँति - भाँति के अत्याचार करता है। भालू ने कहा जब मैं छोटा था। एक मदारी मुझे पकड़कर ले गया था। ..... यातना से गुजरा। 4. पशुओं की भलाई के लिए बनी एक स्वयंसेवी संस्था नें भालू को आजाद कराया।

5. सभी वनवासियों को पूर्ण रूप से सावधान रहना होगा। कहीं भी मनुष्य दिखाई दे, सभी शोर मचाकर जंगल सिर पर उठा लें और हमला करने के लिए दौड़ें। उन्हे जंगल छोड़ने पर मजबूर कर दें। 6. मनुष्य ने मेरे वंशजो ..... यातना झेले। 7. तोते नें कहा, मुझे लगता है ..... क्या करें?

भाषा की बात: (क) 1. सरस 2. प्रहार 3. निर + जीव = निर्जीव 4. सदा + चार = सदाचार 5. प्रति + फल = प्रतिफल 6. पश्चा + ताप = पश्चाताप **(ख)** 1. मदारी 2. जादूगर 3. रिंग मास्टर 4. अत्याचारी **(ग)** 1. भयानक 2. गहरा 3. मीठा 4. चालाक 5. मीठे 6. नुकीला **(घ)** 1. ऊपरी 2. चलाना 3. ऊँचा 4. पिछला 5. लड़ाका 6. राष्ट्रीयता

सोचने-समझने की बात: स्वयं करें
कुछ करने की बात: स्वयं करें

5. सभा का खेल

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. स **(ख)** स्वयं कीजिए
लिखित: 1. छोटे, जीजी, मोहन, लल्ली, भैया और कुछ छोटे बच्चे 2. गाँधी जी, नेहरू जी, सरोजिनी नायडू 3. चरखा चलवाने के लिए कहा 4. बहनों को सम्बोधित करते हुए कहा, हिन्दु, मुस्लिमों मेल बढ़ाओ। 5. विदेशी चीजों का
भाषा की बात: (क) 1. लाठियाँ 2. सभाएँ 3. साड़ियाँ 4. चीजें 5. सुईयाँ 6. पेटियाँ 7. कुरतें 8. लंगोटियाँ **(ख)** पुल्लिंग (1, 2, 5, 7, 8, 10) स्त्रीलिंग (3, 4, 6, 9) **(ग)** 2. सभा में बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं। 3. पुलिस वाले लाठियाँ चला रहे हैं। 4. छोटे खद्दर का कुरता पेटी से ला रहा है। 5. सभी लोग स्वदेशी वस्त्र पहन रहे हैं। **(घ)** स्वयं कीजिए
सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

6. चुन्नू के पापा

(क) 1. अ 2. स 3. स 4. स **(ख)** 1. समय 2. भिखारियों 3. हाथ 4. धरती 5. कठिनाईयों
(ग) 1. गलत 2. गलत 3. सही
लिखित: 1. चुन्नू के पापा कुत्तों को रोटी खिलाने के लिये दरवाजे पर खड़े हो जाते हैं। 2. सरकारी टोंटी से पानी बहने पर चुन्नू के पापा उसे तुरंत बंद कर देते हैं। 3. हट्टे-कट्टे भिखारियों को देखकर उन्हें बड़ा दु:ख होता है, वह उन्हें समझाते हैं। 4. चुन्नू के पापा घर व समाज के प्रति दायित्व का निर्वहन करते हैं। 5. चुन्नू के पापा को लोग ऐसे व्यक्ति के रूप में जानते हैं, जो छिपकर लोगों व पशुओं की कठिनाईयों का पता लगाते हैं, और उनकी सहायता करने मे पीछे नहीं रहते।
भाषा की बात: (क) 1. शीशियाँ 2. टोटियाँ 3. रोटियाँ 4. मुट्ठियाँ **(ख)** 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग **(ग)** 1. उपजाऊ 2. भूखे 3. दो **(घ)** 1. दयालुता 2. मूर्खता 3. चालाकी 4. प्यासी
सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

7. शशांक का पत्र

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब **(ख)** 1. प्रेम 2. हुड़दंग 3. पर्यावरण 4. जल-संकट 5. हानि **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. गलत **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स
लखित: 1. प्रस्तुत पाठ में पत्र शशांक द्वारा कानपुर से उसके प्रिय मित्र मोहन को लिखा गया है। 2. पत्र के अन्तर्गत पत्र की मूल विषय-वस्तु पर्यावरण व उसकी हानि है। 3. होली पर लड़के प्राय: इधर-उधर वृक्ष काटते फिरते हैं, जिससे होली पर पर्यावरण की हानि होती है। 4. दीपावली पर सभी लोग अनेक प्रकार के पटाखे व बारूद जलाते हैं, जिससे कि उसके जले धुँऐ से हमारे पर्यावरण को हानि होती है। 5. हमारे देश मे लोग प्राय: पानी का बेफिक्र निर्वाह करते हैं, कुछ लोग अपनी छत की टोटियाँ खुली छोड़ देते हैं, कुछ लोग वाहनों को धोने में पानी का फिजूल निर्वाह करते हैं। निम्न कारणों व अन्य कारणों से स्पष्ट है, कि लोग जल का बहुत अपव्यय करते हैं।
भाषा की बात: (क) 1. पिताजी त्योहारों पर गंदगी फैलाने से मना करेगें। 2. लड़कों की टोलियाँ होली के लिए लकड़ियाँ ला रही थीं। 3. लोग पानी का अपव्यय कर रहे हैं। **(ख)** 2. विजय 3. विदेश 4. विसम 5. विनाश 6. वियोग
(ग) 1. अग्नि, ज्वाला, पावक 2. पानी, उदक, वारि 3. तरू, नग, पेड
सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

8. छोटू, चाय ला!

(क) 1. ब 2. अ 3. ब 4. स **(ख)** 1. ग्राहक 2. बारह 3. सुखद 4. नींद 5. अशांत **(ग)** 1. गलत 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. स 2. अ 3. द 4. ब
लिखित: 1. स्कूल न जाने पर पिताजी द्वारा चाँटा खाने के कारण छोटू ढ़ाबे पर चला आया था।
2. ढ़ाबे पर काम करते-करते थकावट के कारण हालत बहुत बुरी हो जाती थी। 3. नींद और थकावट के कारण छोटू के हाथ से केतली छूट जाती है ढ़ाबे का मालिक तुरंत उठा और लात घूँसो से छोटू को पीटने लगता है। 4. बच्चों को स्कूल जाता देखकर

उसे अपनी गलतियों पर रह-रहकर पछतावा हो रहा था। 5. छोटू ने सोचा कि मेरी माँ का मेरे बगैर रो-रोकर बुरा हाल हो गया होगा, छोटे भाई बहन कितना प्रेम करते थे, पिताजी भले ही कठोर स्वभाव के हैं फिर भी प्रेम तो करते ही हैं। इन्ही विचारों ने छोटू को घर वापस लौटने के लिये विवश किया।

भाषा की बातः (क) 1. भाववाचक
2. भाववाचक 3. भाववाचक **(ख)** 1. मूर्खता
2. सफेदी 3. ईर्ष्यालु 4. सेवक 5. हरियाली
(ग) 1. स्त्रीलिंग 2. पुल्लिंग 3. पुल्लिंग
4. स्त्रीलिंग 5. स्त्रीलिंग 6. स्त्रीलिंग 7. पुल्लिंग
8. स्त्रीलिंग 9. स्त्रीलिंग 10. पुल्लिंग **(घ)** 1. मालकिन 2. माता 3. बहन 4. लड़की 5. नारी
6. दासी 7. अभागिन 8. भाग्यवती 9. दात्री
10. निवेदिका **(ङ)** 1. अ 2. स 3. स

सोचने-समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

9. हीरा और कोयला

(क) 1. स 2. स 3. अ 4. अ 5. ब **(ख)** 1. सहोदर 2. जन्मभर 3. दोनों 4. दूसरों के **(ग)** 1. गलत 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5.स

लिखितः 1. इस कथन में कोयले ने हीरे को सगा भाई बताया है। 2. हीरे ने कहा, "मैं राजेश्वरों का शिरोमणि हूँ, देवताओं का मंजुल मुकुट सुशोभित करता हूँ, सुन्दरियों का आभूषण बनता हूँ"। 3. हीरा कहता है- कि "मैं सूरज की भाँति चमकता हूँ रंग बिरंगी किरणे मुझमें से निकलती हैं।"4. कोयला दूसरों के लिये जलता है। 5. कोयला कहता है-"तू तो एक कंकड़ जैसा खान से बाहर आता है, तुझमें जैसी छाया और आभा पड़ी, वैसा ही बन जाता है।" 6. कोयले द्वारा 'सच्चे आभूषण' शब्दों का प्रयोग मानव की अच्छाइयों के लिये किया गया है।
7. कोयले ने कहा, "नित्य बंदी बनकर, सौ-सौ तालों में बंद होकर सोने की काँटेदार बेड़ियों में जकड़ा जाकर तू अपने को बड़ा समझ रहा है।"

भाषा की बातः (क) 2. जहरीला 3. रंगीला
4. बर्फीला 5. शर्मीला 6. नशीला
(ख) 2. उपवास, उपवन 3. कुशल, कुकर्म
4. पराग, पराकर्मी 5. बेबस, बेरोजगार
6. अंधकार, अधर्म 7. अधिकार, अधिराज
8. बिनपका, बिनखाया **(ग)** 1. अकर्मक
2. सकर्मक 3. सकर्मक 4. अकर्मक **(घ)** 1. राक्षस
2. अग्रज 3. झूठा 4. प्राकृतिक 5. दोष 6. अंधकार

सोचने-समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

10. समय बहुत ही मुल्यवान है

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. ब **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखितः 1. वह समय है जिसके समान कुछ भी मूल्यवान नहीं है। 2. जो सदा समय को खोता है, वही कर मल-मलकर पछताता है। 3. महात्मा गाँधी की कमर में लटकी घड़ी से समय का पता चलता है जो कि उनके लिये बहुत मूल्यवान थी। 4. गाँधी जी को समय के एक क्षण की बरबादी बहुत खटकती थी। 5. प्रस्तुत कविता में कवि समय के मूल्य को स्पष्ट करते हुए उसे व्यर्थ न खोने और उसका महत्व समझने का संकल्प करने के लिये कहता है।

भाषा की बातः (क) कर- 1. कल खेलते समय रमेश के गिरने पर उसका कर टूट गया। 2. आज हमारी अधिकतम चीजों पर कर लगता है। घड़ी-
1. घड़ी एक ऐसी चीज है, जिससे हमें समय का पता चलता है। 2. मुझे हर घड़ी अपनी कामयाबी का इंतजार रहता है। **(ख)** 1. गाँठ बाँध लो 2. हाथ नहीं आता 3. हाथ मलता रह गया। **(ग)** 1. मूल्यवान 2. अदृश्य 3. अतुलनीय 4. बहुमूल्य
(घ) 1. मूल्यवान 2. गाड़ीवान 3. धनवान
4. गुणवान **(ङ)** 1. बुद्धिमान 2. अपमान
3. शक्तिमान 4. विद्यमान

सोचने-समझने की बातः स्वयं कीजिए

कुछ करने की बातः स्वयं कीजिए

11. गंगा की यात्रा

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. स 5. स **(ख)** 1. दिव्य 2. देवियाँ 3. ग्लेशियर 4. संगम 5. पर्यावरण
(ग) 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही
(घ) 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः 1. पौराणिक कथा के अनुसार राजा भगीरथ अपने साठ हजार पूर्वजों का उद्धार करने के लिए गंगा को पृथ्वी पर लाए थे। गंगा का उत्पत्ति स्थान गंगोत्री है। 2. यह पहले जाह्नवी से मिलती है, फिर अलकनंदा से। इन नदियों से मिलने के बाद ही यह गंगा के रूप में जानी जाती है। हिमालय को

बीच में से काटकर बहती गंगा दक्षिण-पश्चिम की ओर मुड़ती है, तब यह हरिद्वार पहुँचती। 3. बंगाल में गंगा को अनेक नाम जैसे- पद्मा, मेघना, भागीरथी तथा हुगली आदि से जाना जाता है। 4. गंगा में कूड़ा-करकट फेंकना, जले हुए व्यक्तियों के शव बहाना व मनुष्य की और भी गंदी क्रियाओं ने गंगा को प्रभावित किया है। 5. वर्तमान समय में दूध और जल की चारों ओर से अशुद्धि की नदियाँ बहती है। अब अशुद्ध दूध और अशुद्ध जल से स्वयं को हम बचाने के साधन खोजते है।

भाषा की बात: (क) 1. भागीरथी, जाह्नवी, हुगली 2. सरिता, तरंगिणी, तटिनी 3. आदित्य, दिनेश, प्रभाकर 4. हेमराज, पर्वतराज, हिमगिरी **(ख)** 1. जातिवाचक संज्ञा 2. व्यक्तिवाचक संज्ञा 3. समूहवाचक संज्ञा **(ग)** 1. परिणामवाचक विशेषण 2. गुणवाचक विशेषण 3. संख्यावाचक विशेषण **(घ)** 1. भारतीय 2. बुद्धिमान 3. वैज्ञानिक **(ङ)** 1. भूतकाल 2. वर्तमानकाल 3. भविष्यकाल 4. वर्तमानकाल

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

12. बीरबल की चतुराई

(क) 1. स 2. ब 3. ब **(ख)** 1. डींगे 2. मातृभाषा 3. सम्मान 4. अहंकार 5. महानुभाव **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. प्रियदत्त अनेक भाषाओं में पारंगत था व वाक्पटुता और भाषा-ज्ञान में निपुण था। 2. प्रियदत्त बहुत अहंकारी था। 3. क्योंकि दरबार में बैठे सभी विद्वानों के प्रश्नों का उत्तर प्रियदत्त उन्ही की भाषा में देता। 4. प्रियदत्त ने कहा, "जो मुझे मेरी मातृभाषा का नाम बता देगा, मैं उसे अपना अग्रणी मान लूँगा। परंतु यदि ऐसा न हुआ तो मुझे सभी से ऊपर और सर्वश्रेष्ठ मानना होगा।"

5. बीरबल ने सिरहाने बैठकर तिनके से कान और नाक पर स्पर्श किया। 6. बीरबल से हार मानकर प्रियदत्त ने दरबार के सारे उपहार लौटा दिए और दरबार से प्रस्थान कर गया।

भाषा की बात: (क) 1. अ 2. अ 3. स 4. अ **(ख)** 1. नीला 2. नटखट 3. बड़ा 4. मीठे 5. भला 6. सुंदर 7. बड़े 8. अच्छे 9. नीली 10. ऊँचे 11. विषैला 12. लाल **(ग)** 1. ठड़ी हवा चल रही थी। 2. अब कहाँ जाओगे? 3. पहले सोचो फिर बोलो। 4. रवि, मनोज, शालू और गोपाल ने पौधे सींचे। **(घ)** 1. मूर्ख 2. तुच्छ 3. मूर्ख 4. उत्तर 5. शक्तिशाली 6. दु:खी 7. सामान्य 8. अनुपस्थित **(ङ)** 1. ओर- राम दक्षिण दिशा की ओर जा रहा है। और- राम और सोहन बहुत अच्छे मित्र हैं।

2. चर्म- यह जूता चर्म का बना हुआ है। चरम- उसकी पढ़ाई की कोई चरम सीमा नहीं है। 3. क्रम- वह लाइन में चौथे क्रम पर है। कर्म- अच्छे कर्म करते रहना चाहिए। 4. द्रव- दूध द्रव की भाँति होता है। द्रव्य- द्रव्य की लालसा अच्छी नहीं होती।

(च) विशेषण- 1. दो 2. तीसरी 3. एक लीटर 4. वह 5. उपयोगी 6. दो मीटर 7. प्राचीन 8. सुगंधित 9. गरीब 10. लालची विशेष्य- 1. रूपये 2. मंजिल 3. दूध 4. लड़की 5. बातों 6. कपड़ा 7. इमारत 8. धूप 9. आदमी 10. नौकर

(छ) 1. महानता 2. सरलता 3. मूर्खता 4. ऊँचाई 5. लंबाई 6. बेईमानी 7. सूक्ष्मता 8. आवश्यकता

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

13. चटोरा चिंटू

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब 5. स 6. ब 7. ब **(ख)** 1. दवाई 2. परेशान 3. समझ 4. उबाल 5. काढ़ा **(ग)** 1. गलत 2. गलत 3. गलत 4. गलत 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. चिंटू के पेट में बहुत दर्द होने के कारण दयावती परेशान थी। 2. चिंटू ने ठेले वाले से कचालू लेकर खाये थे जिसके कारण उसके पेट में दर्द हो रहा था। 3. अजवायन, सौंफ, और तुलसी से चिंटू के लिये काढ़ा तैयार किया गया। 4. गौरी दादी ने चटनी के लिए सोंठ, जीरा, पिप्पली और काली मिर्च का होना आवश्यक बताया। 5. अजवायन, तुलसी और सौंफ।

भाषा की बात: (क) 1. दयावती, चिंटू, गोरी 2. घर, दवाई, मोबाइल **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. दूरदर्शी 2. सर्वप्रिय 3. लापरवाह 4. बुद्धिमान **(घ)** 1. इलाज 2. आसान 3. मुश्किल 4. पवन 5. साफ 6. गंदा

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

14. अपना-अपना काम

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. अ 5. स
(ख) स्वयं कीजिए
लिखित: 1. धोबी ने अपने घर कुत्ता और गधा पाल रखे थे। 2. धोबी गधे से दिन भर कपड़े ढुलाता था। 3. गधे के मन में कुत्ते की तरह आराम से रखवाली करने की लालसा थी। 4. चोरों को देखकर गधे ने सोचा इस अवसर का लाभ उठाया जाये व कुत्ते की तरह शोर मचाना शुरू कर दिया। 5. धोबी ने गधे की डंड़ो से पिटाई की।
भाषा की बात: (क) 1. खर, गर्दभ, घूसर
2. कूकर, कुक्कुर, शुनक **(ख)** 1. ढ़ेंचू-ढ़ेंचू
2. टर-टर 3. हिन-हिन 4. गुटर-गूँ 5. चिंघाड़
6. दहाड़ 7. भौं-भौं 8. कू-कू 9. चीं-चीं
(ग) 1. रानी 2. मुर्गी 3. ऊँटनी 4. कबूतरी 5. मादा मच्छर 6. कोयल 7. मादा खटमल 8. मादा चीता 9. मादा भालू 10. मादा जिराफ 11. मादा बाज 12. मादा कौआ **(घ)** 1. धोबी 2. ढ़ोते हैं 3. कुत्ता
(ङ) 'ता'- 1. विनम्रता 2. कठोरता 3. सज्जनता 4. स्वतंत्रता 5. परतंत्रता 6. व्याकुलता 7. सहजता
'ई'- 1. बेचैनी 2. सुखी 3. धनी 4. साहसी
5. क्रोधी 6. परोपकारी 7. गधी **(च)** 1. स 2. द 3. स 4. ब 5. स
सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

15. बढ़ती जनसंख्या

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. स **(ख)** 1. हड्डियों 2. वृद्धि 3. अधिक 4. संसाधन **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स
लिखित: 1. मनुष्य का प्रारम्भिक जीवन बहुत सादा था। 2. मिलजुलकर रहने से एक स्थान पर बस्तियाँ बसाई और खेती बाड़ी आरम्भ की। 3. जनसंख्या वृद्धि से अनाज की भी अधिक आवश्यकता होगी, अधिक मकानों की जरूरत होगी, अधिक स्कूल और अस्पतालों की भी आवश्यकता होगी। 4. हमें खाने के लिए अन्न, पहनने के लिये अधिक वस्त्र रहने के लिए अधिक मकान और अधिक विद्यालय व अस्पतालों की सुविधाओं में वृद्धि करनी होगी।
भाषा की बात: (क) स्वयं कीजिए
(ख) 1. भूतकाल 2. वर्तमानकाल 3. भविष्यकाल 4. वर्तमान काल **(ग)** 1. डाली 2. राजाओं 3. रेलगाड़ियाँ **(घ)** 1. काला, दौड़ा, काला घोड़ा 2. राजू, ने, पढ़ा, राजू, पत्र **(ङ)** सर्वनाम- लोग, यहाँ, तुमसे सार्वनामिक विशेषण- ये, ये, कोई **(च)** 1. गुफाएँ 2. बस्तियाँ 3. शक्तियाँ 4. पंक्तियाँ 5. कठिनाईयाँ 6. जातियाँ 7. कविताएँ 8. लकड़ियाँ 9. विधियाँ **(छ)** 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग 4. स्त्रीलिंग 5. स्त्रीलिंग 6. स्त्रीलिंग
(ज) 1. जंगली 2. ग्रामीण 3. शहरी 4. दयालु
सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

16. खी-खवैया चल छवैया

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. स **(ख)** 1. भद्रपुरूष 2. विश्राम 3. विद्वान 4. पंड़ित जी 5. शिष्टाचार **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स **(घ)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही
लिखित: 1. पड़ित शिवानन्द काशी से शिक्षाप्राप्त एक पंड़ित थे। 2. पंड़ित विश्वानन्द, पंड़ित शिवानन्द के भाई थे। 3. गाँव में शास्त्रार्थ शुरू हुआ। गाँव वाले पंड़ित जी ने प्रश्न किया, "खी खवैया चल छवैया?" यह बड़ा विचित्र प्रश्न था। इसे सुनकर पंड़ित शिवानंद आचार्य घबरा गए अर्थात् वे मूर्ख पंड़ित का उत्तर देने में (शास्त्रार्थ) में परास्त हुए। 4. पंड़ित विश्वानंद जी ने मुस्कुराकर उनके गलत प्रश्न का सही तरीके से सिद्ध करके उस मूर्ख पंड़ित जी की पोल खोल दी अर्थात् पंड़ित विश्वानंद ने गाँव वाले मूर्ख पंड़ित को हरा दिया। 5. पाखंड़ी पंड़ित को दंड़ित किया गया उसकी चोटी काटकर उसे उपस्थित जनों से क्षमा माँगनी पड़ी।
भाषा की बात: (क) 2. निश्शेष, विशेषता
3. शक्तिप्रिय, शक्तिवान 3. ज्ञानवान, ज्ञार्नाजन
(ख) 1. पंड़ित 2. गाँव 3. पहुँचा 4. शिवानंद
(ग) 1. काफी 2. बीतना 3. नजर 4. किनारा
(घ) 1. सकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया
3. सकर्मक क्रिया 4. सकर्मक क्रिया 5. सकर्मक क्रिया **(ङ)** 1. मूर्खता 2. विद्वत्ता 3. मनुष्यता
4. योग्यता 5. सुंदरता 6. अयोग्यता **(च)** 1. गुणवाचक विशेषण 2. गुणवाचक विशेषण
3. परिणामवाचक विशेषण 4. व्यक्तिवाचक विशेषण 5. संख्यावाचक विशेषण **(छ)** 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा

3. व्यक्तिवाचक संज्ञा 4. जातिवाचक संज्ञा
5. व्यक्तिवाचक संज्ञा
सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

17. कबीर के दोहे

(क) 1. स 2. स 3. स 4. अ **(ख)** स्वयं कीजिए
लिखित: (क) 1. मनुष्य को ऐसी वाणी बोलनी चाहिए जो मधुर हो। 2. मनुष्य द्वारा ईश्वर का स्मरण हर स्थिति में करना चाहिए। 3. सज्जन का जीवन परमार्थ हेतु होना बताया गया है। 4. कबीर कहना चाहते है कि ईश्वर को इधर-उधर न ढूँढ़कर अपने ह्रदय मे ढूँढ़ना चाहिए। **(ख)** 1. संत कबीर दास जी कहते हैं कि शक्तिशाली व्यक्ति को कभी भी दुर्बल व्यक्ति पर अत्याचार नहीं करना चाहिए क्योंकि दु:खी हृदय की हाय बहुत ही हानिकारक होती है। जिस प्रकार लोहार की चिमनी निर्जीव होते हुए भी लोहे को भस्म कर देती है। ठीक उसी प्रकार दु:खी व्यक्ति की बद्दुआओं से समस्त कुल का नाश हो जाता है। 2. कबीर जी ने अपने दोहे में बताया है कि मनुष्य को उसी में खुश रहना चाहिए जो उनके पास है; दुसरों की वस्तुओं या सुख-सुविधाओं को देखकर ललचाना नहीं चाहिए।
भाषा की बात: (क) 1. दु:खी 2. गुणी 3. सुखी 4. झूठी 5. लोभी 6. छायादार **(ख)** 1. शीतलता 2. बड़प्पन **(ग)** 1. यात्री 2. कल 3. सच 4. हृदय 5. वाणी 6. जीभ 7. प्रलय 8. सींचना **(घ)** 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग 4. स्त्रीलिंग
सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

18. अनचाहे मेहमान

(क) 1. अ 2. ब 3. स 4. ब 5. स **(ख)** 1. सायं 2. मम्मी 3. चूहेदान 4. उलट-पुलट **(ग)** 1. गलत 2. गलत 3. सही 4. सही
लिखित: 1. वर्षा रूकने पर राजू आँगन में बिछी चारपाई पर लेट गया। 2. टिड्डियाँ भूमि के एक छेद से निकल रही थीं। 3. चमगादड़ टिड्डियों के ऊपर मंड़रा रहे थे। 4. चूहे ने देवताओं की तस्वीरें, शिवलिंग लुढ़का दिया व गणेश जी को अर्पित अक्षत भी गिरा दिये थे। 5. राजू के घर में खटमलों ने चारपाईयों में व कॉकरोचों ने गुप्त जगह बना ली थी।
भाषा की बात: (क) 1. राजू, चारपाई 2. रामू, चाय **(ख)** 1. पक्के 2. झूठे 3. नीचा 4. बुरा 5. परतंत्र 6. अपवित्र **(ग)** 1. चुहिया चूहेदान में आ गई। 2. मुर्गा दाना चुग रहा था। 3. मोरनी नाच रही थी। 4. बैल घास चर रहा था। 5. मम्मी दफ्तर चली गई। **(घ)** 1. चूहा 2. साड़ी 3. सड़क 4. गमला 5. राजकुमारी 6. तोता **(ङ)** 1. राजू ने सारा दूध पी लिया। 2. रातभर वर्षा होती रही। 3. राजू चारपाई पर लेट गया। 4. राजा शिकार खेलने गया। **(च)** स्वयं कीजिए **(छ)** 1. टिड्डियाँ 2. रोटियाँ 3. ऋतुएँ 4. कमरे 5. वस्तुएँ 6. पुस्तकें **(ज)** 1. रामप्रकाश, रामेश्वर, रामचंद्र 2. जयवीर, जयप्रकाश, जयनन्द 3. कृष्णवीर, कृष्णकुमार, कृष्णन **(झ)** 1. सुमन, सुगम, सुंदर 2. खुशकिस्मत, खुशहाली, खुशी 3. दुरूपयोग, दुराचार, दु:खी 4. अनार, अनुज, अग्रज **(ञ)** 1. स 2. अ 3. अ
सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए
कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

दीपिका-5

1. हम प्रभात की नई किरण

(क) 1. अ 2. अ 3. स 4. स **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. स 2. द 3. अ 4. ब
लिखित: (क) 1. हम प्रभात की नई किरण बन नई ज्योति बिखराएँगे। 2. मोती-माणिक-सा चमकाएँगे से अभिप्राय है, मोती जैसा-सुन्दर व आकर्षक चमकाएँगे। 3. हम तरूओं के नए सुमन बनके नया उपवन सजाएँगे। 4. हम भ्रमरों के नव गुंजन बनकर नूतन स्वर में गाकर कलियों-फूलों का आँगन-हृदय खिलाएँगे। 5. हम लहरों की नव उमंग बन सरिता नई बहाएँगे, इस प्रकार मिट्टी को सिंचित कर कण-कण में सोना उपजाएँगे। **(ख)** सारांश-स्वयं कीजिए **(ग)** 1. प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने बताया है, कि जिस प्रकार अन्धेरे में एक दीपक जलाने से चारों ओर प्रकाश हो जाता है ठीक उसी प्रकार संसार में हम अच्छे कार्यों द्वारा संसार में नए प्रकाश का संचार करेंगे। 2. प्रस्तुत पक्तियों में कवि ने वनों व फसलों की तुलना सोने से की है। कवि कहते हैं कि हम मिट्टी के प्रत्येक कण-कण को सिंचकर पेड़-पौधे वनस्पितयाँ इत्यादि वन रूपी सोने को ऊपजाँएगे।

भाषा की बात: (क) 1. फूल, पुष्प, कुसुम 2. हिरन, सारंग, मृग 3. स्वर्ण, कंचन, कनक **(ख)** 1. मुख 2. सुबह 3. धूल का अत्यंत छोटा अंश 4. घास 5. मिठास 6. नया **(ग)** 1. भविष्यकाल 2. वर्तमानकाल 3. भूतकाल **(घ)** 1. कारखाना 2. बलवान 3. वनवास 4. गुणवान 5. उपकार 6. जलपान

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

2. स्वावलंबन

(क) 1. ब 2. ब 3. स 4. अ 5. ब **(ख)** 1. भोला 2. पलंग 3. हैप्पी 4. शहतीर 5. स्वावलंबी **(ग)** 1. य 2. द 3. अ 4. ब 5. स **(घ)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. गलत 5. सही

लिखित: 1. तेज दौड़ना, ऊपर उछलना, फेंकी गई वस्तु उठाकर लाना, व्यक्ति व वस्तुओं की पहचान करना आदि। 2. घोंसला टूटा पड़ा था। 3. सूखे तिनके एकत्र करके, कुछ टहनियाँ लाकर तार से घोंसले का साँचा बनाकर। 4. क्योंकि चिड़िया ने आकर दीपू का बनाया हुआ घोंसला तोड़ दिया था। 5. कि जब नन्ही चिड़िया भी अपना काम अपने आप करती है तो मैं भी अपना अधिकतर काम अपने आप ही करूँगा।

भाषा की बात: (क) 1. माता, जननी, अम्बा 2. कूकर, कुक्कुर, शुनक 3. खग, विहग, पंछी **(ख)** 1. टोकरे 2. टोकरियाँ 3. घोंसले 4. गलतियाँ 5. तिनके 6. टहनियाँ **(ग)** 1. वर्तमानकाल 2. भविष्यकाल 3. भूतकाल 4. वर्तमानकाल 5. भूतकाल

सोचने-समझने की बात: 1. दीपू की मेहनत पर पानी फिरने से दीपू दु:खी हो गया। 2. इसलिए कि दीपू को पता चले कि घोंसला बनाने में कितनी मेहनत लगती है। 3. अपना कार्य अपने आप करना चाहिए। 4. कार्य करने की आदत छूट जाती है, व्यक्ति आलसी हो जाता है। 5. अपना कार्य स्वयं करने की आदत व दूसरों पर निर्भर ना रहने की आदत।

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

3. गाँधी जी के जीवन से

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. ब 5. ब **(ख)** 1. पाक कला 2. शांति निकेतन 3. हस्ताक्षर 4. बीस-मिनट 5. बिहार **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. वहाँ उन्हे सामान्यत: डबलरोटी, मक्खन और मुरब्बा तथा तली हुई उबली सब्जियाँ, मिलती थीं। 2. गाँधी जी अपनी माँ के हाथ का बना स्वादिष्ट मसालेदार भोजन खाने के अभ्यस्त थे। 3. उन्होंने अपने रसोइये को कुछ विलायती शाकाहारी भोजन बनाना सिखाया। 4. उनके आश्रम में भोजन में बिना मांड निकाला चावल, रोटी, कच्चा सलाद, उबली और बिना मसाले की सब्जियाँ, फल और दूध या दही दिया जाता एवं मिठाई की जगह गुड़ और शहद दिया जाता था। 5. वहाँ न केवल विभिन्न जातियों और वर्गों के लड़कों के लिए अलग-अलग रसोईघर थे, बल्कि भिन्न-भिन्न रूचियों को संतुष्ट करने के लिए तरह-तरह के व्यंजन बनाए जाते थे। 6. कि उनके सामने भाँति-भाँति के व्यंजन परोसे, गये। इससे उन्हें बड़ी व्यथा हुई। उन्होनें निश्चय किया कि आगे से मैं प्रतिदिन भोजन में पाँच चीजों से अधिक नहीं लूँगा 7. गाँधी जी ने दुकान पर बैठकर खादी बेची, यात्रा करते हुए स्टेशनों पर, एवं खादी प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए लोगों से खादी खरीदने के लिए अपील की। प्रभाव यह पड़ा कि देश का प्रत्येक व्यक्ति खादी पहनने लगा।

भाषा की बात: (क) 1. अरूचि 2. श्राप 3. स्वादहीन 4. अविचित्र 5. अनियमित 6. असफलता **(ख)** 1. प्रतिदिन, प्रतीक्षा, प्रतिज्ञा 2. प्रयोग, प्रयाग, प्रफुल्ल **(ग)** 1. बंगाली 2. अफ्रीकी 3. इलाहाबादी 4. बनारसी 5. गुजराती 6. गढ़वाली **(घ)** 2. अ + शांति 3. अ + नियमित 4. अ + छूत **(ङ)** स्वयं कीजिए

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

4. अहंकारी राजा

(क) 1. ब 2. ब 3. अ 4. ब 5. स **(ख)** 1. शूरवीर 2. रत 3. दान-पुण्य 4. सन्मार्ग 5. संन्यासियों **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. राजा रणवीर सिंह शूरवीर था परंतु प्रजा की भलाई के लिए कुछ नहीं करता था। 2. प्रजा बहुत दु:खी थी। 3. राजा ने अहंकार के कारण संन्यासियों का अपमान करके निकाल दिया। 4. राजा को कुछ ही क्षण में नरक के दर्शन करा

दिये 5. राजा ने अपनी जीवन शैली बदल दी वह प्रजा की भलाई में ही रहने लगा।

भाषा की बात: (क) विशेषण- 1. पक्की 2. खाली 3. घनी 4. शीतल 5. यशस्वी 6. सुखी 7. अहंकारी 8. उचित 9. अनुचित 10. महत्वपूर्ण विशेष्य- 1. सडकें 2. हाथ 3. छाया 4. जल 5. राजा 6. लोग 7. राजकुमार 8. बात 9. विचार 10. कार्य **(ख)** 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. जातिवाचक संज्ञा 4. जातिवाचक संज्ञा 5. जातिवाचक संज्ञा **(ग)** 1. चालाकी 2. देवत्व 3. अच्छाई 4. पुरूषत्व 5. हार 6. मुस्कुराहट 7. नारीत्व 8. शत्रुता **(घ)** 1. चीखना 2. प्रकट 3. चलना 4. समझना 5. अहंकार

सोचने-समझने की बात: 1. प्रजा को सुखी रखना। 2. शासन वर्ग का आदर व सम्मान नहीं करती। 3. हाँ 4. प्रजा की सुख-सुविधाओं का ध्यान रखना व दान-पुण्य का कार्य करते रहना चाहिए।

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

5. फूल और काँटा

(क) 1. अ 2. ब 3. अ 4. स 5. स **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. समान कुल से सम्बंध रखते है। 2. फूलों को सभी प्रेम करते लेकिन काँटे सबकी आँखों में खटकते हैं। 3. फूलों का रस तितलियाँ और भौरें पीते है लेकिन काँटों को कोई पसंद नहीं करता। 4. कवि कहना चाहता है कि जो वस्तु आनंद देती है। सब उसी को पसंद करते हैं, तकलीफ देने वाली वस्तु को कोई पसंद नहीं करता।

भाषा की बात: (क) 1. श्रेष्ठ 2. बादल 3. खुशबू 4. काला 5. अनोखा 6. खानदान **(ख)** 1. आकाश, गगन 2. श्रेष्ठ, बढ़िया 3. अंतर, जगह 4. युवा, युवक 5. अध्यापक, आचार्य 6. अंगराज, सूर्यपुत्र 7. सामान्य, आम्र 8. जल, नीर 9. शूर, बहादुर 10. क्षय, कमी **(ग)** 1. सूक्ष्मता 2. मारना 3. सरलता 4. पंडिताई 5. सफलता 6. व्यक्तित्व 7. स्वास्थ्य 8. दासता **(घ)** पुल्लिंग (1, 4, 5, 6, 8) स्त्रीलिंग (2, 3, 7) **(ङ)** 1. कुशल 2. आवश्यक 3. बीमार 4. दुखी 5. प्रसन्न 6. ताजा **(च)** 1. भूतकाल 2. वर्तमानकाल 3. भविष्यकाल 4. भूतकाल 5. वर्तमानकाल **(छ)** 1. भगवान, प्रभु, जगदीश 2. मोहित, लुब्ध, आकृष्ट 3. फूल, सुमन, कुसुम **(ज)** 1. ब 2. अ 3. स 4. ब

सोचने-समझने की बात: 1. लाभ 2. कष्ट 3. मनुष्य की अच्छी आदतें मनुष्य को फूल की श्रेणी में व कष्ट देने वाली आदतें काँटों की श्रेणी में रखते हैं। 4. स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

6. हबूचंद और गबूचंद

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. स 5. अ 6. स **(ख)** 1. वेतन 2. राजधानी 3. प्रजा 4. झाड़ू 5. धुरंधर 6. विनम्रता **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. सही 5. सही (घ) 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. हबूचंद राय नाम के एक राजा थे, उनके मंत्री का नाम गबूचंद था। 2. क्योंकि राजा के पैरों में हमेशा धूल लगी रहती थी। 3. राजा की बात सुनकर गबूचंद घबराया। भय के कारण उसे पसीना आ गया। अपनी पकी हुई दाढ़ी को आँसूओं में डुबोकर गबूचंद ने कहा, "महाराज! यदि आपके चरणों में धूल नहीं लगेगी, तो हम चरणों की धूल कैसे पाएँगे?" 4. सत्रह लाख झाड़ू खरीदकर झाड़ू लगाई, इक्कीस लाख भिश्तियों की टोलियों द्वारा पानी छिडकाया गया, और चर्मकार को बुलाकर चमड़ा बिछाने का भी प्रयास किया गया। 5. भिश्तियों ने सब जगह पानी छिड़क दिया, जिस कारण ताल-तौलियों में कीचड़-ही-कीचड़ रह गया। जल के जीव जल के बिना मरने लगे और थल के प्राणी पानी की बाढ़ में डूबने-उतरने लगे। हाट-बाजार के लेन-देन पर पानी फिर गया। सब ओर ठंडक हो जाने से सर्दी बुखार के कारण लोग मरने लगे। 6. राजा के पैरों को चमड़े के आवरण से ढकने का। 7. जब लोगों के पैरों में धूल लगती तो चर्मकार ने चमड़े का आवरण बनाया इस चमड़े के आवरण से लोगों के पैरों में धूल का कण भी नहीं लगा।

भाषा की बात: (क) 1. चटाइयाँ 2. टोलियाँ 3. जूते 4. सड़कें 5. कहानियाँ 6. राजधानियाँ **(ख)** पुल्लिंग (2, 5, 6, 7, 8, 9, 10) स्त्रीलिंग (1, 3, 4) **(ग)** स्वयं कीजिए **(घ)** 1. दूरी 2. निकटता 3. सफलता 4. बचपन 5. पंड़िताई 6. गर्मी 7. प्यासा 8. नौकरी **(ङ)** 1. जापानी 2. भारतीय 3. भोपाली 4. इलाहाबादी 5. बनारसी 6. लखनवी **(च) विशेषण** 1. मूर्ख 2. चतुर 3. डरपोक 4. गुणी 5. धुरंधर 6. सामान्य 7. विशेष

8. गहरी 9. बड़ी 10. छोटा। **विशेष्य** 1. राजा 2. मंत्री 3. आदमी 4. लोग 5. पंड़ित 6. जन 7. बात 8. चाल 9. खिड़की 10. दरवाजा

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

7. दुर्लभ गुण

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. ब 5. ब **(ख)** 1. घर 2. छुट्टा 3. पाठ 4. भाई 5. डॉक्टर **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स **(घ)** 1. सही 2. सही 3. गलत 4. गलत 5. सही

लिखित: 1. सामान बेचकर 2. मजदूरों के नेता 3. उन्हें लगा लड़का अब छुट्टे पैसे लेकर वापस नहीं आयेगा। 4. किशनगंज जाकर एक व्यक्ति से पूछकर 5. अस्सी पैसे वापस करने 6. वह मोटर के नीचे आ गया, उसके दोनों पैर कुचल गए, वह बेहोश हो गया। 7. ईमानदारी

भाषा की बात: (क) 1. अपरिचित 2. सुलभ 3. विदेशी 4. अवगुण 5. मालिक 6. बेईमान **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** पुल्लिंग (1, 5, 6, 7, 8) स्त्रीलिंग (2, 3, 4) **(घ)** 1. वर्तमान काल 2. भविष्यकाल 3. भूतकाल 4. भूतकाल 5. वर्तमानकाल **(ङ)** स्वयं कीजिए

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

8. नचिकेता की खोज

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. स 5. ब **(ख)** 1. यज्ञ 2. सहस्त्रों 3. आज्ञाकारी 4. ब्राह्मणपुत्र 5. धैर्य **(ग)** 1. सही 2. सही 3. गलत 4. गलत 5. गलत **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. उस समय चारों ओर ज्ञान की बयार चल रही थीं। 2. यम की पत्नि ने यम को नचिकेता के विषय में बताया यह ब्राह्मणपुत्र तीन दिन से आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। प्रतीक्षारत रहते इसने भोजन भी नही किया। 3. नचिकेता ने पिता से प्रश्न किया कि क्या आप अपना सब कुछ दान कर देंगे? पिताजी ने कहा कि इस प्रश्न का क्या अभिप्राय है .. .. यमराज को दूँगा। 4. नचिकेता आज्ञाकारी पुत्र था। पिता की इच्छा को सत्य मान वह चल दिया, स्वयं को यमराज को देने के लिए। 5. तीन वरदान और मृत्यु का रहस्य जानकर।

भाषा की बात: (क) विशेषण 1. तीन 2. पहला 3. कठिन 4. यह 5. सहस्त्रों 6. समस्त 7. पौराणिक 8. जर्जर 9. तीसरे 10. बड़ा **विशेष्य** 1. दिन 2. वरदान 3. समस्या 4. प्रश्न 5. गायें 6. संपत्ति 7. काल 8. गायें 9. वरदान 10. यज्ञ **(ख)** 1. व्यक्तिवाचक 2. जातिवाचक 3. जातिवाचक 4. समूहवाचक 5. जातिवाचक 6. समूहवाचक 7. पदार्थवाचक 8. पदार्थवाचक 9. भाववाचक 10. पदार्थवाचक **(ग)** स्वयं कीजिए **(घ)** 2. मुस्कुराहट 3. चिकनाहट 4. घबराहट **(ङ)** 1. प्रश्नवाचक 2. संकेतवाचक 3. नकारात्मक 4. इच्छावाचक 5. विस्मयादिबोधक

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

9. फलों का राजा: आम

(क) 1. ब 2. स 3. अ 4. ब 5. ब **(ख)** 1. पियांबु 2. म्यांमार 3. स्वाद 4. कारबाइड् **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. गलत **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. आम की किस्म का नामकरण उसके रूप, रंग, आकार, स्वाद, गंध आदि पर किया जाता है। ये नाम हैं- गुंडु, करेलिया व तोतापरी जो रूप के आधार पर है; सिंदूरिया, सुवर्ण रेखा, सफेदा व जाफरान 'रंग' के आधार पर, तथा शरबती, दूधिया, अतिमधुरम व मिठवा नाम 'स्वाद' के आधार पर है। 2. सम्राट अकबर को आम इतने पसंद थे कि उसने दरभंगा में विभिन्न जातियों के आम के बड़े बाग में लगवाए, जो 'लाखीबाग के आम' नाम से जाना जाता था। 3. आम के सम्बंध में पौराणिक आख्यान है कि, जिसमें फूलों की सुगंध हो, फलों की मिठास हो और अन्नों की पौष्टिकता हो! 4. आम को जल्दी पकाने के लिए कारबाइड् का प्रयोग किया जाता है। इससे सहज पके आम के-से गुणों में कमी हो जाती है। और इसके स्वाद में भी स्वाभाविकता नही होती। 5. आम के विभिन्न भागों में आम की फसल मार्च, जून व जौलाई के समय तैयार होती है।

6. आयुर्वेद में कच्चे और पक्के आम के अतिरिक्त इसके बौर, गुठली, छाल आदि का औषधीय उपयोग बताया गया है। जिससे कि कच्चे आम का पना लू लगने पर दिया जाता है।

भाषा की बात: (क) 1. रसाल 2. आम्र

3. अलिप्रिय 4. पिकप्रिय 5. पिकबंधु 6. पियांबु 7. शुकप्रिय 8. सहकार 9. सुमदन 10. अमृतफल **(ख)** 1. उपकार 2. उपवन 3. उपहास 4. उपहार 5. उपनाम 6. उपमंत्री 7. उपवाक्य 8. उपकर्म **(ग)** 1. जानकारियाँ 2. पाठशालाएँ 3. जातियाँ 4. मजदूर 5. शिक्षिकाएँ 6. प्रजा 7. तैयारियाँ 8. छात्र **(घ)** 1. साप्ताहिक 2. वैज्ञानिक 3. धार्मिक 4. शैक्षिक 5. दैविक 6. पौराणिक 7. व्यवहारिक 8. सांसारिक **(ङ)** 1. अधिकरण कारक 2. अपादान कारक 3. संप्रदान कारक 4. संबंध कारक 5. संबंध कारक 6. कर्म कारक 7. संप्रदान कारक **(च)** 1. हम 2. वे 3. वह 4. क्या 5. कुछ **(छ)** 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग 4. पुल्लिंग 5. स्त्रीलिंग 6. स्त्रीलिंग 7. पुल्लिंग 8. पुल्लिंग 9. स्त्रीलिंग 10. स्त्रीलिंग

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

10. स्वस्थ कैसे रहें?

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. अ 5. अ

(ख) 1. अरूचि 2. बीमारी 3. दिनचर्या 4. व्यायाम 5. परिवर्तन **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. स 5. ब

लिखित: 1. पंकज को स्वास्थ्य संबधी खाँसी, जुकाम, बुखार, पेट खराब जैसी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। 2. डॉक्टर के पूछने पर पंकज की मम्मी ने उसे पूरी, पराठे, मिठाई, मसालेदार सब्जियाँ जैसे असुपाच्य भोजन देना बताया। 3. पंकज की मम्मी के अनुसार घी, दूध तथा सुपाच्य भोजन ही स्वास्थ्यवर्धक होता है।

4. डॉक्टर के अनुसार उत्तम स्वास्थ्य के लिए सुपाच्य भोजन लेना चाहिए जिनमें सभी स्वास्थ्यवर्धक आवश्यक तत्व मौजूद हो। 5. भोजन के अतिरिक्त उत्तम स्वास्थ्य के लिए एक नियमित स्वस्थ दिनचर्या भी आवश्यक है तथा समय पर जागना, सोना, खेलकूद और व्यायाम जैसी चीजों को नियमित रूप से करने से स्वास्थ्य स्वस्थ व मांसपेशियाँ भी मजबूत रहती है। 6. व्यायाम से मांसपेशियों को शक्ति मिलती है तथा शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलती है, जिससे दिल और गुर्दे सुचारू रूप से काम करते हैं 7. डॉक्टर की सलाह से पंकज के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया। उसके सबसे अधिक स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ा। अब वह सुबह-शाम पार्क में टहलने जाता है तथा बच्चों के साथ खेल खेलता है और न ही पहले की तरह शीघ्र थकता है।

भाषा की बात: (क) 1. पंकज कुछ भी खा ले, उसके शरीर को लगता ही नहीं। 2. पंकज की माँ उसे पूरी परांठे खिलाती है। 3. पंकज बोला,"मैं भी खेलूँगा।" **(ख)** 1. स 2. स 3. स 4. स **(ग)** 1. पूरियाँ 2. सब्जियाँ 3. कचौरियाँ 4. वस्तुएँ 5. परांठे 6. मिठाईयाँ 7. मसाले 8. प्रणालियाँ **(घ)** 1. कमजोरी 2. सरलता 3. स्वास्थ्य 4. ऊँचाई 5. मूर्खता 6. बुराई 7. मधुरता 8. कठिनाई **(ङ)** 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग 5. स्त्रीलिंग 6. स्त्रीलिंग 7. पुल्लिंग 8. स्त्रीलिंग **(च)** 1. कर्म कारक 2. कर्ता कारक 3. संबंध कारक 4. अधिकरण कारक **(छ) विशेषण**- 1. तीव्र 2. बुद्धिमान 3. राष्ट्रीय 4. कँटीले 5. पारिवारिक 6. यह 7. नई 8. मेरे 9. थोड़ा 10. अधिक **विशेष्य**- 1. प्यास 2. बालक 3. कर्तव्य 4. तार 5. मामला 6. पुस्तक 7. पुस्तक 8. खिलौने 9. पानी 10. समय

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

11. तक्षशिला का विद्रोह

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. स 5. अ

(ख) 1. मौर्य 2. विद्रोह 3. विद्रोह 4. जनता 5. अशोक **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. वहाँ के लोगों ने नगर को रंग-बिरंगे फूलों और पत्तों से सजाया, सुदंर भवन तैयार किया, मार्ग के पत्थरों और काँटो को साफ किया। 2. कि आपके जो अधिकारी राज्य करते हैं, वे बड़े ही दुष्ट थे। वे हमें अपमानित करते, उनका अन्याय इतना बढ़ गया कि जनता उसे सह न सकी और विद्रोह फैल गया। 3. कि आगे के लिए आप लोगों के साथ पूरा न्याय होगा। 4. सम्राट बिंदुसार ने अपने बड़े पुत्र राजकुमार सुमन को सेना देकर विद्रोह दबाने के लिए भेजा। उसका परिणाम यह हुआ कि राजकुमार सुमन अपनी सेना का बहुत बड़ा भाग युद्धभूमि में खोकर निराश होकर लौट आया। 5. सम्राट बिंदुसार ने उसी समय राजकुमार अशोक के पास आज्ञा भेजी कि शीघ्र तक्षिला जाओ और विद्रोह शांत करो।

भाषा की बात: (क) 1. जातिवाचक

2. व्यक्तिवाचक 3. समूहवाचक **(ख)** 1. साम्राज्ञी 2. वीरांगना 3. राजकुमारी 4. माता 5. रानी 6. दासी **(ग)** पुल्लिंग (1, 2, 3, 5) स्त्रीलिंग (4, 6) **(घ)** 1. दुर्लभ और अमूल्य 2. सुंदर 3. अन्यायी **(ङ)** 1. भूतकाल 2. वर्तमानकाल 3. वर्तमानकाल

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

12. मित्र को पत्र

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. ब 5. स **(ख)** 1. मित्र 2. अशिष्टता 3. विनोदप्रिय 4. सहजभाव 5. नमक **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. हास्य-विनोद से अभिप्राय जीवन के हर क्षण में खुशी व आनन्दमय जीवन जीने से है। 2. हास्य विनोद जीवन के संकटों को भुलाने की दवा है, ये आगे बढ़ने की प्रेरणा है और स्वास्थ्य की कुँजी है। 3. जीवन के संकटों को दूर करने के लिए स्वस्थ रहने के लिए, आगे बढ़ने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए हास्य-विनोद की आवश्यकता होती है। 4. हास्य-विनोद की अनुपस्थिति में व्यक्ति मुरझाए फूल सा दिखाई देता है। 5. "जब जीवन के किनारे की हरियाली सूख गई हो, चिड़ियों की चहक मूक गई हो, सूर्य को ग्रहण लग गया हो, मेरे मित्र एवं साथी मुझे कांटों में अकेला छोड़कर कतरा गये हो और आकाश का सारा क्रोध मेरे भाग्य पर बरसने वाला हो, तब हे भगवान, तुम मुझ पर इतनी कृपा करना कि मेरे हाठों पर हँसी की एक उजली लकीर खिंच जाए।

भाषा की बात: (क) 1. खुश 2. कष्ट 3. परेशान 4. जिसका भाग्य उज्जवल हो 5. सुन्दर 6. कीमती **(ख)** पुल्लिंग (1, 2, 5) स्त्रीलिंग (3, 4, 6) **(ग)** 1. संक्षिप्त 2. स्वस्थ 3. जापानी 4. रोगी 5. भारतीय 6. अच्छा

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

13. बरसात

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. ब 5. ब **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. धरती बिना पानी के कारण सूख जाती है। 2. खुशी और नयी उमंग 3. मेंढ़क शोर मचाते हैं, और मोर नाचते हैं। 4. छतरी से 5. नदियों का बहाव बढ़ जाता है। 6. मोती की सौगात की तरह।

भाषा की बात: (क) 1. पेड़, वृक्ष, विटप 2. नीरद, घन, अंबुद 3. भू, पृथ्वी, धरा 4. सरिता, तटिनी, सरि **(ख)** 1. नदियाँ 2. छतरियाँ 3. फुहारें 4. कुँएं 5. झिल्लियाँ 6. बारातें **(ग)** पुल्लिंग (2, 3, 5, 7, 8) स्त्रीलिंग (1, 4, 6) **(घ)** 1. प्यासी 2. काली 3. सुंदर 4. ठंड़ा 5. हरे 6. कोमल **(ङ)** 1. कठोर 2. गर्म 3. हल्का 4. बदसूरत **(च)** 1. गहराई 2. काली 3. चाँद 4. प्यास 5. ईश्वर 6. कोमलता 7. सुंदरता 8. शीतलता **(छ)** 1. रूपवान, रूपवती, रूपक 2. देवता, देवाधीश, देवक **(ज)** 1. विधि वाचक 2. प्रश्न वाचक 3. नकारात्मक वाचक 4. विस्मयादिबोधक वाचक 5. इच्छा वाचक **(झ)** 1. वर्तमानकाल 2. भविष्यकाल 3. संभाव्य भविष्यत् 4. सामान्य वर्तमानकाल (ञ) 1. लिखना 2. सोना 3. भौंकना 4. गरजना

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

14. परीक्षा

(क) 1. ब 2. ब 3. अ 4. अ 5. ब **(ख)** 1. विद्या 2. मनुष्य 3. सादगी 4. ग्रेजुएटों 5. जौहरी **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. गलत 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. यह जरूरी नहीं कि वे ग्रेजुएट हो, मगर हष्ट-पुष्ट होना आवश्यक है। विद्या का कम परंतु कर्तव्य का अधिक विचार किया जाएगा। 2. हर एक मनुष्य अपने ..... देवता बना मालूम होता था। 3. एक किसान की अनाज से भरी गाड़ी नाले में फँस गई थी, उसी समय एक खिलाड़ी ने आकर किसान की सहायता की। 4. साहस, आत्मबल और उदारता के भावों को देखकर। 5. कि व्यक्ति को दिखावा नहीं करना चाहिए, जो व्यक्ति स्वयं हो उसको वही प्रदर्शित करना चाहिए।

भाषा की बात: (क) स्वयं कीजिए **(ख)** 1. सामान्य भूतकाल 2. वर्तमानकाल 3. वर्तमानकाल 4. भविष्यकाल **(ग)** 1. माधुरी 2. अपूर्वा 3. चाकू 4. मीरा **(घ)** 1. निम्न 2. अस्थिर 3. असभ्य 4. निगम 5. कठिन 6. वियोग

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

15. बुद्धि का उचित प्रयोग

(क) 1. ब 2. स 3. ब **(ख)** 1. बुद्धिमत्तापूर्वक 2. बुद्धि 3. बुद्धिपन 4. मूर्ख **(ग)** 1. गलत 2. गलत 3. सही 4. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. शरीर की सुंदरता या वेशभूषा से बढ़कर आपकी बुद्धि का मूल्य है। 2. कोई आदमी बुद्धिमान है, यह बात उसके कार्यों से जानी जा सकती है। अपने कार्यों और व्यवहारों से मनुष्य बुद्धिमान अथवा मूर्ख कहलाता है। 3. जब मनुष्य कोई कार्य करना चाहता है, तो बुद्धि उसे काम करने का उचित ढ़ंग बताती है। 4. बुद्धि ही समाज में मेल-जोल बढ़ाना सिखाती है। बुद्धि, समय, धन और शक्ति को बचाने के सुझाव देती है। जिससे कि बुद्धि व्यक्ति में योग्यता उत्पन्न कर देती है। 5. बुद्धिमान व्यक्ति ही बुद्धि का उचित उपयोग कर सकता है।

भाषा की बात: (क) 1. नियमित 2. बुद्धिता 3. बुद्धिमान 4. भरोसेमंद **(ख)** 1. अक्षि 2. दुर्बल 3. हस्त 4. मिष्ठान 5. घृत 6. कूप **(ग)** 1. स्वच्छ 2. पराधीन 3. असभ्य 4. सरल 5. कठिन 6. कठोर **(घ)** 1. भविष्यकाल 2. वर्तमानकाल 3. भूतकाल 4. वर्तमानकाल **(ङ)** 1. हमने कल फुटबॉल खेली थी। 2. वह मेरी बात नहीं मानेगा। 3. रवी पाँच बजे घर लौट रहा है। **(च)** 1. पढ़ाई 2. खरीदूंगा 3. जाते है।

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

16. अनोखा पक्षी-चमगादड़

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. अ 5. ब **(ख)** 1. स्तनधारी 2. चमगादड़ 3. भूरे-काले 4. फलाहारी 5. मलेरिया **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. चमगादड़ समूह में रहना पसंद करता है, छोटी सी खोह, तंग और सँकरी जगहों में भी सैंकडों चमगादड़ एक साथ रह लेते हैं। 2. यह बहुत तेज उड़ता है, इस कला में कुशल से कुशल पक्षी भी इसका लोहा मानते हैं, उड़ते समय इसकी आँखो पर पट्टी भी बाँध दी जाए, तो इसकी चाल में कोई अंतर नहीं पड़ता। 3. यह ऐसी हल्की आवाज करता है कि, जिसे मनुष्य के कान नहीं सुन सकते। 4. यह बहुत दुबला-पतला जीव है, यह देखने में पंखदार चूहे जैसा लगता है लेकिन इसके शरीर की बनावट चूहे से कुछ-भिन्न होती है। साधारणत: यह भूरे-काले रंग का हाता है। 5. छोटे चमगादड़ प्राय: मांसाहारी और बड़े फलहारी होते है। पहली तरह के चमगादड़ कीड़े-मकोड़े के अलावा गिलहरी, छोटे-छोटे, चमगादड़ और अन्य प्रकार के जीव जन्तुओं का शिकार करते हैं। दूसरे वर्ग के चमगादड़ फल या फूलों का मधु और पराग खाकर रहते है।

भाषा की बात: (क) 1. स्तनधारी 2. मांसाहारी 3. फलाहारी 4. रात्रिचर 5. द्रुतगामी **(ख)** 1. संकेतवाचक अव्यय 2. उद्देश्यबोधक अव्यय 3. समुच्चयबोधक अव्यय 4. संबंधबोधक अव्यय 5. कारणवाचक अव्यय **(ग)** 1. कपोत: 2. रात्रि 3. उलूक 4. सत्य 5. भ्राता 6. उलूक 7. अबाबील 8. भिक्षा **(घ)** 1. मनीष बुरा आदमी है। 2. तुम बुद्धिमान हो। 3. वह शाम यहाँ आया था।

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

17. कच्चे दोस्त-1

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. ब 5. स **(ख)** 1. सर्वाधिक 2. बाहर 3. पिता 4. कक्षाएँ 5. कॉपियाँ **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: 1. नए विद्यालय में प्रवेश लेने से पूर्व आदित्य होनहार विद्यार्थी था। 2. जिस क्षेत्र में आदित्य रहता था, वहाँ का रहन-सहन अर्द्धशहरी था अत: नगर के समीप होते हुए भी वह स्थान कस्बे जैसा था। 3. आदित्य की कक्षा का वातावरण बहुत अव्यवस्थित था। 4. कक्षा में आदित्य को बैठने के लिये स्थान नहीं मिल पाता था, कुछ छात्र गुंड़ई करते, मार-पीट करते, श्यामपट् भी साफ दिखाई नहीं देता था। 5. कक्षा की अव्यवस्था के कारण आदित्य मन ही मन हीन भावना से ग्रसित मन मसोसकर रह जाता था, व उसके सारे सपने मिट्टी में मिल गये थे। 6. विद्यालय न जाकर आदित्य आवारा बच्चों के साथ उनकी बस्ती में जाकर खेलने लग गया था। 7. भिखारियों की बस्ती में रहने वाले बालक फिल्मी हीरो की तरह बाल रखना, उनके जैसे डायलॉग बोलना, उनकी तरह बातें करते थे।

भाषा की बात: (क) 1. कुछ 2. ज्ञानी 3. दुर्जन 4. व्यवस्थित 5. विक्रय 6. पारिवारिक

(ख) 1. इलाका 2. बिना किसी रूकावट के 3. सबसे अधिक 4. अलग-अलग 5. बुरी संगति 6. संपन्न **(ग)** 1. मुझे 2. उसे 3. सोना **(घ)** 1. विद्यार्थी 2. विद्यार्थी 3. आदित्य 4. बरसाती नदी 5. बच्चे **(ङ)** 1. समूहवाचक 2. भाववाचक 3. समूहवाचक 4. समूहवाचक 5. पदार्थवाचक **(च)** 1. भूतकाल 2. वर्तमानकाल 3. वर्तमानकाल 4. भविष्यकाल 5. भविष्यकाल **(छ)** 1. उपकार, उपहार, उपवन 2. कुकर्म, कुशल, कुसंगत 3. अपमान, अपराधी, अपनापन 4. प्रसंग, प्रसन्न, प्रगति

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

18. कच्चे दोस्त-2

(क) 1. ब 2. ब 3. स 4. ब 5. ब **(ख)** 1. परिवार 2. चाबी 3. परिस्थितियाँ 4. बाजार 5. फिल्म **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

(घ) 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही 5. गलत

लिखित: 1. उनके जीवन का लक्ष्य मात्र पेट भरकर जीवन व्यतीत करना था। 2. भिखारी बालकों की संगति में आदित्य अपने परिवार की डींगे मारता, अपनी झूठी अमीरी की शेखी बघारता। 3. दस रूपये से आदित्य ने पहले खरीदकर बर्फी खाई, दो बढ़िया पेन लिये, तथा फिल्म के दो टिकट खरीदे।

4. फिल्म देखते समय आदित्य को पिटाई का डर सता रहा था। 5. आदित्य की माँ ने देखा की बक्से में ताला लगा है, व उसकी चाबी उसमें फंसी हुई है, तभी आदित्य की माँ को पता चल गया कि आदित्य ने पैसे चुराए हैं। 6. आदित्य के पिता को स्कूल जाकर पता चला कि आदित्य दो महिने से स्कूल नहीं आ रहा है इसी कारण उसका नाम स्कूल से काट दिया गया है। 7. आदित्य की माँ ने आदित्य के हाथ कसकर पकड़े व उसकी जमकर पिटाई की।

भाषा की बात: (क) 1. चोरी 2. चूक 3. रूलाई 4. अमीरी 5. गरीबी 6. चालाकी 7. पढ़ाई 8. महानता 9. कठिनाई 10. निर्धनता 11. सरलता 12. आवश्यकता **(ख)** 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग 5. पुल्लिंग 6. स्त्रीलिंग 7. स्त्रीलिंग 8. पुल्लिंग **(ग)** 1. स 2. अ 3. ब 4. अ **(घ)** 1. ढका 2. रोंमाचित 3. खोला 4. पहुँचा **(ङ)** 1. सच्चा-बालक 2. सच्ची-बातें 3. सच्चे-लोग 4. झूठा-दिलासा 5. झूठी-कहानियाँ 6. झूठे-किस्से 7. ऊँचा-पहाड़ 8. ऊँची-बातें 9. ऊँचे-पर्वत 10. लंबा-आदमी 11. लंबी-लाइन 12. लबें-बाँस

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

19. दोहावली

(क) 1. अ 2. अ 3. ब 4. ब 5. ब **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. ज्ञानी जन परोपकार के लिए संपत्ति का संचय करते हैं। 2. वह लोग जो किसी से कुछ मांगनें जाते हैं, वह पहले से मन से मरे हुए होते हैं, और उनसे पहले वह मर चुके हैं, जिनके मुख से कुछ देने के लिए नहीं निकलता है। 3. क्योंकि अपने गुण और स्थान के अनुसार छोटी वस्तु भी महत्वपूर्ण होती है। 4. दोहावली के माध्ययम से रहीम कहना चाहते हैं, कि उत्तम प्रकृति के लोगों को कुसंग से कोई हानि नहीं पहुँचती, मनुष्य को सोच-समझकर व्यवहार करना चाहिए यदि बात बिगड़ जाती है, तो फिर उसे बनाना कठिन होता है। बड़ी वस्तु मिल जाने पर भी छोटी वस्तु को त्यागना नहीं चाहिए। परस्पर प्रेम का सम्बन्ध तत्काल विरोध से समाप्त करने पर फिर बन जाता है। 5. किसी स्थान पर अपने सम्मान को घटता देख उस स्थान से तुरंत प्रस्थान कर जाना चाहिए। **(ख)** 1. रहिमन निज मन की विद्या, मन ही राखो गोय। सुनि अठिलैहें लोग सब, बाँटि न लैहे कोय।। 2. रूठे सुजान मनाइए, जो रूठैं सौ बार। रहिमन फिर-फिर पोइए, टूटे मुक्ताहार।। 3. तरूवर फल नहिं खात है, सरवर पियहिं न पान। कहि रहीम पर काज हित, संपत्ति संचहि सुजान।। **(ग)** 1. परेशानी थोड़े दिन के लिए होती है, परंतु वह इस संसार में अच्छे व बुरे का ज्ञान करा देती है। 2. उत्तम प्रकृति के लोगों को कुसंग से कोई हानि नहीं पहुँचती है। ठीक उसी तरह जैसे चंदन के वृक्ष पर साँप के लिपटे होने पर भी साँप का विष चंदन पर नहीं चढ़ता अर्थात विष का कोई असर नहीं होता है।

भाषा की बात: (क) 1. बुरी संगति 2. जहर 3. काम 4. उपयोग **(ख)** 1. तरवारि, शमशीर 2. साँप, सर्प, नाग **(ग)** 1. न + इ + क् + अ + स् + अ + त् + अ 2. उ + त + त् + अ + म् + अ 3. च् + अ + ट् + अ + क + आ + य् + अ 4. अ + न् + अ + ह + इ + त् + अ **(घ)** 1. घृणा

2. सरल 3. अमृत 4. अपना 5. कटु.6. अहित 7. अपमान 8. अघटित **(ड़)** 1. तलवारें 2. चोंटियाँ 3. शिक्षाएँ 4. धाराएँ 5. विपत्तियाँ 6. ऋतुएँ **(च)** 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग 5. स्त्रीलिंग 6. स्त्रीलिंग 7. स्त्रीलिंग 8. पुल्लिंग **(छ)** 1. आवश्यकता 2. फुर्ती 3. गर्माहट 4. स्वच्छता 5. संतुलन 6. सुख

सोचने-समझने की बात: स्वयं कीजिए

कुछ करने की बात: स्वयं कीजिए

दीपिका-6

1. विद्रोह करो

(क) 1. ब 2. अ 3. अ 4. अ 5. ब

लिखित: (क) 1. जो वीरों के लिए उचित हो वही कार्य करने चाहिए। 2. मानव को दूसरों की अधीनता पर शर्म आनी चाहिए। 3. ताकि प्रत्येक मानव अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सके। 4. मनुष्य के जो अधिकार हैं वे उसे प्राप्त हो सकेंगे। **(ख)** 1. जीवन के व्यर्थ बीतने का सबसे बड़ा कारण कायरता है। जो व्यक्ति कायर होता है अर्थात जिसमें अपने अधिकारों को प्राप्त करने हेतु विरोध की भावना नहीं होती उस व्यक्ति का जीवन व्यर्थ हो जाता है। 2. प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन से कायरता को त्यागकर अपने अधिकारों को प्राप्त करने का सम्पूर्ण प्रयास करना चाहिए। यदि मनुष्य में अपने अधिकारों को प्राप्त करने हेतु साहस का अभाव होता है तो प्रत्येक व्यक्ति उसे पराजित करने का प्रयास करता है। इसलिए व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए। इसी में जीवन की सार्थकता है। 3. विरोचित कर्म करते हुए सम्पूर्ण शक्ति से अन्याय का विरोध करने का संदेश दिया है।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. क्षीण 2. पृथ्वी 3. शक्ति 4. अधीनता 5. विलाप 6. हलचल 7. वेश **(ख)** 1. पवन, अनिल, समीर 2. नेत्र, नयन, लोचन 3. भू, भूमि, धरा 4. देवलोक, बैकुंठ, सुरलोक **(ग)** 1. कायर 2. रस्तों पर 3. पुस्तक **(घ)** 1. कायरता 2. वीरता 3. अभिमान **(ङ)** 1. की 2. के लिए 3. के लिए 4. को 5. पर 6. से **(च)** 2. गुलामी, विवशता, पराधीन 3. बुझदिल, डर, निराशा 4. आलस्य, स्फूर्तीहीन, सुस्त 5. दानवता, असभ्यता, निर्दय 6. साहस, पराक्रम, हिम्मत **(छ)** खान-पान, काला-गोरा, आना-जाना, लेना-देना, ऊपर-नीचे, इधर-उधर, उलट-पुलट, देश-विदेश, आगे-पीछे, तेरा-मेरा, अपना-पराया

2. भाग्य का फेर

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. स 5. स 6. ब **(ख)** 1. स्थिर 2. नींद 3. चाट 4. गति 5. पूर्वनिर्धारित **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. लेखक चाट वाले के पास से वापिस बस में लौटने को चला। 2. अलीगढ़ का टिकट लिया 3. कुछ खा-पी लेने का आग्रह किया। 4. कानपुर तक का टिकट लिया। 5. यह जान सका कि जरा सी भूल और जरा सी सजकता भाग्य को उलट-पुलट कर देने के लिए पर्याप्त है। **(ख)** 1. लेखक एक संस्थान में ..... जैसे एक दूसरे की गति रोक देते है। 2. हम लोग दस मिनट में वापस लौट आए ..... उन्हें सवारी उठाने-बैठाने की कोई चिंता न होगी। 3. उन्होनें आस-पास उस गाड़ी के विषय में पता किया। सड़क के किनारे अड्डा जमाये परिवहन कर्मचारियों से पूछा, परन्तु कोई संतोषजनक उत्तर न दे सका। इस प्रकार वे पूछते हुए दिल्ली जाने वाले मार्ग पर ही स्कूटर से बठने लगे। मार्ग में जहाँ कहीं कोई चेक पोस्ट मिलती, वे गाड़ी का हुलिया बयान करके उसके विषय में मालूमात करते, परंतु दुर्भाग्य से कुछ भी पता न चला। मार्ग में उन्हें एक व्यक्ति ने बताया था कि आगे जाकर चेक पोस्ट पर वायरलैस सैट सहित बैठा सिपाही उनकी मदद कर सकता है। हमें उसे चाय-पानी का खर्च देना होगा और काम हो जाएगा। उन्होनें ऐसा ही किया। सिपाही के सामने अपना दुखड़ा रोया, भेंट चढ़ाई, जो उसने स्वीकार कर ली और तुरंत वायरलैस पर संदेश प्रसारित कर दिया। 4. देखा कि कन्नौज से चार-पाँच पुरूष .... सभी सवारियाँ दु:खी और उदास थीं।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. संस्थान 2. मिनट 3. बाजार, चाट 4. समान 5. लीडर रोड़, दिल्ली, बसें 6. कंडक्टर, सीट **(ख)** पुल्लिंग (1, 2, 3, 4, 5, 8, 10, 11, 12) स्त्रीलिंग (6, 7, 9) **(ग)** 1. संयमी 2. जल्दबाज 3. धैर्यहीन 4. पागल 5. परिश्रमी 6. चिंतित 7. अनुभवी 8. ईश्वरीय 9. संतोषी **(घ)** 1. उन्हें 2. मुझे 3. अटैची **(ङ)** 1. दुकानदार बोला,"पांडेय जी हमारी तो नाक कट

गई।" 2. जैसे-जैसे समय बीतेगा, अटैची, के लालच में कंडक्टर, ड्राइवर बस को दौड़ाए लिए जाएँगे। 3."पंद्रह-बीस मिनट लगेंगी,"कंडक्टर ने उत्तर दिया। **(च)** 1. कूच कर गई। 2. नाक कट गई। 3. अलर्ट कर दिया गया। 4. पता न चला। 5. चैक कर लीजिए।

3. सफलता का रहस्य

(क) 1. स 2. अ 3. ब 4. स 5. अ 6. ब **(ख)** 1. दु:ख 2. जीवनरक्षक 3. आदमी 4. एक ही 5. रोने **(ग)** 1. सही 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. आदतों के 2. मुस्करानें की आदत से चेहरे की मांसपेशियाँ इस प्रकार ढ़ल जाती हैं कि साधारण रीति से बातचीत करने पर भी ऐसा लगता है मानो हँस या मुस्करा रहे है। 3. ऐसे आदमी का सामीप्य ग्रहण करने का, उससे बात करने, मित्रता करने का हर किसी का मन होता है। ऐसा व्यक्ति सबको प्रसन्न करने का, रखने का जैसे साधन बन जाता है। ऐसे व्यक्ति की प्रसन्नता देखकर अपनी प्रसन्नता बढ़ती है और अपनी प्रसन्नता बढ़ने से अपने निकट रहने वालों की। 4. उदासी या खीज चेहरे पर धारण किए लोगों से अकारण ही वातावरण में विषाक्तता भर जाती है, जिसका परिणाम किसी भी रूप में हितकर नहीं होता। **(ख)** 1. उदासी, असफलता का, खिन्नता का ..... व्यक्ति भी ग्रसित हो जाते है। 2. मनोविज्ञानी और शरीर विज्ञानी कहते हैं ..... या तो आता ही नहीं अथवा ठहरता है। 3. गीता में कहा गया है कि प्रसन्न रहने वाले के समस्त दु:खों का निवारण हो जाता है, उसकी बुद्धि स्थिर रहती है। इतना जिसे उपलब्ध है, समझना चाहिए कि उसे सब कुछ उपलब्ध है। जो प्रसन्न रहने की आदत का अभ्यास कर लेगा, उसे किसी बात की कमी न रहेगी। वास्तव में वह बुद्धिभ्रम का शिकार ही नहीं होगा अर्थात सफलता से उसका सीधा साक्षात्कार होगा।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. सच्चा 2. सुप्रसिद्ध 3. शांत 4. जटिल 5. तीव्र 6. धनी 7. असामान्य 8. कठोर 9. समझदार 10. कठोर 11. हँसमुख 12. मोटा 13. मधुर 14. विकट 15. शारीरिक 16. अधीर 17. बुद्धिमान 18. बहुमूल्य **(ख)** 1. विषाक्तता 2. मन:स्थिति 3. मुस्कुराने 4. उदासी 5. निराशा **(ग)** पुल्लिंग (2, 5, 6, 8, 11) स्त्रीलिंग (1, 3, 4, 7, 9, 10, 12)

4. फाह्यान की भारत यात्रा

(क) 1. ब 2. ब 3. अ 4. अ 5. स 6. ब 7. ब **(ख)** 1. बौद्ध 2. भारी या हल्का 3. विहारों 4. सिंधु 5. दो वर्ष 6. भारत-यात्रा **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही 6. गलत

लिखित: (क) 1. सन् 400 ई0 में 2. वह चीन से भारत में खुतून के मार्ग से होकर आया था। 3. मथुरा से चलकर फाह्यान ने कन्नौज, श्रावस्ती, कपिलवस्तु कुशीनगर, पाटलीपुत्र, राजगृह, गया, काशी आदि विभिन्न स्थानों की यात्रा की। 4. दो वर्ष तक रहा। 5. पुस्तकें ले गया। 6. आठ दिन की लम्बी यात्रा के उपरांत दक्षिणी चीन में समुद्री तट पर सकुशल पहुँच गया। **(ख)** 1. मथुरा का वर्णन करते हुए उसनें लिखा, "मथुरा में यमुना के दोनों किनारों पर बीस संघाराम हैं। उनमें लगभग तीस हजार साधु निवास करते है। बौद्ध धर्म का अधिक प्रचार है।"
2. पाटलिपुत्र (पटना) का वर्णन करते हुए .... औषधालय खोल रखे हैं। 3. कुशीनगर, जहाँ बुद्ध ने इहलीला समाप्त की, बुरी दशा में था। वैशाली नगर में बौद्ध धर्म की पुस्तकों का संग्रह करने के लिए बौद्धों का दूसरा सम्मेलन हुआ। इस स्थान की दशा अच्छी थी।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. रत्नाकर, जलनिधि, सागर 2. जंगल, अरण्य, निर्जन **(ख)** 1. यात्री 2. विदेशी 3. शोषित 4. अत्याचारी 5. औषधालय **(ग)** 1. विचित्र 2. गला 3. मार्ग **(घ)** 1. कुशीनगर भी; जहाँ बुद्ध ने इहलीला समाप्त की, बुरी दशा में था। 2. आज तो यह राज्य उजाड़ हो गया है परंतु प्राचीन महलों, स्तूपों और विहारों के खंडहरों के रूप में, उस राज्य के समृद्धि के चिह्न आज भी पाए जाते है। **(ङ)** 1. ब 2. अ 3. ब **(च)** 1. दूसरे, आठवें 2. भारी, हल्का 3. पुराना, अद्‌भुत 4. बड़े-बड़े 5. असहाय **(छ)** 1. एकवचन 2. बहुवचन 3. बहुवचन 4. एकवचन 5. बहुवचन **(ज)** 1. ने, को 2. को 3. का 4. पर, में 5. में **(झ)** 1. अ 2. अ 3. अ 4. स

5. यक्ष के प्रश्न

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. अ 5. ब 6. स **(ख)** 1. अधिकार 2. वायु 3. पलक 4. सूर्य 5. चंद्रमा **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः (क) 1. वास्तविक वस्तु को ठीक-ठीक जानना ही ज्ञान है। 2. रोज-रोज प्राणी यमराज के घर जा रहे है, किंतु जो बचे हुए हैं, वे सर्वदा जीने की इच्छा करते है। यही सबसे बड़ा आश्चर्य है। 3. मन है 4. माता है 5. पिता है। **(ख)** 1. जिस पुरूष पर ऋण नहीं है, और जो परदेश में नहीं है। वह दिन के पाँचवें या छठे भाग में भी अपनें घर के भीतर चाहे साग-पात पकाकर ही खा ले, वही सुखी है।
2. जंगली पशुओं से भरपूर मार्ग से होते हुए वे एक हरे-भरे मैदान पर जा पहुँचे जो एक स्वच्छ-सुंदर सरोवर के चारों ओर था। 3. विलाप करते हुए युधिष्ठिर बोले-"..... देवताओं ने भी साथ छोड़ दिया।" 4. इसलिए प्रकट की क्योंकि उनकी दूसरी माता माद्री का भी एक पुत्र जीवित रहे और न्याय हो सके। 5. यक्ष वास्तव में मृत्युलोक के स्वामी यमराज थे जिन्होंने यक्ष का रूप धारण कर रखा था ताकि युधिष्ठिर से मिला जा सके और उनकी पराक्षा ली जा सके।

भाषा और व्याकरणः (क) 1. जिसे जीतना कठिन हो 2. गरीब 3. छाती 4. बेचैन 5. संसार 6. इंद्रियों पर अंकुश 7. उधार 8. जिसका अंत नही 9. प्रयास **(ख)** 1. दिनकर, दिवाकर, रश्मिरथी 2. पानी, तोय, सलिल 3. रजनीचर, विधु, राकेश 4. पवन, समीर, अनिल 5. गांड़ीवधारी, कुंतीपुत्र, कौन्तेय **(ग)** पुल्लिंग (1, 2, 3, 5) स्त्रीलिंग (4, 6) **(घ)** 1. कुदृष्टि, दृष्टिहीन 2. दिशासूचक, दिशाहीन **(ङ)** 1. व्याकुलता 2. बेचैनी 3. भार 4. शक्ति **(च) विशेषणः** 1. निर्जीव 2. धर्मनिष्ठ 3. मधुर 4. सुखी 5. अचेत 6. जंगली 7. तीव्र 8. प्यासे 9. पाँच 10. ऊँचे **विशेष्यः** 1. शरीर 2. व्यक्ति 3. वचन 4. मनुष्य 5. पांड़व 6. पशु 7. प्यास 8. युधिष्ठिर 9. पांड़व 10. वृक्ष **(छ)** 1. जातिवाचक संज्ञा 2. व्यक्तिवाचक संज्ञा 3. जातिवाचक संज्ञा 4. व्यक्तिवाचक संज्ञा 5. भाववाचक संज्ञा **(ज)** 1. स्थिरता क्या है? धैर्य क्या कहलाता है? स्नान किसे कहते है? 2. सूर्य अकेला विचरता है, चंद्रमा एक बार जन्म लेकर पुनः जन्म लेता है। 3. दरिद्र पुरूष मरा हुआ है, बिना राजा का राज्य मरा हुआ है। 4. फिर वही आवाज आई,"मैं मात्र जल पक्षी ही नहीं हूँ, मैं यक्ष हूँ।" 5. जो बहुत से मित्र बना लेता है, उसे क्या लाभ होता है?

(झ) 1. भरपेट, भरसक 2. स्वतंत्र, स्वाभिमान 3. अभिमान, अभिमंत्रणा 4. अतिक्रमण, अतिरिक्त 5. पराधीन, पराक्रम 6. अधमरा, अधपका

6. मैं सबसे छोटी होऊँ

(क) 1. अ 2. स 3. अ 4. स **(ख)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही **(ग)** स्वयं कीजिए

लिखितः (क) 1. भाव यह है कि बालिका सदा के लिए माँ के साथ का अनुभव करना चाहती है। 2. अभिप्राय है कि वह बड़े होने पर माँ के हर समय के साथ को खो देने की आशंका से ड़रती है।
3. भाव यह है कि माँ की छत्रछाया में बालिका को सदा निडर और सुरक्षित बने रहने की इच्छा है। **(ख)** 1. बालिका चाहती है कि वह सदा छोटी बालिका ही रहे क्योंकि छोटी बालिका को माँ सदा अपने साथ-साथ इस आशय से रखती है कि उसे अभी अपना ध्यान रखना नहीं आता, जबकि बच्ची के बड़े होने पर वह उसे स्वतंत्र छोड़ देगी। बच्ची सदा माँ की गोद में स्नेह पाकर सोना चाहती है। इसलिए वह बालिका ही बनी रहनें की इच्छुक है। 2. बचपन में माँ अपने हाथों से हाथ-मुँह धुलाती है, खिलौनें देती है और चाँद दिखलाकर बच्चों को बहलाती है। ये सुख बड़े होने पर खो जाएँगे। इस कल्पना से भयभीत बालिका बड़ी नहीं होना चाहती।

भाषा एवं व्याकरणः (क) पुल्लिंग (2, 5, 6, 7, 8, 10) स्त्रीलिंग (1, 3, 4, 9, 11, 12) **(ख)** 1. जननी, धात्री, माता 2. राकेश, विधु, रजनीचर **(ग)** 1. निस्पृहता 2. भ्रातृत्व 3. हरियाली 4. निर्भयता 5. लंबाई 6. लाली 7. पितृत्व 8. चौड़ाई 9. शत्रुता 10. मातृत्व 11. गहराई 12. मित्रता **(घ)** 1. निड़र 2. हाथ 3. बेलाग 4. पल्लू 5. शरीर 6. प्रेम **(ङ)** 1. दिवस 2. उच्च 3. वृक्ष 4. नेत्र 5. स्वप्न 6. सुविधा 7. अग्नि 8. जल 9. कर **(च)** 1. गंगा और यमुना 2. गुरू और शिष्य 3. देश और विदेश 4. पाप और पुण्य 5. राजा और रंक 6. आना और जाना 7. शक्ति के अनुसार 8. जीवन भर 9. विष का धारक 10. तीन नेत्रों वाला **(छ)** 1. तेजस्विनी 2. यशस्विनी 3. तपस्विनी 4. मनस्विनी 5. रचनाकत्री 6. कवयित्री **(ज)** 1. ब 2. ब 3. ब 4. स 5. ब **(झ)** 1. मीनाक्षी 2. दुष्प्राप्य 3. अजेय 4. कुलीन 5. जिजीविषा 6. शाश्वत 7. नश्वर **(ञ)** 1. अध्यापक ने छात्र से पूछा,"गंगा कहाँ से

निकलती है?" 2. बाल गंगाधर तिलक ने कहा था,"स्वतंत्रता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।"
3. भारतवर्ष में सामाजिक, सांस्कृतिक व राष्ट्रीय पर्व बड़ी धूमधाम से मनाए जाते है। 4. उफ! कितना गहरा घाव। 5. गर्मी के कारण समस्त जीव-जन्तु हाथी, शेर, जिराफ सभी व्याकुल थे।

7. मित्रता

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. स 5. अ **(ख)** 1. मित्र 2. संगति 3. छात्रावस्था 4. विश्वासपात्र 5. दृढ़ संकल्प **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. गलत 6. सही

लिखितः (क) 1. मित्रों के चुनाव की उपयुक्तता पर 2. हँसमुख चेहरा, बातचीत का ढंग, थोड़ी चतुराई या साहस- ये ही दो चार बात किसी में देखकर लोग झटपट उसे अपना बना लेते हैं। 3. हम लोग यह नहीं सोचते कि मैत्री का उद्देश्य क्या है। 4. मित्रता को विचार में रखकर बस जल्दी और अधिक मित्र बनाने की बात सरल रूप में सूझती है। 5. ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए बुरा है, जो हमसे अधिक दृढ़-संकल्प है; क्योंकि हमें उनकी हर बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है।
6. सच्ची मित्रता में उत्तम वैद्य की-सी निपुणता और परख होती है, अच्छी-से-अच्छी माता का सा धैर्य और कोमलता होती है। **(ख)** 1. मित्र वह होता है जो हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा हो सके। चाहे परिस्थिति कितनी ही विषम क्यों न हो, वह हमारा साथ न छोड़े। हमारी बुराईयों से हमें अवगत कराए, उसे कभी न छुपाए और न ही हमारी चापलूसी करे। सच्चा मित्र हमेशा हमारी योग्यता को बढ़ाने में सहायक होता है और वह अपने फायदे के लिए कभी हमारा इस्तेमाल नहीं करता। 2. मित्र केवल उसे नहीं कहते ..... दूसरा अपना हानि-लाभ समझे। 3. कुसंग का ज्वर सबसे . ..... उन्नती की ओर ले जाएगी। 4. मित्रता के लिए यह आवश्यक नहीं है ..... बीरबल की ओर देखता था।

भाषा और व्याकरणः (क) 1. स 2. स 3. स 4. ब 5. अ **(ख)** 1. पाताल 2. अशिक्षित 3. मलिन 4. अशांत **(ग)** 1. ब 2. ब 3. ब 4. ब 5. ब **(घ)** 1. ब 2. ब 3. स 4. स 5. ब **(ङ)** 1. जिंदगी, आयु 2. विशेषता, खूबी 3. प्रवीण, दक्ष 4. आकाश, गगन **(च)** 1. प्रश्नवाचक 2. अनिश्चयवाचक 3. अनिश्चयवाचक 4. प्रश्नवाचक 5. निजवाचक **(छ)** 1. ब 2. ब 3. अ 4. अ 5. अ **(ज)** 1. प्यासा 2. पैतृक 3. मातृक 4. ठंड़ा 5. पथरीला 6. पौराणिक 7. गौरवशील 8. ऐतिहासिक 9. चमकीला **(झ)** 1. कठोरता 2. चोरी 3. स्तब्धता 4. मित्रता 5. सफलता 6. चतुराई 7. बुआई 8. विफलता 9. बुनाई 10. मधुरता 11. मजदूरी 12. सभ्यता

8. बाल अदालत

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. ब 5. ब **(ख)** 1. लोकप्रिय 2. निर्माणदेव 3. वकील 4. पृथ्वी 5. आपके **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही

लिखितः (क) 1. इंजीनियर था। 2. डॉक्टर था। 3. पुलिस अधिकारी था। 4. डॉक्टर था। 5. न्यायधीश था। **(ख)** 1. गर्मी की ऋतु थी .... नाटक का मंचन करते हैं। 2. अब तक दो नाटकों का ..... नाटक प्रस्तुत कर रहे हैं। 3. निर्माणदेव ने कहा कि "शासकीय सेवा में आकर मैंने अनेक ..... बस, महाराज की कृपा चाहिए। 4. धर्मराज ने कहा कि "निष्कलंक नाथ जी, आप पृथ्वी पर ..... आपके कर्मों का बखान हम आपके ही मुख से सुनना चाहते हैं।" यह टिप्पणी उचित ही है। 5. हितकारीलाल ने कहा कि मैंने बाढ़ और सूखे से अकाल ..... उसी प्रकार लाभान्वित होगा।

भाषा एवं व्याकरणः (क) 1. निंदा 2. नरक 3. मृत्यु 4. निम्न 5. निर्दोष 6. अव्यवस्था 7. अधर्म 8. ध्वंस 9. अशांति **(ख)** 1. ब 2. स 3. अ **(ग)** 1. स्वर्गीय 2. नारकीय 3. चोर 4. मिलसार 5. खाद्य 6. रक्षक 7. नाटकीय 8. यही 9. वही 10. न्यायी 11. पीड़ित 12. लुटेरा **(घ)** 1. ब 2. ब 3. अ 4. ब

9. साहब महत्त्वाकांक्षी

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब 5. स **(ख)** 1. नापकर 2. स्वादिष्ट 3. पब्लिक लाइफ 4. संसद 5. जमानत **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः (क) 1. चार लोगों को बुलाया गया था। 2. "परसों रेड़ियो पर आपकी कविता सुनी। बहुत अच्छी थी।" 3. कि जो देश की हालत से बात शुरू करें, वह भयानक 'चिपकू' होता है। 4. सिवाय

अपने किसी की बात नहीं करता। **(ख)** 1. उनमें सबसे अच्छे कपड़े उसी के थे। ..... जबड़े में घुसा जा रहा हो। 2. बड़े भ्रष्टाचारी को बाइज्जत अलग कर ..... बाकी उम्र काटता है।
3. लेखक ने सरकारी प्रतिष्ठान के रिटायर मैनेजर को साहब महत्वकांक्षी भी कहा है। क्योंकि वह सब कुछ पाकर भी पद लोभी बना हुआ है। 4. यह आदमी बड़े ठाठ से ..... एक बार लग जाए तो छूटती नहीं। 5. यह रचना पूरी तरह उन साहबनुमा व्यक्तियों पर व्यंग्य करती है जो देश की चिंता केवल पद पाने के लोभ में करते है और स्वयं भ्रष्ट और ऐश आराम परस्त है।

भाषा एवं व्याकारण: (क) 1. दुरात्मा 2. दुर्निवार 3. दुर्वचन 4. दुराचार 5. दुर्विनीत 6. दुर्मुख **(ख)** 1. अस्वीकृति 2. अहिंसा 3. मँहगी 4. असुविधा 5. विशाल 6. दीर्घ 7. सूक्ष्म 8. अनुकूल 9. निर्जीव 10. निर्बल 11. निर्गुण 12. मलिन **(ग)** 1. भ्रष्टाचारी 2. कामचोर 3. वाचाल 4. मितभाषी

10. सोना

(क) 1. ब 2. अ 3. अ 4. स 5. स **(ख)** 1. निष्ठुर 2. पलंग 3. प्रार्थना 4. फ्लोरा 5. गर्मियों **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. सही

लिखित: (क) 1. निरीह 2. क्योंकि चलते हुए यह बहुत सुंदर लगता है। 3. करूणा का 4. भक्तिन की अँधेरी कोठरी में जन्म दिया था। 5. उस पर पूरा विश्वास होने के कारण 6. बदरीनाथ जाने का 7. कि वह नहीं रही, उसकी मत्यु हो गई। **(ख)** 1. प्रशांत वनस्थली में जब .....परंतु मैंने उसे स्वीकार कर लिया। 2. उसका दिनभर का कार्यकलाप ..... भीतर-बाहर चक्कर लगाना आरम्भ करती। 3. लेखिका बताती है कि मेरे प्रति स्नेह-प्रदर्शन के ..... एकटक देखने लगती कि हँसी आ जाती। 4. गर्मियों में लेखिका का बदरीनाथ जाने का कार्यक्रम बना और वह अपने साथ फ्लोरा को ले गई क्योंकि वह लेखिका के बिना नहीं रह सकती थी। लेखिका बताती है कि पैदल जाने-आने के निश्चय के कारण बदरीनाथ की यात्रा में ग्रीष्मकाल समाप्त हो गया। 2 जुलाई को लौटकर जब वह बँगले के द्वार पर आ खड़ी हुई, तब बिछड़े हुए पालतू जीवों में कोलाहल होने लगा और सभी हर्ष की ध्वनियों से उसका स्वागत करने लगे। परंतु लेखिका की दृष्टि सोना को खोज रही थी। पूछने पर ज्ञात हुआ कि वह छात्रावास के सन्नाटे और फ्लोरा तथा लेखिका के अभाव के कारण सोना इतनी अस्थिर हो गई थी कि वह इधर-उधर कुछ खोजती सी प्राय: कम्पाउंड़ के बाहर निकल जाती थी। इसलिए माली ने उसे मैदान में एक लम्बी रस्सी से बाँधना आरम्भ कर दिया था। एक दिन न जाने किस स्तब्धता की स्थिति में बंधन सीमा भूलकर वह बहुत ऊँचाई तक उछली और रस्सी के कारण मुख के बल धरती पर आ गिरी। वही उसकी अंतिम साँस और अंतिम उछाल थी।

भाषा और व्याकरण: (क) 1. संज्ञा 2. संज्ञा 3. विशेषण 4. विशेषण 5. विशेषण 6. अव्यय 7. क्रिया विशेषण 8. अव्यय 9. संज्ञा 10. संज्ञा 11. भाववाचक संज्ञा 12. संज्ञा **(ख) विशेषण:** 1. करूण 2. निर्जन 3. दृढ़ 4. आखिरी 5. पहला 6. रेशमी 7. काली 8. बुरा 9. सजल 10. विस्तृत **विशेष्य:** 1. कथा 2. वन 3. निश्चय 4. साँस 5. घण्टा 6. वस्त्र 7. आँखे 8. व्यवहार 9. नेत्र 10. स्थान **(ग)** 1. प्रतिहिंसा 2. परिचालक 3. प्रतिध्वनि 4. दुर्घटना 5. पर्यावरण 6. आजीवन 7. उपकरण 8. अपकीर्ति **(घ)** 1. आ 2. इक 3. ई 4. आ 5. ई 6. ईला **(ङ)** 1. कठोर 2. याद 3. सोई हुई 4. उससे उत्पन्न 5. काजल की रेखा 6. भीड़-भाड़ 7. छोटा 8. जंगल 9. माहौल **(च)** पुल्लिंग (2, 5, 7, 9, 10, 11, 12, 15, 16, 18, 19) स्त्रीलिंग (1, 3, 4, 6, 8, 13, 14, 17, 20, 21)

11. मुक्तिमार्ग

(क) 1. स 2. स 3. ब 4. ब 5. अ **(ख)** 1. बनिये 2. कोस भर 3. खेत 4. झींगुर 5. सन **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. इसलिए की अब वह सेठों की भाँति धनवान बन सकेगा। 2. क्योंकि वह इसे अपनी हेठी समझता था। 3. आग लगनें से केवल झींगूर के खेत की ईख ही नहीं जली थी वरन् अनेक गाँव वालो के खेत भी जल गये थे। 4. तीन मास का भिक्षा दंड, सात तीर्थों की यात्रा, पाँच सौ ब्राहमणों का भोजन और पाँच गायों के दान का प्रायश्चित करना पड़ा। **(ख)** 1. अगहन का महीना था .... यह दिन न देखना पड़ता।" 2. सावन का महिना था। ..... फिर दानों सो गए।

3. झींगुर ने सोचते-सोचते ..... बचने के लिए कह रहा है। 4. तीनों ही दुष्ट, झगड़ालू, मूर्ख, अनपढ़ व बदले की भावना से ओतप्रोत ग्रामीण व्यक्ति थे। जो दूसरों के लिए हमेशा बुरा सोचते थे।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. कूटनीति, अनीति, सुनीति, छलनीति, अर्थनीति, दंड़नीति **(ख)** 1. स 2. स 3. अ 4. स **(ग)** 1. आवश्यक 2. मूर्ख 3. वक्र 4. चालाक 5. वीर 6. कृपण 7. सफेद 8. लंबा 9. निर्धन 10. अधिक 11. चौड़ा 12. सुखी **(घ)** 1. करण कारक 2. संबंध कारक 3. संबोधन कारक 4. करण कारक **(ङ)** 1. कवि 2. भ्रात 3. चोर 4. पंड़ित 5. पुरूष 6. देव **(च)** 1. अ 2. अ 3. अ

12. कर्तव्यपरायणता

(क) 1. स 2. ब 3. अ 4. स 5. ब 6. ब **(ख)** 1. दिलचस्प 2. धुन 3. ज्ञान 4. तल्लीनता 5. कलेक्टर **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. गलत 5. सही

लिखित: (क) 1. एक दिलचस्प आदमी हैं। 2. पूर्ण कर्तव्यपरायणता का दृष्टिकोण है। 3. कार्य के प्रति निष्ठा से प्रभावित लगे। 4. "हर एक नागरिक में अपने ..... सर्वोत्तम मापदंड है।" **(ख)** 1. इसलिए बुलाया क्योंकि वह लेखक से पहले आया था। 2. उसकी गर्दन काली चीकट हो रही है ..... सीमा तक पहुँचाना चाहते है। 3. लेखक सोच रहा है कि संभवत: यह मजदूर .... जैसे आज उलझे हुए हैं। 4. जफर इनमें से कोई भी बात ..... खंभो का मिलान देख रहा हो।

भाषा और व्याकरण: (क) 1. अ 2. ब 3. ब 4. अ 5. अ **(ख)** 1. संज्ञा 2. व्यक्तिवाचक संज्ञा 3. संज्ञा 4. विशेषण 5. विशेषण 6. संज्ञा 7. भाववाचक संज्ञा 8. क्रिया विशेषण 9. भाववाचक संज्ञा **(ग)** 1. स्व 2. भर 3. परा 4. परा 5. अव 6. अन् 7. अति 8. परि 9. बे 10. प्र 11. ना 12. प्र 13. कु 14. दु 15. सु **(घ)** 1. स 2. स 3. स **(ङ)** 1. (i) 2. (ii) 3. (i) 4. आधुनिक विद्यार्थी 5. सोने पे सुहागा- नियमित अध्ययन के साथ-साथ कुछ प्रेरक पुस्तकें भी पढ़ी जाएँ तो सोने पे सुहागा। आस्थावान- हमें सत्कार्यों के प्रति आस्थावान होना चाहिए। **(च)** 1. हेतु-हेतु मद भूतकाल 2. आसन्न भूतकाल 3. संदिग्ध वर्तमानकाल

13. कोशिश करने वालों की हार नहीं होती!

(क) 1. ब 2. अ 3. ब 4. ब **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखित: (क) 1. प्रयास करने वालों को सफलता मिलती है। 2. मेहनत करने पर भी जब कुछ नहीं मिलता तब व्यक्ति दुगुनी शक्ति से प्रयास करता है। 3. यह कि बार-बार असफल होने पर भी कोशिश करते रहो। 4. नहीं 5. इसका परिणाम सफलता है। 6. प्रयास करते रहने वालों की हार नहीं होती। 7. जो असफल होने पर पुन: प्रयास नहीं करते, वे हार जाते है। **(ख)** 1. निरंतर प्रयास सफलता के लिए आवश्यक है। 2. बार-बार गहरे समुद्र में डुबकी लगाता है। 3. क्योंकि उससे हमारे साहस की परीक्षा होती है। 4. संसार हमारी जय-जयकार करता है। 5. (अ) चींटी मुँह में दाना दबाकर बार-बार चढ़ती-गिरती है किन्तु अंत में वह अपने घर पहुँच ही जाती है। (ब) गोताखोर बार-बार समुंद्र के तल में मोती ढूँढने जाता है। भले ही एक बार में उसे सफलता न मिले किंतु बार-बार के प्रयास से वह मोती पा ही लेता है। (स) असफलता वास्तव में हमें आगे बढ़ाने का एक साधन होती है।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. मुट्ठियाँ 2. असफलताएँ 3. चुटकियाँ 4. मोतियों 5. दीवारें 6. फुलझड़ियाँ 7. चींटियाँ 8. लहरें 9. डुबकियाँ 10. नौकाएँ 11. चुनौतियाँ 12. औषधियाँ **(ख)** 1. सागर, जलनिधि , रत्नाकर 2. सलिल, तोय, पानी **(ग)** 1. हार 2. उत्साह 3. साहस 4. असफलता **(घ)** 1. जल, चमक 2. पराजय, माला 3. नही, वोट **(ङ)** 1. गोताखोर 2. चिकित्सक 3. भविष्यवक्ता, ज्योतिषी 4. अनन्य **(च)** 1. नर मनुष्य, कठोर 2. देहांत, गरीब 3. जो बूढ़ा न हो, झरना 4. पैर, भाट 5. दीर्घ, आँचल 6. धन, तरल पदार्थ

14. आरोग्य की कुंजी

(क) 1. ब 2. ब 3. स 4. स 5. ब **(ख)** 1. चिकित्सकों 2. नुस्खे 3. धनी 4. कैमिस्टों 5. जीर्ण-शीर्ण **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही

लिखित: (क) 1. कहते हैं कि डॉक्टर उन्हें ठीक कर देंगे। 2. विशेष कारगर सिद्ध नहीं होते 3. कि यदि इनमें सत्यता होती तो इसे बनाने वाले सदा स्वस्थ रहते। 4. उचित आहार-विहार में निहित है।

(ख) 1. रोग को निमंत्रण देना सरल है ..... प्रतिक्षा करते रह जाते हैं। 2. वास्तव में आरोग्य की कुंजी उन आदतों ..... समाधान का कोई मार्ग नहीं मिल सकता। 3. यदि पौष्टिक खाद्यों से बलिष्ठता मिली होती ..... अतिरिक्त और कुछ सार नहीं है। 4. हिंदकेसरी चंदगीराम पहलवान ..... पंक्ति में जा विराजे। 5. हकीम लुकमान कहते है ..... संकट उत्पन्न करती है। हम उनसे सहमत हैं।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. बलिष्ठता 2. रोग 3. स्वास्थ्य 4. दुर्बलता 5. सशक्ति 6. चटोरापन 7. मौलिकता 8. पौष्टिकता 9. संयम **(ख)** 1. व्यक्तिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा, विशेषण 2. विशेषण, विशेषण, संज्ञा 3. संज्ञा, संज्ञा **(ग)** 1. ता 2. ई 3. ई 4. ई 5. ई 6. ई 7. ई 8. ता **(घ)** 1. नि: + रोग 2. दु: + बल 3. नम: + ते 4. महा + आशय 5. सह + अनुभूति 6. परम + ईश्वर 7. हित + उपदेश 8. सदा + ऐव 9. देव+आलय 10. रवि+इन्द्र **(ङ)** 1. स्वस्थ 2. बलिष्ठ 3. अस्वस्थ 4. अव्यवस्था 5. समर्थन 6. हानिप्रद 7. अस्वीकृति 8. नापसंद 9. दुर्भाग्यशाली 10. प्रतिकूल 11. अखाद्य 12. अनुपयुक्त 13. विकर्षण 14. उमंग 15. घृणित **(च)** 1. (iii) 2. (ii) 3. (ii) 4. (iii) 5. स्वस्थ शरीर 2. प्रसन्न मन 3. जीवन में सफलता 6. (i)

15. पिता का पत्र

(क) 1. स 2. स 3. स 4. अ **(ख)** 1. प्रतिमाह 2. मेरे 3. शांति 4. पत्र 5. डिप्टी गर्वनर **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. अपने आपका, अपनी आत्मा का और ईश्वर का सच्चा ज्ञान महत्वपूर्ण बताया। 2. चरित्र निर्माण और कर्तव्यबोध को मानते थे। 3. सत्य और अहिंसा समाहित होनें चाहिए। 4. खेत में घास खोदने और गड्ढे भरने के काम से जीवन निर्वाह की सलाह दी। 5. पिताजी की सेवा करने में बहुत आनन्द मिलता था। **(ख)** 1. केवल अक्षर ज्ञान ही शिक्षा नहीं है। सच्ची शिक्षा तो चरित्र-निर्माण और कर्तव्य का बोध है। 2. कि वह उसे सीखता रहे और भजनों और कविताओं का संग्रह करे। 3. नियमित सूर्योदय से पूर्व निश्चित समय पर करने की सलाह दी 4. आंतरिक

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. निराशा 2. दुश्चरित्र 3. भविष्य 4. विफलता 5. कृपण 6. अरूचि 7. साधारण 8. अशिक्षा 9. अनुपयोग 10. अपूर्ण 11. अशिक्षित 12. अनुपयोगी **(ख)** 1. शिक्षित 2. सहकर्मी 3. सहपाठी 4. मितभोजी 5. जितेन्द्रिय **(ग)** 1. रचयिता 2. दवाइयाँ 3. कार्यक्रम 4. बीमारी 5. दातुन 6. जिज्ञासा 7. ऋतु 8. तालाब 9. कृपया 10. पूज्य 11. आदर्श 12. परीक्षा **(घ)** 1. मिठाई, लड़ाई 2. दूध वाला, सब्जी वाला 3. ममेरी, चचेरी 4. लगान, उड़ान 5. बुढ़ापा, पुजापा 6. बचपन, लड़कपन 7. जगमगाहट, झिलमिलाहट 8. ऊड़ाउ, कमाऊ **(ङ)** 1. कर्ता 2. कर्ता, करण 3. कर्ता, कर्म 4. अपादान **(च)** 1. अकर्मक 2. सकर्मक 3. सकर्मक 4. अकर्मक 5. सकर्मक 6. अकर्मक

16. नींद का गणित

(क) 1. ब 2. ब 3. अ 4. ब **(ख)** 1. मध्यमार्ग 2. युवकों 3. व्याधियों 4. भ्रम **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1."जीवन में भी ऐसी रीति-नीति अपनाओ। अति का अतिक्रमण न कर मध्यममार्ग का चयन करो। वही श्रेष्ठ व हानिरहित है।" 2. पागलों जैसी हो जाती है। 3. आवश्यकता से अधिक सोने वालों में अनेक शारीरिक अनियमितताओं के अतिरिक्त मानसिक गड़बड़ियाँ भी उत्पन्न हो सकती है। 4. शरीर एवं मन:संस्थान संबंधी महत्वपूर्ण क्रियाओं पर नियंत्रण हार्मोन्स ही करते है। **(ख)** 1. जन्तुओं पर किये गये अध्ययन के ..... अत्यंत न्यून हो जाती है। 2. कठोर शारीरिक श्रम करने वालों के ..... परिणाम सामने नहीं आता। 3. नवजात शिशुओं में ... . उलझनें पैदा होने लगती हैं।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. संबंध कारक 2. करण कारक 3. कर्म कारक 4. कर्ता कारक 5. अधिकरण कारक 6. अपादान कारक **(ख)** 1. ब 2. ब 3. ब 4. स **(ग)** 1. नाटकीय 2. आगामी 3. मानवीय 4. दु:खी 5. ग्रामीण 6. ममेरा 7. मासिक 8. बाजारू 9. लोभी 10. वार्षिक 11. आलसी 12. नीतिज्ञ 13. जिसका 14. पारिवारिक 15. स्वप्निल 16. उसका 17. ईर्ष्यालु 18. भारतीय 19. भुलक्कड़ 20. पेटू

21. जापानी **(घ)** 1. वह दिल्ली में कितने वर्ष रहा? 2. दुकानें बंद हो चुकी हैं। 3. गोपाल कक्षा में शोर मचा रहा है। 4. हलवाई मिठाई बना रहा था। 5. दीदी पत्र लिखती है। **(ङ)** 1. क्रिया विशेषण 2. क्रिया विशेषण 3. विशेषण 4. विशेषण 5. विशेषण 6. विशेषण **(च)** 1. इच्छावाचक वाक्य 2. संकेतवाचक वाक्य 3. प्रश्नवाचक वाक्य 4. विस्मयवाचक वाक्य 5. आज्ञावाचक वाक्य 6. संभावनासूचक वाक्य 7. विधानवाचक वाक्य 8. निषेधात्मक वाक्य **(छ)** 1. सब भिकारी का मजाक बना रहे थे। 2. तुम सदैव बहाने बनाते हो। 3. मुझे नाटिका देखनी है। 4. रोगी के लिए दवाई लाओ। 5. ठंडी हवा चल रही है। 6. कल सारी रात वर्षा होती रही। 7. रावण बहुत ज्ञानी था। 8. मुझे पिताजी ने डाँटा।

17. न्याय

(क) 1. स 2. स 3. अ 4. ब 5. ब **(ख)** 1. व्याकुल 2. उतावली 3. तीर 4. विवाद 5. निर्दयी **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. सखा के 2. अपनी माताओं को 3. उनके हवा में तैरने की प्रतीति कराती है। 4. देवदत्त ने मारा था। 5. घायल हो गया। **(ख)** 1. दोनों ने हंस पर अपना अधिकार जताया 2. क्योंकि मारने वाले से बचाने वाले का अधिकार अधिक होता है। 3. हमें सिद्धार्थ का चरित्र प्रभावित करता है क्योंकि वह दयालु, विनम्र और शांत है।

भाषा एवं व्याकरण: (क) पुल्लिंग (1, 2, 3, 5, 6, 8, 9, 10) स्त्रीलिंग (4, 7, 11, 12) **(ख)** 1. दयालु 2. शिकारी 3. रक्षक 4. सत्यवादी 5. न्यायशील **(ग)** 1. स 2. अ 3. ब **(घ)** 1. (i) 2. (ii) 3. (ii) 4. (i) 5. (ii) **(ङ)** 1. अहिंसा 2. अन्याय 3. अनुचित 4. निंदा 5. अंत 6. प्रेम 7. आगमन 8. गमन 9. शोक **(च)** 1. कर्ता कारक 2. कर्ता कारक 3. करण कारक 4. करण कारक 5. अपादान कारक **(छ)** 1. आशीर्वाद 2. हिंसा 3. सामग्री 4. ऋषि 5. सच 6. एकता **(ज)** 1. आ 2. ई 3. आऊ 4. ई 5. इत 6. ना

18. दोहा एकादश

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. ब 5. स 6. स 7. अ **(ख)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही **(ग)** स्वयं कीजिए

लिखित: (क) 1. गुरू द्वारा दिये ज्ञान से 2. मधुर वाणी से अपना मन व दूसरों का मन दोनों शीतल हो जाते हैं। 3. ईश्वर सर्वत्र निवास करते हैं। किसी भी अच्छे कार्य के होने या करने में ईश्वर का निवास होना सम्भावित होना सुनिश्चित है। 4. लोभ के आने से सुमति चली जाती है। **(ख)** 1. (अ) हाथ में माला लेकर फिराने से कोई लाभ नहीं क्योंकि मन को बुरे विषयों से हटाए बिना उद्धार नहीं होता। अत: मोती की माला फिराने के बजाय, मन को परिवर्तित करके सच के मार्ग पर चलाओ। (ब) जहाँ दया है वहीं धर्म होता है और जहाँ लोभ होता है वहाँ पाप क्रोध ही काल रूप है। और क्षमा में स्वयं भगवान का रूप है। (स) कवि कहता है कि प्रभु मुझे अधिक नहीं चाहिए बस आप मुझ पर कृपा करके इतना धन दीजिए जिसमें मेरे परिवार और अतिथियों का पेट भर सके। (द) जिस प्रकार सूर्य अंधकार को भगा देता है, उसी प्रकार गुरू का ज्ञान कुमति को नष्ट कर देता है। लालच आने पर सद्‌बुद्धि तथा अभिमान होने पर भक्ति नष्ट हो जाती है। 2. जिस प्रकार कुम्हार घड़े पर बाहर से चोट करता और अंदर से सहारा देता है उसी प्रकार गुरू शिष्य को बाहर से कठोर व्यवहार करता हुआ अंदर से सहारा देता है। 3. कबीर ने गुरू को ईश्वर से भी बढ़कर बताया है। क्योंकि गुरू ही ईश्वर का मार्ग बताकर हमें मुक्ति का रास्ता दिखाते हैं।

भाषा और व्याकरण: (क) 1. ईश्वर, परमात्मा, प्रभु 2. हाथी, कुंजर, करि 3. गाय, सुरभि, धेनु 4. स्वर्ण, कंचन, हेम 5. घोड़ा, तुरंग, सैंधव 6. सूर्य, दिनकर, भास्कर 7. तिमिर, अँधेरा, तमस **(ख)** 1. संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 3. भाववाचक संज्ञा 4. व्यक्तिवाचक संज्ञा 5. विशेषण 6. सज्ञा **(ग)** 1. आशी:+वाद 2. विद्‌या+अभ्यास 3. निर्+मल 4. परम+आत्मा **(घ)** 1. देवत्व 2. ईश्वरत्व 3. मनुष्यता 4. मातृत्व 5. दुख 6. निम्नता 7. पितृत्व 8. सुख 9. शीतलता 10. गुरूत्व 11. भ्रातृत्व 12. कोमलता 13. ज्ञान 14. वीरत्व 15. कायरता **(ङ)** 1. लोभी 2. क्रोधी 3. भूखा 4. संतोषी 5. ज्ञानी 6. ठंडा 7. ऊँचा 8. दयालु 9. काला 10. गहरा 11. धर्मात्मा 12. सफेद **(च)** 1. घड़ा 2. ईश्वर 3. भीतरी 4. दो 5. अंधकार 6. सोना 7. हाथ 8. सद्‌बुद्‌धि **(छ)** 1. विज्ञान, विज्ञापन,

विशेष 2. अपशब्द, अपमान, अपराध 3. सुवचन, सुमार्ग, सुधर्म 4. कुसंग, कुरूप, कुरूचि
(ज) मूलशब्द- 1. बर्फ 2. लिख 3. लूट 4. चल 5. मिला 6. झाड़ 7. भूख 8. रखवाली 9. बनाना 10. सजाना **प्रत्यय**- 1. ईला 2. ता 3. ऐरा 4. ता 5. वट 6. न 7. आ 8. आ 9. अट 10. वट
(झ) अपूर्ण वर्तमान- 1. पिताजी आ रहे हैं। 2. वह खेल रहा है। 3. लता गीत गा रही है। 4. हम पतंग उड़ा रहे हैं। 5. हम मेला देखने जा रहे हैं। **संदिग्ध वर्तमान**- 1. पिताजी आ रहे होगें। 2. वह खेल रहा होगा। 3. लता गा रही होगी। 4. हम पतंग उड़ा रहे होंगे। 5. हम मेला देखने जा रहे होंगे।

दीपिका-7

1. समर्पण

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. अ 5. ब **(ख)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही **(ग)** स्वयं कीजिए
लिखितः (क) 1. अपना सब कुछ न्योछावर करके उऋण होना चाहता है। 2. इसलिए मानता है कि ऐसा करके भी वह मातृभूमि का पूरा ऋण उतार पाने में स्वयं को असमर्थ मानता है। 3. कवि का आशय अपने जीवन के सभी प्रकार के भाव अर्पित करना है। 4. नहीं **(ख)** 1. कवि देश के लिए अपने घर, गाँव, आँगन से मोह के बंधन तोड़ना चाहता है। 2. **(अ)** कवि देश की भूमि को माँ के रूप में संबोधित करते हुए कहता है कि मुझ पर आपका बहुत भारी कर्ज है जिसे मैं मरके भी चुका नहीं सकता, किन्तु मेरी प्रार्थना है कि जब देश की रक्षा हेतु मैं अपना सिर कटाऊं तो वह सिर आप स्वीकार करें। **(ब)** कवि कहता है कि वह मातृभूमि की रक्षा हेतु अपने अस्त्र-शस्त्र चमकाकर युद्धभूमि में जाना चाहता है और चाहता है कि मातृभूमि की माटी का तिलक करके जब वह युद्ध क्षेत्र में जाए तो मातृभूमि रूपी माँ उसे अपना आशीर्वाद प्रदान करें।
भाषा एवं व्याकरणः (क) 1. असुरता 2. संदेह 3. गौंण 4. अस्थिर 5. अवगुण 6. विष 7. समीप 8. दानी 9. कायर 10. निरक्षर 11. पुरातन 12. पतन **(ख)** पुल्लिंग (1, 2, 3, 4, 5, 6, 11, 12) स्त्रीलिंग (7, 8, 9, 10) **(ग)** 1. जननी, धात्री, माता 2. खड्ग, असि, करवाल 3. पुष्प, फूल, प्रसून **(घ)** 1. अ 2. ब 3. ब 4. स 5. ब **(ङ)** 1. इस देश में सभी धर्मों को मानने वाले लोग रहते हैं। वैसे यहाँ हिंदुओं की संख्या सबसे अधिक है परंतु मुसलमान, ईसाई, पारसी, सिक्ख आदि सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते है। 2. दीपावली पर बच्चे बम, पटाखे, फुलझड़ियाँ, अनार बम, आतिशबाजी छुड़ाकर खुशी प्रकट करते हैं। **(च)** 1. हाथ से लिखा 2. धर्म से विमुख 3. महान है जो राजा 4. तीन रंगों वाला 5. अपने पर बीती 6. शक्ति के अनुसार **(छ)** 1. पराधीन, परामुख, पराभव 2. सुदीर्घ, सुयश, सुगंध 3. अधिकार, अधिसूचना, अधिकरण 4. अत्यावश्यक, अतिशय, अत्युत्तम 5. दुरात्मा, दुर्दशा, दुर्मुख **(ज)** 1. सरल वाक्य 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्र वाक्य 4. संयुक्त वाक्य 5. संयुक्त वाक्य 6. मिश्र वाक्य 7. मिश्र वाक्य 8. मिश्र वाक्य

2. शाश्वत संस्कृति

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. स 5. ब **(ख)** 1. भारतीय संस्कृति 2. पहली 3. परीक्षा के लिए 4. भारत 5. आगरा **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स
लिखितः (क) 1. रानी खेत के झरनों मे गंधक बताया जाता है। 2. पेट के समस्त रोग गरम जल से ठीक हो जाते हैं। 3. प्रकृति से प्रेम और गंधक के झरनों के कारण। 4. 'तुम क्या हो बताया।' 5. तुम्हारे पास क्या है। 6. माली ने कहा जो हुजूर की मर्जी। 7. माली ने कहा जो हुजूर की मर्जी। 8. माली मानापमान से सर्वथा परे था जिस कारण साहब के अंहकार को ठेस पहुँचती थी। 9. माली स्वामीभक्त था उसके इसी गुण ने साहब को पश्चाताप करने पर विवश कर दिया। **(ख)** 1. 'एक कंबल, फटी हुई दो धोतियाँ ..... पढ़ी जा रही रामायण सुनता। 2. उस झुर्री पड़े .... कभी नहीं देखा।" 3. साहब ने उस पर जुर्माना लगाया, उसका कंबल छीन लिया। एकादशी के व्रत पर उससे घास छिलवाई, उस पर चोरी का आरोप लगाया और पूरा काम करने पर भी उसे मंदिर नहीं जाने दिया। 4. इस सबके पीछे साहब का अंहकार था, जो माली को नीचा दिखाना चाहता था। 5. माली राम जन्म की आरती में जाना चाहता था किन्तु साहब ने उसे जाने नहीं दिया।
भाषा एवं व्याकरणः (क) 1. कोई- अनिश्चयवाचक सर्वनाम 2. ये-निश्चयवाचक

सर्वनाम 3. कुछ-अनिश्चयवाचक सर्वनाम 4. उसे, कुछ-अनिश्चयवाचक सर्वनाम 5. स्वयं-निजवाचक सर्वनाम **(ख)** 1. सकर्मक 2. अकर्मक 3. सकर्मक 4. अकर्मक 5. सकर्मक 6. अकर्मक **(ग)** 1. खिलाना,खिलवाना 2. दिलाना, दिलवाना 3. धुलाना, धुलवाना 4. पढ़ाना, पढ़वाना 5. लिखाना, लिखवाना 6. घुमाना, घुमवाना **(घ)** 1. थपथपाना 2. टनटनाना 3. बड़बड़ाना 4. थरथराना 5. खटखटाना 6. घरघराना **(ङ)** 1. सामान्य भविष्यत्काल 2. संम्भाव्य भविष्यत्काल 3. सामान्य वर्तमानकाल 4. अपूर्ण वर्तमानकाल 5. सम्भाव्य भविष्यत्काल

3. ठाकुर का कुआँ

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. ब 5. स **(ख)** 1. सूखता 2. प्रतिदिन 3. बीमारी 4. कुप्पी 5. कुएँ **(ग)** 1. सही 2. सही 3. गलत 4. गलत 5. गलत **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. जोखू कई दिन से बीमार था। 2. कि कहीं वे उसे देख न लें। 3. गंगी की छाती धक्-धक् करने लगी। 4. ठाकुर साहब का दरवाजा खुलने पर गंगी के हाथ से घड़े की रस्सी छूट गई। 5. वापस घर पहुँचकर गंगी ने देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए वही गंदा पानी पी रहा था। **(ख)** 1. गंगी का विद्रोही दिल ..... यह कि हम ऊँचे हैं।"2. ठाकुर के दरवाजे पर पाँच .... करने का ढंग चाहिए। 3. अमृत चुरा लाने के लिए जो ..... न हुआ था। 4. गंगी झुकी कि घड़े को ..... आवाज़ें सुनाई देती रहीं।

भाषा एवं व्याकरण: (क) पूर्वक: 1. शांति + पूर्वक = शांतिपूर्वक 2. ध्यान + पूर्वक = ध्यानपूर्वक 3. सावधानी + पूर्वक = सावधानीपूर्वक 4. सुख + पूर्वक = सुखपूर्वक 5. विस्तार + पूर्वक = विस्तारपूर्वक शील: 1. सहन + शील = सहनशील 2. परिवर्तन + शील = परिवर्तनशील 3. प्रगति + शील = प्रगतिशील 4. संवेदन + शील = संवेदनशील 5. विवेक + शील = विवेकशील **(ख)** 1. प्यासा 2. भूखा 3. बीमार 4. ठंडा 5. मासिक 6. भाग्यशाली 7. धनी 8. नमकीन 9. पेटू **(ग)** 1. गहराई 2. शत्रुता 3. गिरावट 4. थकावट 5. मित्रता 6. दिखावट 7. योग्यता 8. उदारता 9. गरमाहट **(घ)** 2. नि:तेज 3. उत्+चारण 4. उद्य + योग 5. सम् + कल्प 6. परि + णाम **(ङ)** 1. दीर्घ 2. शोक 3. निरर्थक 4. समर्थन 5. असंतुलित 6. तुच्छ **(च)** पुल्लिंग: (2, 3, 4, 5, 9) स्त्रीलिंग (1, 6, 7, 8)

4. जब मैंने पहली पुस्तक खरीदी

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. ब 5. अ 6. स 7. ब **(ख)** 1. दयानंद 2. अंग्रेजी 3. दो जहाजों 4. हरिभवन 5. सिनेमा **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. गलत **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. लेखक की माता ने स्त्री शिक्षा के लिए आदर्श कन्या पाठशाला की स्थापना की। 2. सत्यार्थ प्रकाश पढ़कर लेखक को आनन्द आता था। 3. माँ को चिंता रहती थी कि लड़का कक्षा की किताबें नहीं पढ़ता तो पास कैसे होगा? 4. पुस्तकालय में लेखक की इच्छा होती थी कि काश उसके पास पैसे होते तो वह लाइब्रेरी का सदस्य बनकर पुस्तक इशू करवा लाता। 5. नई दुनिया देखने को मिली। 6. 'दु:ख के दिन अब बीतत नाही' लेखक को पसंद था जिसे सहगल ने गाया था। **(ख)** 1. लेखक की माँ बच्चे के दु:खी दिल को सांत्वना देना चाहती थी इसलिए। 2. लेखक जो फिल्म देखने जा रहा था उसी फिल्म की मूल कथा की पुस्तक दस आने में मिल गई। लेखक ने दो रूपए में से दस आने की पुस्तक खरीद ली ओर शेष माँ को दे दिए। 3. उन्होनें ऐसा इसलिए कहा था कि पाठ्य-पुस्तकों के अतिरिक्त पढ़ने पर लेखक का जीवन अनुभव बढेगा जो भविष्य में उसके काम आएगा।

भाषा एवं व्याकरण: (क) पुल्लिंग (1, 2, 3,4) स्त्रीलिंग (5, 6) **(ख)** 1. आजीवन 2. निराधार 3. असंभव **(ग)** 1. उपनाम, उपवन 2. अवशेष, अवतार 3. अतिरिक्त, अत्यधिक 4. परिपूर्ण, परिवर्तन **(घ)** 1. अ (ii) ब (ii) स (iii) द (ii) य (iii) 2. अध्ययन का महत्व 3. व्यर्थ की चिंताएँ-मैं बड़े हाकर कुछ कमाऊँगा या नही। यह कुचिंता मुझे बेचैन बना देती है। 2. शक-ब्रह्म ज्ञान देने वाले गुरूजी ने हमें सब संशय भ्रम दूर करने को कहा। **(ङ)** 1. सत्य + अर्थ 2. वेद + उदय 3. देह + अवसान 4. दुर्ग + ईश (च) 1. ईमानदार 2. धनवान 3. पैतृक 4. कँटीला 5. चिंतित 6. संयमी

5. प्रियतम

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. ब 5. अ

(ख) स्वयं कीजिए

लिखितः (क) 1. किसान सुबह, दोपहर, शाम तीन बार राम नाम लेता था। 2. क्योंकि नारद जी ने जब जाना कि किसान केवल तीन बार ही प्रभु का नाम लेता है तब वह कैसे सबसे प्रधान भक्त बन गया? 3. ताकि उनका पूरा ध्यान उसी पर केन्द्रित रहे। 4. क्योंकि उनसे तेल की एक बूँद भी नहीं गिरने पाई थी। **(ख)** 1. नारद जी किसान की परीक्षा इसलिए लेना चाहते थे ताकि वह उन कारणों को जान सकें जिससे वह प्रधान भक्त बन सका था।

2. क्योंकि किसान ने अपना सांसारिक कर्तव्य अच्छी तरह निभाने के साथ-साथ प्रभु को भी याद रखा था।

भाषा एवं व्याकरणः (क) 1. क्रिया 2. संज्ञा 3. संज्ञा 4. क्रिया 5. क्रिया 6. क्रिया 7. क्रिया 8. विशेषण 9. विशेषण 10. योजक 11. विशेषण 12. विशेषण **(ख)** 1. पारिवारिक 2. कंजूसी 3. कमजोरी 4. नेतृत्व 5. अपव्ययी 6. तीव्रता 7. राष्ट्रीयता 8. छुटपन 9. उल्लास **(ग)** 1. नारायण, माधव, गोविंद 2. भू, धरती, धरा 3. गगन, नभ, अंबर **(घ)** 1. मनुष्यता, कुटिलता, अज्ञानता 2. रसीला, हठीला, पनीला 3. धनवान, पकवान, सौभाग्यवान 4. गुणवती, भगवती, बुद्धिमती **(ङ)** 1. हवा शीतल हो गई और झार-झा वर्षा होने लगी। 2. उसके सामने मैं संगीत में कुछ भी नहीं हूँ। 3. चारों ओर से कारे-कजरारे बादल उमड़ने लगे। **(च)** 1. निः + काम 2. दुः + कर्म 3. निः + रोग 4. नमः + ते 5. निः + भय 6. निः + रस 7. पुनः + जन्म 8. निः + चय 9. मनः + ज 10. मनः + हर

6. टूटती मर्यादाएँ

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. स 5. स 6. स **(ख)** 1. सप्ताह 2. दस 3. मुंशी 4. कोर्ट 5. चौकन्ने **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः (क) 1. सौ 2. कि शायद पृथ्वी पर यही नरक है। 3. उससे कोई भी जानकारी प्राप्त करने का कोई व्यक्ति प्रयत्न करता, तो वह किसी विधि विशेषज्ञ और पद के रूतबे की हैसियत से बात करता। 4. मर्यादाएँ बनाई जाती हैं कि उनमें कोई सुरक्षित रह सके, परंतु उन्हें तोड़ने वालों की कमी नहीं है। 5. वास्तव में यह एक घरेलू विवाद था जो कुछ लोगों की शान ओर चटखारे के तौर पर अदालत का रूख कर गया था। **(ख)** 1. कई महीने से मुकद्दमा ..... लिए घर लौट आता। 2. तारीख़ पर 'वह' तो ..... खूँटी पर टाँगा हुआ है। 3. वह एक अनुशासनप्रिय ..... मुकदमा करवा दिया। 4. आवाज लगाने वाला अर्दली ..... कम न था। 5. स्वयं कीजिए

भाषा एवं व्याकरणः (क) 1. (iii) 2. (iii) 3. (ii) 4. (ii) 5. (iii) 6. (ii) 7. (iii) 8. (ii) **(ख)** 1. स 2. ब 3. स 4. स **(ग)** 1. ब 2. द 3. द **(घ)** 1. बैठा 2. घुड़की 3. पाक 4. धुलाई 5. जीव 6. भूल 7. मुस्कान 8. चुनाव 9. लिखावट 10. बना 11. खिलाई 12. जगमग **(ङ)** (क) अल्पप्राण (ख) महाप्राण (ग) अल्पप्राण (घ) महाप्राण (ङ) अल्पप्राण (च) अल्पप्राण **(च)** 1. धीरे-धीरे 2. जोर से 3. खूब 4. आज, कल 5. थोड़ा, अधिक 6. शीघ्र **(छ)** 1. लालची 2. लघु 3. ईर्ष्यालु 4. दुःखी 5. कठिन 6. क्रोधी 7. निचला 8. बाहरी 9. सम्मानित 10. अगला 11. साप्ताहिक 12. पर्वतीय

7. पाप का गणित

(क) 1. अ 2. ब 3. अ 4. ब 5. ब **(ख)** 1. बुद्धि 2. इतराता 3. आत्मसम्मान 4. प्रकृति 5. अराजक **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः (क) 1. दुष्कर्मों और दुर्व्यसनों के आकर्षण का प्रभाव कुछ ऐसा ही है, जिसे देखकर अदूरदर्शी उन पर बेतरह टूट पड़ते हैं। 2. अधिक जल्दी अधिक मात्रा में अधिक सुख पाने की लिप्सा उस सूक्ष्म चिंतन का अपहरण कर लेती है।

3. कुकर्मी को आरम्भ में अपनी बुद्धिमता पर गर्व होता है। 4. वह अपने उस साहस की अपने आप ही प्रशंसा करता है, जिसे दूसरे लोग कर नहीं पाए।

5. कुकर्मी को अपना शील, सदाचार गँवाना पड़ता है। 6. राजदंड, सामाजिक असहयोग और तिरस्कार के अतिरिक्त आत्मदंड तिलमिलाने वाली पीड़ा के बिना सहन नहीं किया जा सकता। (ख) 1. पाप-कर्मों में अधिक ..... प्ररित करता है। 2. जनसाधारण का हृदय ..... पूरा नहीं होता। 3. अनीति का उपार्जन ..... सुखपूर्वक रह सकेंगे। 4. अनेक उद्दंड, उच्छृंखल .... सहायक नहीं हो सकता।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. विशेषण 2. विशेषण 3. विशेषण 4. भाववाचक संज्ञा 5. विशेषण 6. संज्ञा 7. क्रिया 8. विशेषण 9. सर्वनाम 10. क्रिया 11. विशेषण 12. तत्सम शब्द **(ख)** 1. विषैला 2. व्यसनी 3. कठिन 4. सामाजिक 5. उद्दंड़ 6. अनुगामी 7. प्रसन्न 8. भीतरी 9. घृणित **(ग)** 1. बहुवचन 2. एकवचन 3. बहुवचन 4. बहुवचन 5. बहुवचन **(घ)** 1. घुटनों 2. डाकुओं 3. भेड-बकरियाँ 4. मजदूरों, नारे **(ङ)** 1. भव्य मूर्ति 2. विश्वास, धोखा 3. बहादुरी **(च)** 1. अकर्मक 2. सकर्मक 3. अकर्मक 4. सकर्मक 5. सकर्मक 6. अकर्मक **(छ)** 1. जाना 2. देखना 3. बोलना

8. बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. अ 5. अ **(ख)** 1. अंग्रेजी 2. अपनी मातृभाषा 3. सरकारी नौकर 4. सरकारी 5. साहित्य **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का जन्म 27 जून 1838 में बंगाल के चौबीस परगना के कांठालपाड़ा नामक गाँव में हुआ था। 2. दुर्गेशनंदिनी 3. ऐतिहासिक है। 4. बंगदर्शन 5. 'बंगदर्शन' कोई मामूली ढंग का पत्र न था। उसके संपादक स्वयं बंकिमचंद्र थे। उसमें सबसे बड़ा आकर्षण स्वयं उनकी रचनाएँ थीं। उसमें उपन्यास, साहित्य, समालोचना और विभिन्न प्रकार के लेख-निबंधादि प्रकाशित होते थे। 6. उनकी आलोचना, व्याख्या तथा सामूहिक पाठ हुआ करता था। 7. बंकिमचंद्र अपने युग में कितने मशहूर हुए, इसका इस बात से पता लगता है कि उस जमाने में बंकिमचन्द्र के उपन्यास आदि पढ़कर उस कुछ अंश जुबानी याद कर लेना लोग पसंद करते थे। जो लोग पत्र आदि में बंकिम की शैली का अनुसरण करते थे, वे विद्वान समझे जाते थे। 8. बंकिम के शुरू के उपन्यास अधिकतर नाटकीय है। 9. आनंदमठ 10. 'आनंदमठ' जैसे एक नया राग सुनाने को ही लिखा गया था। इस उपन्यास को सामाजिक भी कहा जा सकता है और एक सीमा तक ऐतिहासिक भी। **(ख)** 1. राष्ट्रीयता की दृष्टि से ..... पाठ सिखाना था। 2. इस उपन्यास की ..... तरह हो सकती थी। 3. बंकिम बड़े ही हँसमुख ..... तीखा होता था। 4. 'बंगदर्शन' कोई मामूली ढंग ..... उनका बड़ा मान था। 5. बंकिमचंद्र के उपन्यास है-आनंदमठ, कपाल कुंडला, मृणालिनी, रजनी, चंद्रशेखर आदि। उनके पहले उपन्यास ..... उत्सुक रहने लगे।

भाषा एवं व्याकरण: (क) विशेषण: शिक्षित, अनपढ़, सजल, मुक्त, मधुर, अज्ञात, असह्य, महान, काल्पनिक, सामाजिक विशेष्य: व्यक्ति, लोग, नेत्र, कंठ, गीत, बीमारी चोट, आदर्श, इतिहास, दायरा **(ख)** 1. संबंध कारक 2. अधिकरण कारक 3. करण कारक 4. अपादान कारक **(ग)** 1. भाग्यवादी 2. कर्मशील 3. अकल्पनीय 4. सर्वोपयोगी 5. सनातन **(घ)** 1. बलवान 2. अपमानित 3. शापित 4. उपकारी 5. अपराधी 6. शिष्ट **(ङ)** 1. संज्ञा 2. विशेषण 3. विशेषण 4. क्रिया 5. क्रिया 6. विशेषण 7. भाववाचक संज्ञा 8. विशेषण 9. विशेषण **(च)** 1. बालि ने तारा को डाँट दिया और कहा-सुग्रीव भाई नहीं बैरी है। बैरी की ललकार मैं नहीं सह सकता। श्रीराम अकारण मुझे क्यों मारेंगे? इतना वचन मैं तुझे भी देता हूँ कि सुग्रीव को जान से नहीं मारूँगा, बस उसका अहंकार चूर करके छोड़ दूँगा। **(छ)** 1. झड़ गए हैं पत्ते जिसके 2. चार भुजाएँ हैं जिसके अर्थात विष्णु 3. लंबा उदर है जिसका अर्थात गणेश 4. नीलकंठ है जिसका अर्थात शिव **(ज)** 1. सुखद 2. निर्जीव 3. निष्कृष्ट 4. अनौचित्य 5. अपमान 7. असंतोष 8. असभ्य 9. असहनीय **(झ)** 1. निहाल, निडर, निठल्ला 2. प्रयोग, प्रकार, प्रवचन 3. अनमोल, अनजान, अनपढ़ 4. बिनबुलाया, बिनबोया, बिनब्याही **(ञ)** 1. मान 2. ता 3. इक 4. ता 5. ईला 6. आवट

9. नीति नयन

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. स 5. ब **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. सच्चे व्यक्तियों से 2. दुष्टों का 3. गिरे 4. जो लोग धन या वस्तु होते हुए भी माँगने, वाले को 'नहीं है' कह देते हैं। 5. विपत्ति को 6. कबीर कहते हैं कि उन्हें हमेशा पास ही रखना चाहिए। **(ख)** 1. क्योंकि वह बिना साबुन और पानी के ही हमारे मन को साफ और निर्मल बना देते हैं। 2. चिता तो मनुष्य को मरणोपरान्त जलाती है

किंतु चिंता तो मनुष्य को जीवित ही जला देती है। 3. ऐसा इसलिए कहा गया है कि बुरे व्यक्ति पर अच्छे का प्रभाव नगण्य ही होता है। 4. ऐसा न करने पर काम बिगड़ जाता है और संसार में मजाक के पात्र बनना पड़ता है। तथा चित्त से चैन चला जाता है। 5. (अ) संत रहीम जी कहते हैं कि जब व्यक्ति के पास धन-दौलत होती है तब तो प्राय: सभी उसके प्रिय बने रहते हैं किंतु जो विपत्ति में भी मित्रता न छोड़े वही सच्चा मित्र कहलाता है। (ब) कवि कहता है कि बिना गुणों के केवल नाम बड़ा हो जाने से व्यक्ति महान नहीं बनता यूँ तो कहने के लिए धतूरे को भी 'कनक' कहा जाता है और सोने को भी परन्तु आभूषण बनाने के लिए सोने का ही प्रयोग किया जाता है, न कि धतुरे का। (स) कवि का कथन है कि प्रभु को प्रसन्न करने के लिए, माला जपना, तिलक लगाना आदि कार्य व्यर्थ हैं। जिसका मन विषयों में रमण करता है वह बेकार ही भक्ति दिखाने के लिए नृत्य करता है। ईश्वर को तो केवल सत्यवादी लोगों में ही रूचि होती है।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. नेत्र, चक्षु, आँख 2.भगवान, प्रभु, परमात्मा 3. नीर, जल, अंबु **(ख)** 2. लगाव, मुग्ध 3. फलों का रस, काव्य रस 4. शहद, मीठा 5. रंग, जाति 6. अंतर, रहस्य **(ग)** 1. अधिकरण 2. अधिकरण 3. करण 4. संबोधन 5. संप्रदान **(घ)** 1. संभावना सूचक 2. कामना सूचक 3. नकारात्मक 4. प्रश्नवाचक 5. आज्ञावाचक 6. विस्मयादिबोधक 7. निषेधवाचक

10. प्रदूषण की समस्या

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. स 5. ब **(ख)** 1. विज्ञान 2. अप्रत्यक्ष 3. तीस 4. चालीस 5. पचास **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. प्रदूषण का अर्थ है 'वातावरण को दूषित करना' 2. प्राकृतिक वायु, जल और अन्न को चौपट करना। 3. बढ़ती जनसंख्या 4. गैस के रिसाव से उस नगर का विध्वंस प्रलय से कम नहीं होगा। 5. वन पेड़-पौधों की ऑक्सीजन से पर्यावरण को स्वस्थ रखते हैं। 6. इस कारण प्रदूषण से बचाने की पर्यावरण की क्षमता शिथिल हो गई है। **(ख)** 1. औद्योगिक संस्थानों का ..... उत्पन्न हो जाती है। 2. जिन वस्तुओं के जलने .... विवश हुए रहते हैं। 3. प्रात:काल से हम .... शोर का रूप ले लेती है। ध्वनि प्रदूषण, चित्त अशांति ..... का काम करती है।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. मेरे 2. पहले 3. समेत 4. की ओर 5. साथ 6. के मारे **(ख)** 1. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण 2. परिमाणवाचक क्रियाविशेषण 3. रीति वाचक क्रियाविशेषण 4. रीति वाचक क्रियाविशेषण 5. कालवाचक क्रियाविशेषण 6. स्थानवाचक क्रियाविशेषण **(ग)** उत्तरावस्था- बलक्टर, मधुरतर, उच्चतर, विशालतर, निकटतर, घनिष्ठतर, कठोरतर, प्रियतर, योग्यतर, बदतर उत्तमावस्था- बलवत्तम, मधुरतम, उच्चतम, विशालतम, निकटतम, घनिष्ठतम, कठोरतम, प्रियतम, योग्यतम, बदतम **(घ)** 1. प्रहरी 2. समाज 3. जनमत 4. जनता 5. बेड टी 6. समाचार पत्र

11. स्वराज्य की नींव

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. ब 5. अ **(ख)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स **(ग)** 1. झाँसी 2. महान 3. महारानी 4. अविश्वास

लिखित: (क) 1. रावसाहब! बाँदा के नवाब व सेनापति तात्या को। 2. प्रतिज्ञा की थी कि वह झाँसी नहीं देगी। 3. जनरल रोज की सेना ने मुरार में हरा दिया 4. कि कहीं हमारी वीरता कलंकित न हो जाए। 5. कि शत्रुओं के आक्रमण रूपी संकट के बादल छाए हुए हैं। **(ख)** 1. इसलिए रखा गया है क्योंकि इसमें रानी लक्ष्मीबाई की वीरता का प्रसंग है और उन्होनें ही पहली बार 'स्वराज्य' हेतु आवाज बुलंद की थी। इस प्रकार वही स्वराज्य की नींव हैं। 2. यह कथन तात्या ने रानी लक्ष्मीबाई की प्रशंसा में कहा जो उनके व्यक्तित्व के पूर्णतया अनुकूल है। रानी की वीरता की प्रशंसा में यह उक्ति सटीक है। 3. रानी लक्ष्मीबाई स्वदेशप्रमी वीरांगना थी। वे अत्यंत बुद्धिमान, प्रजा प्रेमी व अपने साथियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत थी। देश की रक्षा व स्वाभिमान के लिए वह हर पल प्राणों की बाजी लगाने को भी तत्पर रहती थीं।

भाषा एवं व्याकरण: (क) पुल्लिंग: (1, 2, 4, 8) स्त्रीलिंग: (3, 5, 6, 7, 9) **(ख)** 1. तीव्रता 2. निराशा 3. ऊँचाई 4. उत्साह 5. विलासिता 6. लज्जा 7. मदहोशी 8. चौड़ाई 9. सेवक

10. स्वामित्व 11. गहराई 12. योग्यता **(ग)** 1. ब 2. ब 3. ब 4. ब 5. अ **(घ)** 1. ब 2. द 3. ब 4. स 5. अ **(ङ)** 1. क्या बिना परिश्रम के भी सफल हुआ जा सकता है? 2. आपको निराशा क्यों नहीं करनी चाहिए? 3. हमें नींव का पत्थर बनने से कौन रोक सकता है? 4. क्या तुम यह कार्य कर सकते हो? **(च)** 1. चाचा जी गाँव चले गए होगें। 2. बाजार खुलता है। 3. दादी जी ने रामचरितमानस की चौपाईयाँ सुनी। 4. रेलगाड़ी जा चुकी होगी। **(छ)** 1. विधानवाचक 2. संयुक्त वाक्य 3. मिश्र वाक्य 4. सरल वाक्य 5. संयुक्त वाक्य 6. मिश्र वाक्य 7. संयुक्त वाक्य 8. मिश्र वाक्य

12. अन्न के पोषक-तत्त्व

(क) 1. स 2. अ 3. अ 4. स 5. ब **(ख)** 1. चोकर 2. तीन 3. चूना 4. महत्त्वपूर्ण 5. चोकर-सहित **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही

लिखितः (क) 1. चोकर की चाय गले की खराश, सर्दी, जुकाम से बचाता है और स्फूर्तिदायक सिद्ध हुआ है। 2. चोकर को उसके छह गुने पानी में मिलाकर आधा घंटे तक उबालने से चोकर की चाय तैयार हो जाती है। 3. सुस्वादु बनाने के लिए उसमें शहद, चीनी अथवा नींबू का रस मिलाया जाता है। 4. चोकर में तीन प्रतिशत चिकनाई, बारह प्रतिशत प्रोटीन तथा एक तिहाई भाग स्टार्च होता है। 5. चूना रहित अन्न खाने से शरीर के अंगों को पोषण नहीं मिल पाता, दाँत जल्दी गिरने लगते है अथवा खोखले हो जाते है। 6. आटे से चोकर निकाल दिये जाने पर उसमें लौह तत्व आधा रह जाता है। 7. ऐसे आटे में से पौटेशियम का तीन-चौथाई भाग, फास्फोरस का अस्सी प्रतिशत भाग तथा कैल्शियम का आधा भाग निकल जाता है जो शरीर और स्वास्थ्य के लिए निश्चय ही अपोषणकारी है। **(ख)** 1. ब्रिटेन में काफी वर्षों ..... जुकाम आदि से भी बचाता है। 2. स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य -संतुलन ..... भूमिका निभा सकता है।

भाषा एवं व्याकरणः (क) पुल्लिंगः (1, 2, 5, 7, 8, 10, 11, 12) स्त्रीलिंगः (3, 4, 6, 9) **(ख)** 1. उपयोगिता 2. पौष्टिकता 3. दुर्बलता **(ग)** 1. स्वाद 2. स्वस्थ 3. पाँचवाँ 4. भयंकर **(घ)** 1. ब, अ 2. स, अ 3. स **(ङ)** 1. जल्दी 2. अचानक 3. सहसा 4. लगातार 5. नीचे

13. इतने ऊँचे उठो

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. अ **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखितः (क) 1. जाति, धर्म, वेश, रंग के भेदभाव को मिटाना है। 2. जग की ज्वलाओं को अपनी ठंडक से बुझाने की सीख लेनी चाहिए। 3. कि हम तुच्छ बातों और भावनाओं से ऊपर उठें। 4. शीतलता की प्रेरणा मलय पवन से, गतिशीलता की प्रेरणा परिवर्तन से, सुन्दरता की प्रेरणा आकर्षण से और मौलिकता की प्रेरणा सृजन से मिलती है। 5. स्वर्ग 6. यहाँ पूर्ण सुख, सौन्दर्य व प्रेम की स्थापना करना। 7. कि यद्यपि स्वर्ग की बातें अभी कल्पना ही हैं किन्तु इस कल्पना को सच कर दिखाना मानव का कर्तव्य है। **(ख)** 1. कवि चाहता है कि मनुष्य निरंतर अपने चरित्र और व्यक्तित्व को महान बनाए। वह पूरे विश्व के लिए समता व बंधुत्व का भाव रखे और जाति, रंग व देश की तुच्छ सीमाओं का बंदी न बने। इन तुच्छ विभाजनों से जलती मनुष्य जाति को सुगंधित पवन की तरह शीतलता प्रदान करे। 2. हमें अपने अतीत के रीति-रिवाजों को बिना सोचे-समझे दोहराते नहीं जाना चाहिए बल्कि उनमें से केवल उपयोगी बातों को ही ग्रहण करना चाहिए। पुराने से चिपटने का मोह घातक है। प्रतिपल गतिमान नदी की धारा के समान आगे बढ़ते रहना ही सच्चा जीवन है। 3. मनुष्य का लक्ष्य होना चाहिए कि वह इसी धरती पर ऐसा वातावरण बना दे कि वह स्वर्ग तुल्य बन जाए अर्थात धरती पर किसी प्रकार का दुख न रहे और सुख, सौन्दर्य तथा शांति व प्रेम का प्रसार हो। धरती को अपना मनचाहा रूप प्रदान करने मे मनुष्य को सतत प्रयास करते रहना चाहिए।

भाषा एवं व्याकरणः (क) 1. शांतिपूर्वक- सभा शांतिपूर्वक समाप्त हो गई। 2. उत्सुकतापूर्वक - पुत्र के विदेश से लौटने का माता-पिता उत्सुकतापूर्वक इन्तजार कर रहे थे। 3. उत्तेजनापूर्ण- उत्तेजनापूर्ण भाषण सुनकर जनता भड़क गई। 4. गौरवपूर्ण - भारत का इतिहास गौरवपूर्ण है। 5. भावपूर्ण - महात्मा गाँधी की पुण्य तिथि पर प्रधानमंत्री ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि प्रकट की। **(ख)** 1. हवा, वायु, समीर 2. भू, पृथ्वी, भूमि 3. अंबर, गगन, आसमान **(ग)** स्वयं कीजिए **(घ)** 2. ऐतिहासिक 3. सामाजिक 4. दैनिक 5. भोगौलिक 6. औपचारिक 7. ऐच्छिक 8. जैविक

14. चिकित्सा का चक्कर

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. स 5. ब 6. स **(ख)** 1. छह 2. सरकारी 3. चूना 4. अमृतधारा 5. मेला **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही 5. गलत **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. उनका आवश्यकता से अधिक भारी भोजन करना। 2. जूते 3. पान और सिगरेट 4. दो सप्ताह लगे। 5. वैद्य जी आए। 6. सरकारी अस्पताल 7. लेखक को पेट दर्द के साथ-साथ सिर में चक्कर आने लगे। 8. ऊपरी असर 9. खाना ठीक व थोडा खाने का 10. बनारसी लौटे। **(ख)** 1. वैद्य जी धोती पहने हुए थे ..... लड़कर आ रहे है। हकीम साहब चिकन ..... दिल्ली वाला था। 2. उन्होनें एक पुर्ज़े पर दवा लिखी, पानी गरम हुआ। दवा आई। डॉक्टर बाबू ने तुरंत एक पिचकारी निकाली, उसमें एक लम्बी, सुई लगाई, पिचकारी में दवा भरी और लेखक के पेंट में वह सुई कोंचकर दवा डाली। डॉक्टर साहब कुछ कर और उन्हे सांत्वना देकर चले गये। उसके बाद मरीज को नीदं आ गई और वह सो गया। 3. आयुर्वेदाचार्य, रसज्ञरंजन ..... शूल का कारण होता था। पंडित जी ने दवा दी ..... सेवन करना होगा। 4. लेखक ने श्रीमति जी से रूपये माँगें। उन्होने पूछा, "क्या होगा?" लेखक ने हाल कह दिया। वे बोली, "तुम्हारी बुद्धि कहीं घास चरने गई है? आज कोई कहता है दाँत उखड़वा लो, कल कोई कहेगा सारे बाल उखड़वा लो, परसों कोई डॉक्टर कहेगा नाक नुचवा डालो, आँखें निकलवा दो। यह सब फिजूल है। खाना ठिकाने से खाओ। पंद्रह दिन में ठीक हो जाओगे।" लेखक ने कहा, "तुम्हें अपनी दवा करनी थी तो इतने रूपए क्यों बरबाद कराए?"

भाषा एवं व्याकरण: (क) 2. लौकिक 3. साहित्यिक 4. ओद्यौगिक 5. राजनैतिक 6. ऐतिहासिक **(ख)** 1. कक्षा में शोर मत मचाओ। 2. तुम्हारा विद्यालय कल नहीं खुलेगा। 3. गणित पढ़कर बच्चे प्रसन्न नहीं होते। 4. यह वायुयान पानी पर नहीं चल सकता। **(ग)** 1. भूत-प्रेत का प्रभाव-अशिक्षित लोग बीमारी को ऊपरी खेल समझकर इलाज नहीं करवाते। 2. छुटकारा होना- दसवीं कक्षा के पश्चात मेरा गणित विषय से पिंड छूट गया। 3. जल्दबाजी- दवा खाते ही रोगी का आनन-फानन में दर्द गायब हो गया। 4. भाग जाना- पुलिस को देखते ही चोर रफूचक्कर हो गया। 5. परेशान करना- माँ ने कहा, " दिमाग मत चाटो, पढ़ाई पर ध्यान दो।" **(घ)** 1. बालक 2. मकान 3. मार्ग **(ङ)** 1. अपनाना 2. चमकाना 3. गरमाना 4. शर्माना 5. मनाना 6. हथियाना 7. टकराना 8. बतियाना 9. चकराना **(च)** पुल्लिंग (4, 8, 9, 12) स्त्रीलिंग (1, 2, 3, 5, 6, 7, 10, 11) **(छ)** 1. पूरियाँ 2. फॉर्मेसियाँ 3. रसगुल्ले 4. इक्के 5. दवाईयाँ 6. कठिनाईयाँ 7. टोपियाँ 8. पगड़ियाँ 9. पिचकारियाँ

15. गुलेलबाज लड़का

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. स 5. ब 6. अ **(ख)** 1. घोंसलों 2. राक्षस 3. डरते 4. गोह 5. बालिश्त **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. वह गली की नाली पर बैठे बर्रो को हाथ से पकड़कर उनके डंक निकालता और फिर उनकी टाँग में धागा बाँधकर उड़ाता। 2. तितलियाँ पकड़कर ऊँगलियों के बीच मसल डालता था। तितली में पिन खोसकर उसे अपनी कापी में टाँग लेता। 3. बोधराज जब तक परपीड़ा का कोई कार्य न करता, उसे चैन न पड़ता। 4. बेघराज कभी-कभी मैना का बच्चा कभी भाँति-भाँति के अण्डे या काँटेदार झाऊ चूहा रखकर घूमता था। 5. दूसरे दिन जब बेघराज घर आया तो न तो उसके हाथ में गुलेल थी, और न जेब में कंकड़ बल्कि जेब में बहुत सा चुग्धा भरकर लाया था। **(ख)** 1. सारा समय गुलेल ..... जिसमें परपीड़ा न हो। 2. उसने बताया कि गोह साँप जैसा एक जानवर होता है ..... ढीले पड़ जाते हैं।" 3. बोधराज ने गुलेल ..... पर जा बैठी थी। 4. बोधराज मेज को मैना ..... अंदर न आ सके।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. (iii) 2. (iii) 3. (iii) 4. (i) 5. (ii) 6. (ii) 7. (i) **(ख)** 1. काल + अंतर 2. शरीर + अंत 3. हिम + आलय 4. पुस्तक + आलय **(ग)** 1. भावी 2. करणीय 3. अकरणीय 4. सर्वज्ञ 5. सर्वप्रिय **(घ)** 1. दिन के बाद दिन 2. जीवन भर 3. खूबी से 4. मरण तक 5. परिवार के साथ 6. अवसर के अनुसार 7. राजगार के बिना 8. हरदिन **(ङ)** 1. ब 2. स 3. ब 4. ब 5. ब

(च) 1. अनैच्छिक 2. यदा-कदा 3. अशिक्षित 4. पराधीन 5. अवनति 6. अधार्मिक 7. अधैर्य 8. साधारण 9. अंधकारपूर्ण 10. पुरस्कार 11. चरित्रहीन 12. असफल **(छ)** पुल्लिंग (4, 7, 8, 9, 10, 11, 12) स्त्रीलिंग (1, 2, 3, 5, 6)

16. केवट-प्रेम

(क) 1. अ 2. स 3. अ 4. ब 5. स **(ख)** स्वयं कीजि **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. कि जिनके वियोग में पशुओं की भी ऐसी दशा हो रही है, उनके बिना प्रजा और माता-पिता कैसे जीवित रह पाएँगे? 2. जबरदस्ती 3. स्त्री 4. स्वयं कीजिए। 5. यह सोचकर कि केवट को पार उतराई के रूप में कुछ नहीं दिया। **(ख)** 1. कि आज वह उन्हें नदी पार करवाए। 2. इसलिए ताकि वापसी में भी इसे देने के बहाने राम उसकी नाव में बैठें। 3. **(अ)** केवट राम से कहता है कि आपकी चरण धूलो में कोई जादुई जड़ी-सा प्रभाव है जिसे छूकर पत्थर की अहिल्या नारी बन गई थी मेरी नाव तो मात्र लकड़ी की है, अत: वह तो पत्थर से कोमल ही है कहीं वह भी युवती बन कर उड़ न जाए। अत: बिना पैर धुलाए मैं आपको नाव पर नहीं बैठनें दूँगा। **(ब)** केवट कहता है कि प्रभु राम मैं आपके चरण धोकर नाव में बिठाना चाहता हूँ। बदले में मुझे कोई पारिश्रमिक भी नहीं चाहिए। मैं आपकी शपथ लेता हूँ और आपको दशरथ का वास्ता देता हूँ। भले ही मुझ पर लक्ष्मण जी तीर ही क्यों न चला दें किंतु बिना आपके पद पखारे मैं आपको नाव पर बैठनें नहीं दूँगा। **(स)** रामचन्द्र जी के नाव पर बैठनें से प्रसन्न केवट ने रामचंद्र जी से स्वर्ण मुद्रिका लेने से इंकार कर दिया और कहा कि नाथ आज मैनें सब कुछ पा लिया है मेरे दोष और दुख सदा-सदा के लिए दूर हो गए है। मजदूरी तो मैंने बहुत समय की लेकिन आज उसकी भरपाई ईश्वर ने बड़ी ही उदारता से कर दी है। आपकी कृपा के अतिरिक्त मुझे कुछ नहीं चाहिए। हाँ लौटते समय आप जो देंगे वह मैं सहर्ष रख लूँगा।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. रघुपति, राघव, अयोध्या नरेश 2. सरि, सुरनदी, भागीरथी 3. पोत, जलयान, नौका 4. पंकज, नीरज, जलज **(ख)** 1. प्रसन्न 2. वाणी या कथन 3. गंगा जी 4. जबरदस्ती 5. गंगा जी 6. पत्थर 7. तीन 8. लकड़ी 9. धूल 10. तेरी 11. शीघ्र 12. अंगूठी **(ग)** पुल्लिंग (2, 3, 5, 7, 9) स्त्रीलिंग (1, 4, 6, 8) **(घ)** 1. गहरा 2. कठोर 3. निराश 4. उचित 5. घना 6. दु:खी **(ङ)** 1. अव + गुण = अवगुण 2. सु + पुत्र = सुपुत्र 3. सु + वास = सुवास 4. अ + धर्म = अधर्म 5. अनु + वाद = अनुवाद 6. अध + खिला = अधखिला **(च)** 1. अ 2. अ 3. अ 4. ब 5. अ

17. नीलू

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. ब 5. स 6. स **(ख)** 1. बर्फ 2. सर्दियों 3. गुरू जी 4. शीत 5. आ **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. पाउडर वाले दूध को घोलकर बनाए दूध से। 2. डलिया में ऊन डालकर उसमें उसे सुलाया गया। 3. वातावरण के सन्नाटे को कँपा देता था। 4. खरगोशों की रखवाली के कारण भीगते रहने के कारण हो गया। 5. चौदह वर्ष थी। **(ख)** 1. सामान्य कुत्तों से भिन्न ..... सकुशल लौट आती। 2. उसका रंग-रूप भी ..... प्रतीत होता था। 3. आकृति, बल और स्वभाव .... सामने भी न आता था। 4. हिसंक जाति के माता-पिता ..... चक्कर लगता रहा।

भाषा एवं व्याकरण: उपसर्ग- बे, सु, अ, स्व, परि, अ, बे **प्रत्यय**- ई, ता, इत, ता ,ता ई, ई **मूलशब्द**- कार, लभ, मान, तंत्र, पूर्ण, मान, चैन **(ख)** 1. सावधान 2. प्रतीति 3. नोट कर लिया जाना 4. बिना प्रयास 5. कहना न मानना 6. घनी 7. दुर्लभ जो मिलता न हो। 8. कठिन 9. कमी **(ग)** 1. वे 2. वह 3. कुछ 4. कोई 5. कौन 6. वे **(घ)** 1. भूटिया 2. घना 3. घनघोर 4. पालतु 5. विस्तृत 6. मजबूत 7. घनी 8. लम्बा 9. सज्जन 10. तेज 11. विशाल 12. कीमती **(ङ)** 1. के पीछे 2. के बिना 3. के मारे **(च)** 1. धीरे-धीरे 2. कुछ 3. अचानक 4. कमी 5. जल्दी **(छ)** 1. अ 2. स 3. ब 4. ब

18. पक्षियों की अजब दुनिया

(क) 1. ब 2. स 3. ब 4. स 5. ब **(ख)** 1. रंग 2. कीड़े 3. शिकारी 4. बबीला 5. **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः (क) 1. पक्षी मनुष्य के कितने बडे सहायक हैं, इसे हम इस बात से जान सकते हैं कि यदि पक्षी कृषि के हानिकारक कीडों, कीट-पतंगों आदि का सफाया न करें, तो वे एक पत्ती भी न छोड़ें और सारा संसार रेगिस्तान बन जाए। 2. 30,000 3. अबाबील और बबीला 4. अबाबील बहुत सुंदर होते हैं-लंबी, नुकीले पंख और दो शाखी पूँछ। वे अधिकतर उड़ते ही रहते है, मुड़ते, मचलते कलाबाजियाँ खाते, सारा समय चहचहाते रहते है। 5. उड़ते समय तो ये चुस्त रहते है, लेकिन बैठे हुए सुस्त और लाचार से दिखते हैं। तब ये न तो फुदक सकते हैं और न दौड़ सकते हैं क्योंकि इनके पैर बहुत छोटे और नाजुक होते है। 6. बसंत में वापसी यात्रा करने का मुख्य काण ग्रीष्म काल के ताप से बचना होता है। **(ख)** 1. पक्षियों का रंग प्रायः .... प्राकृतिक व्यवस्था है। 2. चील, बाज तथा अन्य शिकारी पक्षी ..... जिनमें रोगाणु पाए जाते हैं। 3. पक्षियों की प्रवास यात्राएँ ....पहुँच जाते है। 4. प्रवास यात्रा पर निकले पक्षी ..... ही पार करके आते है।

भाषा एवं व्याकरणः 1. सुंदरता 2. चंचलता 3. बेचैनी 4. क्रूरता, बर्बरता **(ख)** 1. स 2. स 3. स 4. ब 5. स **(ग)** पुल्लिंग (1, 2, 4, 6) स्त्रीलिंग (3, 5) **(घ)** 1. मानवता 2. देखता 3. कठोरता 4. सुशीलता 5. खेलता 6. आता **(ङ)** 1. मादा उल्लू 2. मादा कौआ 3. मादा बगुला 4. मादा बाज़ 5. मादा अबाबील 6. मादा शुतर्गमुर्ग **(च)** 1. चुराकर 2. भागकर 3. पहुँचकर

दीपिका-8

1. उठो धरा के अमर सपूतों

(क) 1. स 2. अ 3. स 4. ब 5. स **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखितः (क) 1. नए प्रातः से अभिप्राय स्वतंत्रता का नया सवेरा है। 2. अपने राज्य में नए रंग-ढंग से कार्य करने से ही नई स्फूर्ति मिलेगी। 3. जीवन मे नई आशा का संचार ही नई किरण है। 4. स्वतंत्रता मिलने पर हर कार्य हमारी योजना व रूचि के अनुसार होगा। **(ख)** 1. यह कविता स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात होने वाली कवि की खुशी को व्यक्त करती है। वह कहता है कि आजाद को जाने पर सुबह कुछ नई ही लगती है, यही नहीं सब कुछ नया सा प्रतीत होता है और मन मे नवीन तरंगे लहरा रही हैं। 2. ऐसा प्रतीत होता है कि पक्षी भी आजाद भारत में एक राहत व सुख का अनुभव करते हुए डालियों पर बैठकर नए स्वरों में गाते हैं। भँवरे भी नए हर्ष का अनुभव करते हुए मग्न हो रहे हैं। तात्पर्य यह है कि सारी प्रकृति आनंद में लीन हो रही है। 3. स्वतंत्रता प्राप्ति के उपलक्ष्य में भारत की सारी प्रकृति हर्षमग्न है। कलियाँ मुस्कराती प्रतीत होती हैं तथा फूल खिल-खिलकर अपनी हँसी बिखेर रहे हैं। भारत माँ मानो पूरी की पूरी ही नवीन आभा से जगमगा रही है।

भाषा एवं व्याकरणः (क) 1. पृथ्वी, भूमि, द्यौ 2. फूल, पुष्प, प्रसून 3. खग, पंछी, पक्षी 4. वीणापाणि, हंसवाहिनी, गिरा **(ख)** 1. सुपुत्र 2. किरण 3. आशा 4. श्वास 5. भ्रमर 6. नेत्र **(ग)** 1. संसार 2. शुभ 3. फिर 4. वाटिका 5. रचना 6. नवीन 7. पुनीत 8. सैकडों 9. नया **(घ)** 1. अ 2. ब 3. स 4. स 5. ब

2. प्रेम अहिंसा और बंधुत्व

(क) 1. ब 2. अ 3. ब 4. अ 5. ब **(ख)** 1. शत्रु 2. व्यापार 3. धर्म 4. डरें **(ग)** 1. सही 2. सही 3. गलत 4. सही

लिखितः (क) 1. कि हम अपने से शत्रुता रखने वालों से प्रेम कैसे करें? 2. पूछते थे कि बुतपरस्त के साथ मुहब्बत कैसे की जा सकती है। 3. पूछते थे अछूत समझकर अपने दलित भाइयों से बुरा व्यवहार करने वाले हिन्दुओं से प्रेम कैसे करें? 4. अर्थ है उसे प्रेम के लायक न समझना 5. यदि हम सब एक ईश्वर की संतान हैं, तो एक-दूसरे से क्यों डरें अथवा अपने से भिन्न मत रखने वाले से द्वेष क्यों करें? 6. जब तक मनुष्य निर्वैर नहीं होता, तब तक वह मनुष्य ही नहीं बन सकता। **(ख)** 1. आपके अंदर यदि प्रेम के साथ कष्ट सहने की हिम्मत हो तो आप पाषाण हृदय को भी पानी-पानी कर डालेंगे। 2. यदि भारतवर्ष अहिंसक नहीं बनेगा, तो उसका सर्वनाश समझिए। दूसरी कौमों का भी नाश समझिए। भारत एक भारी भूखंड है। यदि वह हिंसक हो जाए तो और खंडों की तरह वह भी दुर्बलों पर जबरदस्ती करेगा। यदि ऐसा हुआ, तो परिणाम भयंकर होंगे। 3. गाँधी जी का कथन है कि मेरी राष्ट्रीयता में प्राणिमात्र का ..... जिसका आधार पशुबल हो।

भाषा एवं व्याकरण: (क) (अ) 1. (iii) 2. (ii) 3. (ii) 4. (iii) 5. (iii) 6. (ii) **(ब)** श्रेष्ठ चरित्र में सद्‌गुण स्वत: ही होते हैं। ऐसे व्यक्ति को शांति, प्रसन्नता और सम्मान मिलता है। गुणों का विकास सत्संगति से होता है। अत: हमें सज्जनों का साथ करना चाहिए। **(स)** सद्‌गुण व सत्संगति **(ख)** 1.पीतवस्त्र, चन्द्रमुख, नीलकमल, कमलनयन **(ग)** 1. जिसे हम पसंद नहीं करते, उसे स्वयं से दूर रखें। 2. जिसे ठंड लगी हो, उसे मोटे कपड़े पहनने। 3. जिसे डर लगता है, उसे वीरों के चरित्र पढ़ने चाहिए। 4. जिसे पाठ याद न हो, उसे घबराना नहीं चाहिए। 5. जिसे भूलने की समस्या हो, उसे बादाम खाने चाहिए। **(घ)** 1. सत् + चरित्र 2. शरत + चंद्र 3. उत् + चारण 4. उत् + छिन्न 5. उत् + चरित्र 6. जगत् + छाया 7. सम् + तोष 8. सम् + भव 9. सम् + पूर्ण 10. सम् + बोधन **(ङ)** समस्तपद: 1. पति-पत्नी 2. ठंडा-गर्म 3. लाभ-हानि 4. जय-पराजय 5. उधार-नकद 6. खरी-खोटी 7. आना-जाना 8. चाय-कॉफी विग्रह: 1. पति और पत्नी 2. ठंडा और गर्म 3. लाभ और हानि 4. जय या पराजय 5. उधार या नगद 6. खरी और खोटी 7. आना और जाना 8. चाय और कॉफी **(च)** 1. सच्चरित्रता 2. सत्यता 3. झुका 4. दूरी 5. धीरता 6. परतंत्रता 7. हिंसा 8. स्वामित्व 9. स्पष्टता

3. सत्य की शक्ति

(क) 1. ब 2. अ 3. ब 4. अ 5. स 6. ब 7. ब **(ख)** 1. सत्य 2. विश्वास 3. अनीति 4. सत्य 5. धर्म **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. गलत **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स **लिखित: (क)** 1. सदियों के लिए मनुष्य की तरक्की रूक गई । 2. सत्यता का अभाव होना 3. पैदावार का आवश्यकता से अधिक होना था। 4. का संकेत आपसी बैर व द्वेषभाव से है। 5. सत्य और प्रेम के बल पर **(ख)** 1. इसलिए कहा गया है क्योंकि इसके पालन के लिए बहुत त्याग करना पड़ता है और शत्रुओं का विरोध भी सहना पड़ता है। 2. गाँधी जी ने जिंदगी-भर ..... भारत छोड़कर जाना पड़ा। 3. हम उसे हर दशा में आचरण में लाएँगे। 4. (अ)पहले हम प्रकृति के दास थे किन्तु आज विज्ञान की सहायता से हमने सभी बाधाओं पर विजय पा ली है। आज वैज्ञानिक साधन हमें आर्थिक रूप से भी उन्नति के अवसर दे रहे हैं। (ब) सत्य को अपनाते हुए हमें किसी प्रकार का भय नहीं अनुभव करना चाहिए। आपस में स्नेहपूर्ण और भाईचारे का व्यवहार करते हुए गुटबाजी और जातिगत भेदभावों से ऊपर उठना चाहिए।

भाषा एवं व्याकरण: (क) विषमता, दयालुता, सफलता, समानता, क्रूरता, सजलता, भिन्नता, विद्वता, वैषम्यता **(ख)** 1. **संज्ञा:** संसार, भट्‌ठी **सर्वनाम:** इस, वे **विशेषण:** सारा, मनाना **क्रियापद:** आनंद, जल रहा है। **(ग)** 1. लड़ाकू, पढ़ाकू, हलाकू 2. पुरवाई, रूसवाई, हलवाई 3. देखकर, पढ़कर, सुनकर 4. मनभावना, सुहावना, संभावना **(घ)** 1. सत्यता 2. दृढ़ता 3. कुटिलता 4. मूर्खता 5. यौवन 6. अमरता 7. कमजोरी 8. चालाकी 9. गंभीरता 10. कटुता 11. उपयोग 12. मित्रता 13. राष्ट्रीयता 14. व्यक्तित्व 15. शैशव **(ङ)** पुल्लिंग (1, 3, 4, 5, 6, 7, 8) 2. स्त्रीलिंग (2, 9) **(च)** 1. धर्मात्मा 2. एक 3. कंजूस 4. अच्छा 5. कृतघ्न 6. चंचल 7. ओजस्वी 8. चिंतित 9. घरेलू 10. कर्मठ 11. जातिगत 12. आश्रमवासी 13. क्रमिक 14. जोशीला 15. चिह्नित

4. मनुष्यता

(क) 1. ब 2. अ 3. स 4. अ 5. ब **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही 6. गलत **लिखित: (क)** 1. अभीष्ठ मार्ग पर सहर्ष जाना उचित है। 2. वह है जो अधीर है। 3. सुमृत्यु वह है जो दूसरों के हित में जीने के बाद हो। 4. अभागा कहा है। **(ख)** 1. **(अ)** वह मनुष्य मरकर भी अमर हो जाता है, जो अपने स्वार्थ के लिए नहीं वरन् परोपकार के लिए जीता था। **(ब)** यदि मनुष्य घबराने लगे तो उसे यह सोचकर धीरज रखना चाहिए कि दयालु ईश्वर कई अदृश्य हाथों से उसकी हमेशा मदद करता है। **(स)** मनुष्य को चाहिए कि वह अपनें साथ दूसरों का भी उद्‌धार करे। यही उसके जीवन की सार्थकता होगी। 2. **(अ)** कवि मैथिलीशरण गुप्त जी कहते है कि मनुष्य को यह भली-भाँति जान लेना चाहिए कि मृत्यु पूर्वनिश्चित है, अत: उसे अपना जीवन इस प्रकार बिताना चाहिए

कि मरने के बाद भी लोग उसे याद रखें।

(ब) मनुष्य को चाहिए कि वह अपने लक्ष्य पर निरंतर आगे बढ़े और मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करे। सबसे मित्र भाव रखे तथा दूसरों का व अपना कल्याण करें।

भाषा एवं व्याकरण: (क) धनहीन, साधनहीन, बलहीन, रंगहीन **(ख)** 1. अमर, अमिट, अडोल, अजर 2. अनबन, अनजान, अनावश्यक, अनमना, 3. अपकार, अपमान, अपराध, अपमार्ग 4. अवयव, अवगुण, अवतीर्ण, अवतार **(ग)** 1. जड़, कीमत 2. काया, मुख 3. घोंसला, पानी 4. मुख्य, देना 5. धन, तरल पदार्थ 6. मात्रा, नतीजा **(घ)** 1. वि + ऊह 2. सु + आगत 3. राक + ईश 4. कमल + ईश्वर 5. वार्ता + आलाप 6. सेवा + अर्थ **(ङ)** 1. परोपकारी 2. अगम्य 3. अनन्य 4. शाश्वत **(च)** 1. व्याकुलता 2. स्वास्थ्य 3. समीपता 4. भावुकता 5. सरलता 6. शीघ्रता 7. दक्षता 8. रहन-सहन 9. चतुराई 10. गरीबी 11. सजावट 12. जीत **(छ)** 1. पुल्लिंग (1, 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9) स्त्रीलिंग (7)

5. संसार एक पुस्तक

(क) 1. ब 2. स 3. अ 4. ब **(ख)** 1. इंग्लैंड 2. इंग्लैंड 3. जानवर 4. संसार का **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. गलत 4. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. किताबें माना है जो इतिहास बना सकती हैं। 2. नहीं 3. इसमें उपस्थित पेड़-पौधों जानवरों आदि को देखकर जाना जा सकता है। **(ख)** 1. यह संसार एक पुस्तक जैसा है। यहाँ की हर वस्तु अपनी कहानी कहती है। इसे देख घूमकर विश्व का इतिहास जाना जा सकता है। 2. नेहरू जी दृष्टान्त देते हैं कि जब तुम कोई छोटा सा गोल .... और बालू के घरौंदे बनाते।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. (ii) 2. (i) 3. (iii) 4. (iii) 5. (iii) 6. (ii) **(ख)** 1. सर्वनाम 2. अन्य पुरूषवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण 4. गुणवाचक विशेषण 5. प्रविशेषण 6. अनिश्चियवाचक सर्वनाम 7. अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण 8. प्रविशेषण **(ग)** 1. धीरे 2. इसलिए 3. क्योंकि 4. तथा 5. पर **(घ)** 1. नीता ने अपने वस्त्र धो लिए। 2. महेश ने आम मँगाया। 3. निखिल उत्तर लिख रहा है। 4. सौम्या ने फूलदान खरीदा। 5. नेहा ने थैला उठाया। **(ङ)** 1. ज्ञानी 2. जंगली 3. दयालु 4. दानी 5. आश्रयदाता 6. चित्रित 7. जोशीला 8. चिंतित 9. आलसी 10. आपका 11. काल्पनिक 12. कारूणिक

6. बूढ़ी काकी

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. ब 5. स **(ख)** 1. मुखराम 2. परीक्षक 3. आँगन 4. आशा 5. काकी **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. उसके पुत्र मुखराम के तिलक आने के उपलक्ष्य में बज रही थी। 2. नाइयों से मुक्कियाँ लगवा रहे थे। 3. मेहमानों के लिए भोजन का प्रबन्ध करने में। 4. इस कथन के पीछे भाव यह है कि स्वादिष्ट पकवानों की सुगंध मन को ललचाने वाली थी। 5. क्योंकि रोने से उन्हें अपशकुन होने का भय था। 6. बूढ़ी काकी उकड़ू बैठकर, हाथों के बल सरकती हुई बड़ी कठिनाई से चौखट से उतरी और धीरे-धीरे रेंगती हुई कड़ाह के पासआ बैठी। 7. इस अवस्था में जब उसने काकी को कड़ाह के पास बैठे देखा, तो जल गई। क्रोध न रूक सका। 8. पड़ित बुद्धिराम काकी को देखते ही ..... कोठरी में धम्म से पटक दिया। 9. वह लाडली थी जो अकेली बूढ़ी काकी के लिए कुढ़ रही थी। 10. अपने हिस्से की। **(ख)** 1. बुद्धिराम के दरवाजे पर शहनाई ..... चारों ओर फैली हुई थी। 2. बूढ़ी काकी अपनी कोठरी में शोकमय .... इलायची की महक आ रही होगी। 3. रूपा उस समय ..... चीजों की लूट मची। 4. जिस प्रकार मेंढ़क ..... परंतु तुम्हारी पूजा पहले हो जाए।" 5. लाडली को काकी से अत्यंत ..... कोठरी की ओर चली। 6. उसी समय रूपा की आँख खुली ..... शोकमय दृश्य असंमभव था। रूपा ने दीप जलाया, ... अपराध क्षमा कर दें।"

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. (iii) 2. (ii) 3. (iii) 4. (ii) 5. (ii) 6. (ii) 7. (i) **(ख)** 1. स्वादिष्ट भोजन देखकर मोहित के मुँह में पानी भर आया। 2. दीनानाथ सेठ के पुत्र ने चोरी करके अपने पिता के मुख पर कालिख पोत दी। 3. पड़ोसियों के घर नित उत्सव होते देख रेखा की छाती पर साँप लौट गए। 4. मुसद्दीलाल को बहकाना संभव नहीं, उसनें

घाट-घाट का पानी पिया है। **(ग)** 1. क्रिया, संज्ञा, अव्यय 2. संज्ञा, क्रिया पदबंध 3. विशेषण, भाववाचक संज्ञा क्रिया पदबंध 4. विशेषण, विशेषण क्रिया पदबंध **(घ)** 1. अधर्मी 2. संतोषी 3. अधीर 4. संपूर्ण 5. तिरस्कृत 6. निर्धन 7. स्वादिष्ट 8. लोलुप 9. कड़वा **(ङ)** 1. अनुजा 2. सुता 3. पूज्या 4. आचार्या 5. वृद्धा 6. कृष्णा 7. तनुजा 8. भवदीया 9. बाला **(च)** 1. ड़ा 2. दार 3. पन 4. इत 5. ई 6. ता 7. ई 8. एरा 9. गर

7. कर्त्तव्यपालन

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. ब **(ख)** 1. अँधेरा 2. अपराधी 3. राजापन 4. एक रूपया 5. सम्मान **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4 . ब 5. स

लिखितः (क) 1. बदमाश होने का दोष मढ़ा। 2. एक हिरन को मारने की बात कही। 3. बदमाश समझ बैठा था। 4. दरबारी के आने पर खुला 5. महाराज, आपके साथ मैंने जो ढिठाई की, उसे क्षमा कीजिए। **(ख)** 1. मैं राजा का एक अफसर हूँ। ..... बहुत दूर पड़ गया हूँ। 2. इसमें सच्चाई की कमी है। अगर तुम शिकार को निकले थे, तो तुम्हारा घोड़ा कहाँ है? 3. राजा कहता है कि मैं तुम्हारे जैसे नेक और सच्चे ..... पुरस्कार तुम्हें जीवन भर मिलता रहेगा।

भाषा और व्याकरणः (क) 1. विश्वसनीय 2. अविश्वसनीय 3. वनरक्षक 4. कर्तव्यनिष्ठ 5. क्षम्य 6. अक्षम्य **(ख)** पुल्लिंग (1, 2, 4, 6, 7, 8, 9, 12) स्त्रीलिंग (3, 5, 10, 11) **(ग)** 1. नृप, सम्राट, महाराजा 2. करवाल, असि, खड्ग 3. वन, विपिन, अरण्य 4. तुरंग, बाजि, सैंधव **(घ)** 1. तू- ब, नीच- ब, आदमी- ब 2. मैं- अ, नेक- अ, सम्मान- ब, ऋणी- ब **(ङ)** 1. गरीबी 2. क्रोध 3. तिरस्कार 4. ईमानदारी 5. सुख 6. सम्मान 7. सच्चाई 8. दुख 9. बहादुरी 10. नेकी 11. निराशा 12. प्रसन्नता **(च)** 1. इसमें सच्चाई की कमी थी। 2. महाराज के लिए हम सारा जंगल छान डालेंगे। 3. राजा ने तलवार खींची। 4. मैं तुम्हें क्षमा नहीं करूँगा। 5. मैनें तुम्हे रास्ता बताया था। 6. मैं इस जंगल में शिकार खेलने आया हूँ। 7. मैं तुम्हारे बारे में अधिक जानना चाहता हूँ। **(छ)** 1. फल 2. तुम, वह, 3. हम 4. रात, जाना, अपना **(ज)** 1. अहित 2. शत्रुता 3. अभिशाप **(झ)** 1. ई 2. आ 3. ई 4. आ 5. ई 6. आवन 7. औना 8. आ 9. या 10. आन 11. आऊ 12. आहट **(ञ)** 1. भ्रष्टाचार, राजमार्ग, देशभक्ति, न्यायप्रिय **(ट)** 1. थोड़ा- परिमाणवाची क्रियाविशेषण 2. रातभर- कालवाची क्रिया विशेषण 3. सारे-परिमाणवाची क्रियाविशेषण 4. चारों ओर- स्थानवाचक क्रियाविशेषण **(ठ)** 1. के अलावा 2. सहित 3. के नीचे 4. के विरूद्ध

8. खूनी हस्ताक्षर

(क) 1. स 2. ब 3. ब 4. स 5. स **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः (क) 1. परवश होकर बहने वाले 2. रक्त की 3. आजादी के बदले खून देने की बात पर सभा में। 4. स्वयं को हिंदुस्तानी कहने वालो को आगे आने के लिए कहा। 5. हम आते हैं, हम आते हैं के। **(ख)** 1. स्वतंत्रता जीवन की अमूल्य निधि है, अतः इसे पाने के लिए बलिदान देना ही पड़ता है। स्वतंत्रता संग्राम में अनगिनत वीरों ने अपने प्राणों की बलि चढ़ाई। 2. बर्मा में आजाद हिंद फौज की स्थापना के समय घटी जब सुभाष जी ने अहिंसा के स्थान पर हिंसक क्रांति द्वारा स्वतंत्रता की बात कही। **(ग)** सुभाषचंद्र बोस जी अपनी लम्बी बाजुओं को ऊँचा करके कहने लगे कि तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा। उनके स्वर को सुनकर सारी सभा जोश से भर गई और इंकलाब जिंदाबाद के नारे गूँज उठे। 2. बर्मा में सभा को सम्बोधित करते हुए सुभाष जी ने कहा कि आजादी के इतिहास को लिखने के लिए साधारण स्याही नहीं वरन् बलिदानियों के रक्त की स्याही की आवश्यकता होती है। यह कहते हुए नेता जी की आँखों में मानो खून उतर आया तथा ओज व तेज से उनकी स्वस्थ देह में लालिमा झलक उठी तथा चेहरा लाल होकर दमक उठा। 3. नेता जी ने कहा कि जो मेरी बात से सहमत हो वह आगे आए और इस शपथ पत्र पर अपने खून से हस्ताक्षर करे। मेरे साथ चलने का अर्थ है सिर पर कफन बाँधना। जो मरने के लिए तैयार हो केवल वही मेरा साथी बन सकता है।

भाषा और व्याकरणः (क) 1. रक्त 2. प्रकाशित 3. स्वतंत्रता 4. मूल्य 5. बलिदान 6. मस्तक 7. तन 8. वीरता 9. पराधीन **(ख)** 1. स्वतंत्रता 2. आजादी 3. कीमत 4. वीरत्व 5. कायरता 6. सच्चाई **(ग)** 1.

भारतीय 2. इलाहाबादी 3. बनारसी 4. जापानी 5. जयपुरी 6. पहाड़ी **(घ)** 1. रंग, जाति 2. लाल, सफेद, हरा आदि 3. जिंदगी, जल 4. बड़ा, शिक्षक 5. एक अवयव, प्रतिष्ठा 6. वस्त्र, दो टुकडे करना **(ङ)** 1. संज्ञा 2. संज्ञा 3. संज्ञा 4. संज्ञा 5. विशेषण 6. संज्ञा **(च) विशेषण:** 1. स्वतंत्र 2. कीमती 3. विजयी 4. खिलता 5. रोगी 6. स्वस्थ 7. उच्च 8. खूनी 9. पाँचवा 10. ऊँची 11. परवश 12. रक्तिम विशेष्य: 1. जीवन 2. वस्त्र 3. मुस्कान 4. बचपन 5. मन 6. मस्तिष्क 7. विचार 8. हस्ताक्षर 9. सिपाही 10. गरदन 11. जीवन 12. काया **(छ)** पुल्लिंग: (1, 4, 5, 6, 8 , 9) स्त्रीलिंग: (2, 3, 7) **(ज)** विज्ञान, विज्ञात, विश्लेषण, विख्यात **(झ)** 1. संज्ञा 2. संज्ञा 3. विशेषण 4. क्रिया 5. क्रिया 6. विशेषण 7. विशेषण 8. संज्ञा 9. क्रिया

9. उत्तरांचल की यात्रा

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. स 5. ब **(ख)** 1. उत्तरांचल 2. लंका चट्टी 3. गर्म 4. टिहरी 5. गोमुख **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. हरिद्वार, यह हरि और हर दोनों का द्वार है, अर्थात् बदरीनाथ, जो हरि है, केदारनाथ जो हर हैं, दोनों के पवित्र धामों को जाने का मुख्य द्वार यही है। 2. गंगा भैरवघाटी से तथा यमुना कलिंदपर्वत से निकलती है। 3. क्षेत्र है- अमरनाथ, बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्तरी तथा यमुनोत्री आदि। 4. बदरीनाथ में बदरीनाथ जी की विशाल मूर्ति व केदारनाथ में कुंती व पाँचों पांडवों की मूर्तियाँ हैं। 5. केदारनाथ में मंदिर के द्वार पर नंदी की तथा भीतर दीवारों पर कुंती और पाँचो पांडवों की मूर्तियाँ भी है। **(ख)** 1. इस पर्वत को हम ..... सैलानियों के लिए स्वर्ग। 2. पहले हरिद्वार को कोपल स्थान व मायापुरी भी कहा जाता था, आज इसे गंगाद्वार भी कहते हैं। हर की पैड़ी पर स्नान करने का हिंदू धर्म में बड़ा महत्व है। यह उत्तर भारत का सुप्रसिद्ध तीर्थ है। 3. हनुमान चट्टी से सात किलोमीटर चलने ..... जानकी कुंड तीर्थ है। 4. लौटकर हनुमान चट्टी आए। .... मार्ग कठिन एवं दुरूह है। 5. टिहरी से केदारनाथ जाने के ..... मंदाकिनी का संगम है।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. क्रिया पर बल देने के लिए उन्हें दोहराया गया है। **(ख)** 1. पर्वत के यात्री, तत्पुरूष समास 2. लक्ष्मण का झूला, तत्पुरूष समास 3. तप की भूमि, तत्पुरूष समास 4. भैरव की शिला, तत्पुरूष समास 5. मनु की गुफा, तत्पुरूष समास **(ग)** 1. (ii) 2. (iii) 3. (ii) 4. (ii) 5. (iii) **(घ)** 1. विशेषण, संज्ञा, क्रिया 2. संज्ञा, विशेषण **(ङ)** 1. अपमान, अपहरण, अपशब्द 2. अवरोध, अवधारणा, अवसाद 3. अभिमान, अभियोग, अभिवादन 4. अनुकरण, अनुगमन, अनुसरण **(च)** 1. जाह्नवी, सुरसरि, मदाकिनी 2. सूर्यपुत्री, तनूजा, कालिंदी 3. वहिन, पावक, ज्वाला 4. गिरि, पहाड़, भूधर **(छ)** 1. से 2. में 3. को 4. मोहिनी 5. से 6. ढ़ोलक (को)

10. भेड़ाघाट

(क) 1. स 2. स 3. ब 4. ब 5. स **(ख)** 1. जबलपुर 2. सौंदर्यबोध 3. अमरकंटक 4. भृगु 5. गौरीशंकर **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स **(घ)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. लेखक कहता है कि नर्मदा से मेरी ममता होन स्वभाविक है। ..... तरह घुटे हुए होते है। 2. लेखक को वे पसंद नहीं आती। 3. लेखक को तो बीहड़ नर्मदा, उसके प्रपात और उसका घर्षण ही प्यारा लगता है। 4. चाँद आता है तो चाँद जैसी चमक उठती है। सूरज आता है तो उस जैसी तप उठती है। 5. भेड़ाघाट के पास बहती नर्मदा पर है। 6. हिमालय की बर्फीली चोटियों पर नजर डालिए, वे ढल रही है, गल रही है, एक सफेदी यहाँ भी है, जो गलती नहीं है, ढलती नहीं है। नर्मदा चाहे कितनी मर-मर करे, किंतु वह मरती नहीं है। 7. नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक है और वहाँ से भेड़ाघाट की दूरी एक सौ चौवन मील है। **(ख)** 1. मुर्कि से नर्मदा ..... मील नीचे गिरी थी। 2. लेखक कहता है कि उन दिनों मैनें ..... भावनाओं का मिश्रण था।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. मैं पढ़ा तो उसके किनारे, बड़ा हुआ तो उसके किनारे, उसके संघर्षमयी होने का तो मैं इतना कायल हूँ कि अन्य वे नदियाँ मुझे पसंद नहीं आती, जिनके किनारे संन्यासी के सिर की तरह घुटे हुए होते हैं। जिनकी धार में

घर-घर शब्द होता है। जिनकी रेती बहुत मुलायम और बारीक होती है।

(ख) 1. बदनाम, बदनीयत, बद्दिमाग, बद्दुआ **(ग)** 1. ममत्व, वीरत्व, मातृत्व, शिष्यत्व 2. ममता, समता, विषमता, सफलता

(घ) 1. शिवा 2. तारिका 3. बलवती 4. खूँटी 5. तपस्विनी 6. विदुषी 7. भगवती 8. महोदया 9. कवयित्री **(ङ)** 1. (ii) 2. (iii) 3. (iii) 4. (iii) 5. (ii) 6. (iii) 7. (iii) **(च)** 1. निष्पाप 2. दुर्जन 3. अभिषेक 4. अधोगति 5. मनोविकार 6. निष्फल 7. विषम 8. मनोहर **(छ)** 1. सन् + गम 2. सत् + जन 3. सन् + यम 4. भः + रण 5. उन्न + इति 6. सन् + मार्ग 7. प्र + णाम 8. शोष + अण

11. सत्कर्त्तव्य

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. ब 5. ब **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. द 2. य 3. अ 4.ब 5. स

लिखितः (क) 1. संसार मनुष्य के लिए एक परीक्षा स्थल जैसा है। 2. मनुष्य को 3. खाते, पीते, सोते, जागते, स्वार्थ में ही लीन जाता है। 4. कि वह सोचे कि उस पर जो देश जाति का ऋण है उसे वह किस प्रकार चुकाए। **(ख)** 1. प्रायः मनुष्य अपने जीवन को खाने, पीने, सोने, जागने और मौज मनाने तक ही सीमित मानता है जो कि उसे शोभा नहीं देता। 2. कवि कहता है कि मेरी सलाह का बुरा न मानते हुए कृपया एक बार अपने मन में विचार करें कि क्या आपने अपने जीवन में आवश्यक कर्तव्य पूरे किये हैं अथवा नहीं। 3. कवि का कथन है कि जिस देश-जाति में तुमने जन्म लिया और तुम बड़े हुए तुम्हारा सबसे पहला कर्तव्य उसके प्रति है। उसे निबाहने के पश्चात् तुम अपना सारा जीवन अपनी इच्छानुसार इसे सारी पृथ्वी पर कहीं भी लगा सकते हो।

भाषा एवं व्याकरणः (क) 1. ब 2. स 3. ब 4. अ 5. अ **(ख)** 1. चंद्र, राकेश, चाँद 2. पृथ्वी, धरा, भूमि 3. सूर्य, दिनकर, भास्कर **(ग)** 1. सहजता 2. निजता 3. बुराई 4. कठोरता 5. सरलता 6. भलाई 7. लघुता 8. विफलता 9. निष्क्रियता **(घ)** 1. तुच्छ 2. लघु 3. कर्ममय 4. स्वार्थी 5. सहज 6. दृढ़ **(ङ)** पुल्लिंग (1, 2, 4, 5, 7, 9) स्त्रीलिंग (3, 6, 8) **(च)** 1. परमार्थ 2. अनिश्चित 3. कठिन 4. अशोभनीय 5. कोमल 6. महान 7. विष 8. अपयश 9. सक्रिय **(छ)** 1. पाक्षिक 2. स्वभाविक 3. उपभोक्ता 4. आर्थिक 5. पारिवारिक 6. सहयोगी 7. घरेलू 8. सहनीय 9. छली 10. धनी 11. कथनीय 12. आंतरिक 13. आत्मिक 14. गुणी 15. कुलीन

(ज) 1. अ 2. अप 3. स 4. सु 5. वि 6. सु

12. मेरी यूरोप यात्रा

(क) 1. ब 2. ब 3. ब 4. ब 5. ब 6. अ **(ख)** 1. न पहनने 2. फैशन 3. पारसी 4. सवेरे ही 5. गरम **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही

लिखितः (क) 1. लेखक ने वस्त्रों को शरीर को ढकने और लज्जा निवारण के साधन के रूप में ही महत्व दिया था। 2. रेगिस्तान में एक विचित्र मूर्ति को 'स्फिंक्स' कहा जाता है। सुनते हैं, प्राचीनकाल में यह प्रश्नों के उत्तर देती थी। 3. क्योंकि लेखक के पहुँचने से पूर्व ही लुई की मृत्यु हो चुकी थी इसलिए लेखक की भेंट उनसे न हो सकी। 4. मुकदमे से अवकाश मिलने पर गये। 5. कि एक एक ईंट पाँच-पाँच हाथ लम्बी थी। 6. न्यूराटेल में महिला दुकानदार गाँधी जी व उनके साहित्य से परिचित थी इस बात पर लेखक को आश्चर्य हुआ। **(ख)** 1. पोशाक हिंदुस्तानी थी ..... झंझट दूर हो जाता है। 2. प्राचीन मिस्र के कितने ही बड़े .... व्यवहार जानते थे। 3. संग्रहालय की वस्तुओं ..... तरह आज भी पड़े है।

भाषा एवं व्याकरणः (क) 1. (ii) 2. (iii) 3. (iii) 4. (iii) 5. (ii) **(ख)** 1. कर्ता 2. करण 3. संबोधन 4. अपादान 5. अपादान **(ग)** 1. स 2. ब 3. ब 4. अ **(घ)** 1. संज्ञा 2. वशेषण 3. भाववाचक संज्ञा **(ङ)** 1. सर्वोपयोगी 2. अकल्पनीय 3. शाश्वत 4. भाग्यवादी 5. कर्मशील **(च)** 1. असभ्य 2. अपमान 3. निर्जीव 4. निष्कृष्ट 5. अप्रतिष्ठित 6. असंतोष 7. सुखद 8. कठोर 9. अनौचित्य **(छ)** 1. ती 2. इक 3. इया 4. इया 5. या 6. ईला

13. आत्मनिर्भरता

(क) 1. स 2. ब 3. अ 4. अ 5. स **(ख)** 1. गुण 2. अनुभवी 3. दृष्टि 4. रास्ता 5. मन **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखितः (क) 1. पालन करने वाली को धात्री कहते हैं। 2. माँ जन्म देती है किंतु धात्री

पालन-पोषण करती है। 3. इसलिए मानते है क्योंकि स्वतंत्रता का जन्म नम्रता से ही होता है और स्वतंत्रता को वही पालती पोसती भी है। 4. अहंकारी बनाकर उनकी हानि करती है। **(ख)** 1. हम अनुभवी लोगों की बातों को ..... उसका तीर ऊपर जाता है। 2. हमें अपनी आत्मा को नम्र रखना .... अपनी राह आप निकालती है। 3. इसे चाहे स्वतंत्रता कहो ..... बड़ा महाद्वीप ढूँढ निकाला।

भाषा और व्याकरण: 1. (ii) 2. (ii) 3. (iii) 4. (iii) 5. (iii) 6. (iii) 7. (iii) **(ख)** 1. आत्मपरीक्षण, आत्मनिवेदन, आत्मसमर्पण, आत्मग्लानि **(ग)** 1. परलोक 2. कृपण 3. अनुपयुक्त 4. शुद्ध 5. अनागत 6. चेतन 7. निष्कृष्ट 8. अनिश्चित 9. अमर्यादित 10. कायर **(घ)** 1. पुराना, वस्त्र 2. तारा आदि, घर 3. पुस्तक, नस 4. गिरावट, समुद्रि जहाज का बंदरगाह **(ङ)** 1. जीवन का निर्वाह 2. चित्त की वृत्ति 3. अहंकार की वृत्ति **(च)** 1. अधीन होना- स्वतंत्रता पूर्व बेचारे भारतीय अत्याचारी अंग्रेजों की कठपुतली बने रहे। 2. अत्यंत क्रोधित होना- देशभक्त लाला लाजपत राय की हत्या पर जनता अंगारे उगलने लगी। 3. ईर्ष्या से तिलमिला उठना- भगतसिंह का नाम सुनकर अंग्रेज कमिश्नर की छाती पर साँप लौट गये। 4. पछताना- सेठ जी का नौकर चोरी करके भाग गया और वे हाथ मलते रह गए।
5. झूठा प्रलोभन देना- विदेश में नौकरी दिलवाने का सब्जबाग दिखा कर लूटने वाली एंजेसियों पर अब रोक लगेगी।

14. रसखान के दोहे और सवैया

(क) 1. स 2. ब 3. स 4. ब 5. ब **(ख)** स्वयं कीजिए

लिखित: (क) 1. द्रौपदी तथा अहिल्या 2. बाल कृष्ण का अपने आँगन में पैंजनियाँ व पीली धोती पहनकर, खाते खेलते फिरने पर रसखान रीझ गए थे। 3. क्योंकि इनके बीच ही कृष्ण बंसी बजाते घूमते रहते हैं। 4. क्योंकि कृष्ण के हाथ से उनकी झूठी रोटी लेकर खाने को ऋषि भी तरसते हैं।

(ख) 1. गौतम एक ऋषि थे। उनकी पत्नी अहिल्या शापवश पत्थर बन गई थी। भगवान के चरण पड़ने पर वह पुन: अपने स्त्री रूप में आ गई थी। 2. प्रहलाद का पिता ही उसका शत्रु था भगवान ने उसका वध करके प्रहलाद का दु:ख मिटाया था। 3. (अ) हरि प्रेम है, और प्रेम हरि है जिस प्रकार सूरज और धूप दोनों अलग -अलग नहीं वरन् एक है। (ब) हरि के सभी अधीन है किंतु भगवान स्वयं प्रेम के अधीन रहते है। (स) कवि रसखान कहते है कि कृष्ण की लाठी और कंबल के आगे तीनों लोकों का राज्य भी तुच्छ है। नंद की गाय चराने का सुख नौ निधियों और आठ सिद्धियों को प्राप्त करने से भी बढ़कर है। रसखान कवि कहते है कि मैं कब इन आँखो से ब्रज के वन, वाटिका, जलाशय आदि देखूँगा। मैं स्वर्ण जटिल भवनों को ब्रज के काँटेदार झाड़ियों पर न्यौछावर करने को बार-बार तैयार हूँ। (द) कवि कहता है कि धूल में भरे कृष्ण के हाथ से कौवें ने छीन कर माखन रोटी खाली। वास्तव में वह अत्यंत भाग्यशाली है। 4. स्वयं कीजिए।

भाषा एवं व्याकरण: (क) कोटिक हो कुलद्यौत, पग पैंजनी, गौतम गेहनी **(ख)** 1. असुन्दर 2. अनादि 3. अपरिमित 4. अनेक 5. अखंड 6. अनुतीर्ण 7. अनौपचारिक 8. अमल **(ग)** 1. धाराएँ 2. झरनें 3. कल्पनाएँ 4. बाधाएँ 5. उल्काएँ 6. आकाशगंगाएँ **(घ)** 1. स 2. ब **(ङ)** 1. स 2. स

15. आचार्य चाणक्य

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. स 5. ब **(ख)** 1. शकटार 2. चणक 3. चणक 4. वात्स्यायन **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. गलत 4. गलत 5. सही **(घ)** 1. द 2. य 3. अ 4. ब 5. स

लिखित: (क) 1. अत्यंत प्रवीण थे। 2. विलासी व मनमौजी 3. वह जिसे जरा भी राज्य-विरूद्ध पाता, उसी को सूली पर चढ़वा देता था। 4. धननंद के एक परम कुशल मंत्री शकटार था। 5. एक बार चणक ने शकटार के साथ मिलकर राज्यहित के लिए कुछ कुचक्र रचा। 6. इस विद्रोह के लिए धननंद ने ब्राह्मण चणक को सूली पर चढ़वा दिया तथा शकटार को परिवार सहित कैद में डाल दिया।
7. वात्सयायन जब आचार्य हुए तब उनका नाम आचार्य विष्णुगुप्त था। 8. कौटिल्य अर्थशास्त्र

9. उनका रचा हुआ 'कौटिल्य अर्थशास्त्र' राजनीति का एक बड़ा ग्रन्थ है, जिसमें राजा, प्रजा, पुलिस, सेना, विज्ञान आदि सभी का विधान है। 10. बहुत कठोर **(ख)** 1. एक दिन की बात है .... घास फिर कभी पैदा न हो। 2. विष्णुगुप्त की यह रौद्र क्रिया ..... शकटार के साथ चल दिए। 3. चाणक्य वीर, विद्वान, कूटनीतिज्ञ, देशप्रमी व महान रचनाकार थे।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. अजेय 2. अदृश्य 3. अप्रत्याशित 4. अजेय 5. अनियमित 6. अत्याज्य **(ख)** 1. जहरीला, हैरानी 2. याद, युद्ध 3. सूर्य, साहसी 4. रस्सी, पवित्र **(ग)** 1. ऋण से मुक्त 2. धर्म से विमुख 3. अछूतों का उद्धार 4. प्रयोग के लिए 5. क्रीड़ा का क्षेत्र 6. देश की भक्ति **(घ)** 1. गाँधी जी सत्यवादी युग पुरूष हैं। 2. शुभम को हम सच बोलने के कारण हरिश्चंद्र कहते हैं। 3. सार्थक तो पूरा श्रवण कुमार है। **(ङ)** 1. किसी, कुछ-अनिश्चयवाचक 2. जैसी-वैसी-संबंधवाचक 3. किन्हें-प्रश्नवाचक 4. हम-उत्तम पुरूषवाचक सर्वनाम 5. तुम-मध्ययम पुरूषवाचक सर्वनाम 6. यह-निश्चयवाचक **(च)** 1. (iii) 2. (iii) 3. (ii) 4. (ii) 5. (ii) 6. (ii) 7. (ii)

16. मिठाईवाला

(क) 1. स 2. स 3. अ 4. अ 5. ब **(ख)** 1. बच्चे 2. रोहिणी 3. समाचार-पत्र 4. झुंड 5. मुरली वाले **(ग)** 1. गलत 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. खिलौनें वाले के मधुर गान सुनकर गली के मकानों में हलचल मच जाती थी। 2. वह तीस-बत्तीस साल का दुबला-पतला गोरा युवक था। 3. इसलिए हो आया क्योंकि दोनों की आवाज मिलती-जुलती थी। 4. दो-दो पैसे में दी। 5. मिठाई वाले की कहानी सुनकर रोहिनी की आँखों में आंसू आ गये। 6. मुरली वाले की। **(ख)** 1. उसका स्नेहपूर्ण मधुर गान .....पेटी खोल देता। 2. सोचती थी कि वह भला है और वह सामान सस्ता देता है। 3. फेरीवाले ने अपने बीते जीवन की बातों को न दोहराने के आशय से कहा ताकि सुनने वालो को दु:ख न हो। 4. फेरी वाला पहले धनी व भरपूर परिवार का स्वामी था। दुर्घटना में उसका पूरा परिवार मारा गया। अकेलेपन की पीड़ा को भुलाने के लिए वह गली-गली फेरी करके बच्चों के साथ दिल बहलाने लगा।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. संबोधन 2. संप्रदान 3. करण **(ख)** 1. आसपास 2. धीरे 3. जल्दी-जल्दी 4. फुरती 5. प्रतिदिन **(ग)** 1. क्रिया 2. क्रिया 3. भाववाचक संज्ञा 4. संज्ञा 5. विशेषण 6. विशेषण 7. विशेषण 8. भाववाचक संज्ञा 9. विशेषण **(घ)** 1. खिलौने 2. खिलौने वाले 3. मुरलियाँ 4. उँगलियाँ 5. राजधानियाँ 6. रीतियाँ 7. गलियाँ 8. आवश्यकताएँ 9. नीतियाँ **(ड़)** 1. पथरीला 2. नगरीय 3. घृणित 4. गंभीर 5. बाहरी 6. इच्छित 7. रंगीन 8. भीतरी 9. लाल 10. वीर 11. तटस्थ 12. उष्ण **(च)** 1. सिपाही द्वारा चोर पकड़ा गया। 2. तुम्हारे द्वारा फल खाया जाएगा। 3. उसके द्वारा रात को भोजन खाया जाता है।। 4. शिकारी द्वारा शिकार किया जाता है। 5. तुम्हारे द्वारा पत्र लिखा गया है।

17. नीड़ का निर्माण फिर-फिर

(क) 1. ब 2. स 3. स 4. स **(ख)** स्वयं कीजिए **(ग)** 1. सही 2. सही 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. कवि का आशय है कि बार-बार प्रेम से संजोकर घर बनाना चाहिए। 2. टूट -फूट जाते है। 3. जब पक्षी तिनका-तिनका चुनकर अपना घोंसला बनाते है और कई बार विभिन्न कारणों से वो घोंसले नष्ट हो जाते हैं। जिसके कारण कवि के मन में निराशा उत्पन्न होती है की अब कभी चिड़िया अपना घोंसला नहीं बना पायेगी। 4. इसका उपमा कवि ने पछियों द्वारा टूटे घोंसलों को बार-बार बनाने से दी है।

(ख) 1. (अ) नीड का निमार्ण ..... फिर-फिर प्रस्तुत पक्तियों में कवि ने ''नीड़ का निर्माण फिर-फिर'' मनुष्य को लगातार पुरूषार्थ करने व भविष्य के प्रति आशावान बने रहने के लिए कह रहे है। कवि कहता है कि पक्षी जब अपने लिए घोंसला बनाने का प्रयत्न करते हैं तो कई बार विभिन्न कारणों से वो घोंसले नष्ट हो जाते हैं। इसके बावजूद वो पक्षी प्रयत्न करना नहीं छोड़ते। बार-बार कोशिश करके घोंसला बना ही लेते हैं।

कवि कहता है कि आँधी के उठने पर आसमान में अँधेरा छा गया। धूल से भेर हुए बादलों ने धरती को चारों तरफ से घेर लिया है। दिन में भी रात जैसा अँधेरा हो गया है। उस रात अन्य रात्रियों से ज्यादा अँधकार छा गया। ऐसा लग रहा था की अब दोबारा इस संसार में सुबह नहीं होगी। यहाँ अँधेरा संकटों तथा दु:खों का प्रतीक है और सवेरा उन संकटों तथा दु:खों के समाप्त होने की आशा है। कवि कह रहे हैं कि यह दु:ख इतना बड़ा है कि लगता है वो कभी समाप्त ही नहीं होगा। इतने संकटों के बाद भी कवि निराश नहीं होता ओर कहता है कि ऊषा की मोहनी मुस्कान ही उम्मीदों की किरण है। जिस तरह रात कितनी भी अँधेरी हो, सुबह होते ही सूर्य की किरणें उस अँधकार को दूर कर देती हैं। उसी तरह मुसीबतें तथा दु:खों के बादल कितने भी बड़े क्यों न हों एक समय बाद भाग्य मनुष्य को ऐसा अवसर जरूर देता है कि वह पुरूषार्थ करके उन दु:खों के पहाड़ों को हटा सके।

(ब) क्रुद्ध नभ के ..... फिर-फिर

प्रस्तुत पक्तियों कवि कहना चाहते हैं कि चाहे कितनी भी अँधेरी रात हो, सुबह प्रकाश की किरणें उस अँधकार को छिन्न-भिन्न कर देती हैं। प्रकृति के इसी घटनाक्रम को काव्य रूप में लिखते हुए कवि कहते हैं कि परिस्थितियाँ कितनी भी प्रतिकूल हो, उम्मीद की किरण हमेशा उन पर विजय प्राप्त करती है।

कवि कहते हैं कि आकाश में काले बादल जब आपस में टकराते हैं तो भीषण गर्जना होती है। यह गर्जना इतनी भंयकर होती है कि उस समय कोई और आवाज सुनाई नहीं देती। ऐसे समय में जिस प्रकार पक्षी कतार में उड़ते हैं, चहचाहते है, ठीक उसी प्रकार मनुष्य को उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। लगातार प्रयत्न करते रहना चाहिए चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हो। कवि ने अपनी पक्तियों में 'पवन उनचास' का प्रयोग किया है, जिस अर्थ वायु से है। पवन बहुत प्रबल होती है, कि अपने वेग के साथ सब कुछ उड़ा ले जाती है। ऐसे में भी चिड़िया अपनी चोंच में तिनका लिए हवा के रूख के विपरीत उड़ती जाती है, और पवन उनचास को नीचा दिखाती है। कवि का मानना है कि नाश का दु:ख चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो उसका अंत होना ही है। वह कभी भी निर्माण के सुख को दबा नहीं सकती। आँधी तथा तुफान कितनी भी बार चिड़ियों के घोंसलों को नष्ट करें, वो दुबारा घोंसला बनाती हैं। इसलिए कवि को पूरा विश्वास है कि विनाशलीला कितनी भी भंयकर हो, उसके बाद उम्मीद की किरण होती ही है। यदि पुरे संसार में संसार में प्रलय आ भी जाए तो उसके बाद भी सृष्टि की पुनर्रचना अवश्य होगी।

2. (अ) रात के उत्पात भय से भीत जन-जन, भीत कण-कण। किंतु प्राची से उषा की मोहिनी मुस्कान फिर-फिर (ब) घोर गर्जनमय गगन के कंठ में खग पंक्ति गाती।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. खग, पक्षी, चेटक 2. गगन, नभ, आसमान **(ख)** संधि-विच्छेद: 1. अधिक + अंश 2. अक्ष + अंश 3. अधिक + अधिक स्वरों का मेल: 1. अ + अ = आ 2. अ + अ = आ 3. अ + आ = आ (ग) 1. स्वर्ण 2. कर्ण 3. वर्ष 4. नासिका 5. जिह्वा 6. पक्षी **(घ)** 1. कोठरी, खिड़की, सलाखों, बाँस, गली 2. मेरा 3. भयानक 4. बीतता, चला जाता, लगे थे, फटने लगता।

18. निंदा बनाम समीक्षा

(क) 1. ब 2. ब 3. अ 4. ब 5. अ

(ख) 1. छोटा 2. रामतीर्थ 3. समीक्षा 4. कुछ-न-कुछ 5. दोषों

(ग) 1. सही 2. सही 3. गलत 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. निंदा उन अनर्गल बातों का पुलिंदा होता है जिसे कोई व्यक्ति किसी के विरूद्ध उसकी अनुपस्थिती में अवसर पाते ही खोलकर पढ़ने लगता है। 2. समीक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें गुण-दोषों का ठीक-ठीक विवेचन किया जाता है। 3. कसाई से की गई है। 4. सर्जन से की गई है। 5. निंदक का काम उन उपद्रवियों जैसा है, जो किसी की परवाह किये बिना यों ही चाकू चला देते है। 6. बिना किसी तरह की क्षति पहुँचा विकृतियों को बाहर कर देना उसका अपना कौशल है।

(ख) 1. ऐसे कार्य घोर ईर्ष्यालू लोग .... सहज हो जाता है। 2. समीक्षा एक ऐसी प्रक्रिया है ..... सहज हो जाता है। 3. समीक्षक की स्थिति एक सच्चे मित्र ..... अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदु है। 4. निंदा और समीक्षा के .. .. क्रम को दोषपूर्ण बनाती है। 5. समीक्षक का कार्य सर्जन की ..... . प्रमाणिम समझी जाती है।

भाषा एवं व्याकरण: (क) 1. (iii) 2. (ii) 3. (iii) 4. (i) 5. (ii) 6. (ii) 7. (ii) 8. (iii)

(ख) 1. संबंध कारक 2. विशेषण 3. विशेषण, सर्वनाम, संज्ञा 4. संज्ञा

(ग) 1. दिवस 2. वर्ष 3. स्वर्ण 4. अग्नि 5. अश्रु 6. चीत्कार

(घ) 1. ब 2. ब 3. स 4. स 5. द

(ङ) 1. सनातन 2. प्रियदर्शी 3. अजातशत्रु 4. क्षम्य 5. निंदक 6. समीक्षक 7. परीक्षक

(च) 1. सजगता 2. कठोरता 3. शैशव 4. नीरवता 5. निर्धनता 6. लड़कपन 7. विशेषता 8. शीतलता 9. लोभ 10. लंबाई 11. उन्मन्तता 12. मोटाई

(छ) 1. चिह्नित 2. क्रूर 3. कीमती 4. रक्तिम 5. भारतीय 6. धैर्यवान 7. फुर्तीला 8. बनारसी 9. संसदीय **(ज)** 1. ने 2. को 3. से 4. के द्वारा

19. बूढ़ा कुत्ता

(क) 1. स 2. स 3. ब 4. ब **(ख)** 1. खौरा 2. दही-भात 3. प्रहरी 4. सरदार 5. रानी **(ग)** 1. सही 2. गलत 3. सही 4. सही 5. सही

लिखित: (क) 1. हाँफने की आवाज से हुआ। 2. अच्छा भोजन, सुरक्षा और घर के सदस्यों का प्यार-दुलार पाकर थोड़े ही दिनों में यह बड़ा हो गया। 3. खौरा 4. कुत्ते की दीन दशा देखकर

(ख) 1. घर में विवाह की धूम थी ..... सर्वनाश ही हो गया होगा। 2. नहीं क्योंकि उसने सारी उम्र घर के लोगों की सेवा की थी और अपनें साथियों से मित्रवत व्यवहार किया था। 3. यह कुत्ता थोड़े ही दिनों में ..... यहाँ पहुँच गया।

भाषा एवं व्याकरण: (क) पुल्लिग- (1, 2, 6, 7, 8) स्त्रीलिंग (3, 4, 5, 9) **(ख) उद्देश्य**- 1. मेरा भाई, स्वावलंबी व्यक्ति, रामचरितमानस **विधेय**- 1. प्रश्न हल कर रहा हूँ। 2. सदा सुखी रहता है। 3. तुलसीदास जी की सर्वश्रेष्ठ कृति है।

(ग) 1. यदि + अपि, इ + अ 2. उत् + अग्नि, त् + अ 3. वि + ऊह, इ + ऊ **(घ)** 1. उफ् 2. सावधान 3. शाबाश **(ङ)** 1. मैनें नया मेज बनवाया है। 2. नेहा खाना खाकर गई है। 3. शुभ्रा ने खाना खाया है।